3 राजधानी
पंडारा रोड मार्केट का होगा नवीनीकरण

6 अभिमत
चेन्नई ने झेला चक्रवात का दंश

10 विदेश
भारत ने पेरिस समझौता अक्षरशः लागू करने की अपील की

11 राष्ट्रीय
आनंद विवाह अधिनियम जम्मू-कश्मीर में लागू

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 40
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 दिसंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मोहम्मद शमी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित
स्पोर्ट्स-12

22वीं बरसी पर संसद के अंदर हुआ हमला

- दर्शक दीर्घा से दो लोग लोकसभा में कूदे, पीला धुआं छोड़ा, संसद के बाहर भी महिला समेत दो ने नारेबाजी की और धुआं छोड़ा, चारो गिरफ्तार
- पुलिस ने इनके एक सहयोगी को गुरुग्राम से किया गिरफ्तार, एक अन्य की तलाश, आरोपियों के पास कोई मोबाइल फोन नहीं मिला, पूछताछ और जांच जारी

नई दिल्ली में बुधवार को दर्शक दीर्घा से कूदकर लोकसभा में पहुंचे युवकों द्वारा केन से छोड़े गए धुएं के बाद अफरा-तफरी मच गई।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद हमले की 22वीं बरसी पर बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान दोपहर 1.02 बजे एक बड़ा सुरक्षा उल्लंघन हुआ, जब दो घुसपैठिए पीले रंग का धुंआ छोड़ रहे धुएं के केन के साथ दर्शक दीर्घा से कूदकर लोकसभा में भागने लगे। उन्होंने सभा कक्ष में नारे भी लगाएं बाद में सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया।

उसी दौरान एक महिला सहित दो व्यक्तियों ने संसद के बाहर 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाते हुए केन से रंगीन गैस का छिड़काव भी किया। चारों को सुरक्षा बलों ने हिरासत में ले लिया है। लोकसभा घटना में शामिल दो लोगों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन के रूप में की गई है। शर्मा मैसूरु लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा के अतिथि के रूप में दर्शक दीर्घा में आया था। वहीं संसद के बाहर एक पुरुष और एक महिला को बुधवार को हिरासत में लिया गया। ये संसद भवन के बाहर पीले और लाल रंग का धुआं छोड़ने वाले डिब्बे लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इनकी पहचान हरियाणा के हिसार की 42 वर्षीय नीलम और महाराष्ट्र के लातूर इलाके के 25 वर्षीय अमोल शिंदे के रूप में हुई। दोपहर करीब 1.02 बजे दोनों युवक दर्शक दीर्घा से चैंबर में कूद गए।

सदन में मौजूद कई सांसदों के अनुसार एक को बेंचों पर कूदते हुए देखा गया, जबकि दूसरे को चैंबर में कूदने से पहले गैलरी से लटकते हुए देखा गया। भाजपा सदस्य राजेंद्र अग्रवाल, जो आसन पर थे, ने कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी क्योंकि लोकसभा कक्ष का एक हिस्सा पीले रंग के धुएं से भर गया था। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस को बुधवार को संसद की सुरक्षा उल्लंघन के मामले में पहले ही पकड़े जा चुके चार लोगों के साथ दो और लोगों के शामिल होने का संदेह है। उन्होंने दावा किया कि सभी छह एक-दूसरे को जानते थे और गुरुग्राम में एक घर में रह रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चारों आरोपी एक-दूसरे को जानते थे और उनके दो अन्य साथी भी थे, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक पुलिस सूत्र ने कहा कि चार को पकड़ लिया गया है, पांचवें की पहचान कर ली गई है। दो संदिग्ध और चार आरोपी गुरुग्राम के एक घर में रुके थे और ऐसा लगता है कि घटना की योजना बनाई गई थी। आरोपियों के पास से कोई मोबाइल फोन नहीं मिला है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। संसद के सीसीटीवी सिस्टम के वीडियो फुटेज से पता चला कि गहरे नीले रंग की शर्ट पहने एक व्यक्ति पकड़ से बचने के लिए डेस्क के पार छलांग लगा रहा था, जबकि दूसरा दर्शक दीर्घा में धुआं फैला रहा था।

टेलीविज़न फुटेज में उन्हें एक डेस्क से दूसरे डेस्क पर कूदते हुए और सदन के वेल की ओर जाते हुए देखा गया। दोनों व्यक्तियों को सांसदों और सुरक्षा कर्मचारियों ने काबू कर लिया। एक अन्य वीडियो में लोकसभा के एक सदस्य को हंगामे से कुछ सेकंड पहले सदन की बात कहते दिखाया गया है। अचानक 'उसे पकड़ो, उसे पकड़ो' की चिल्लाहट सुनी जा सकती है। सदन के अंदर मौजूद सदस्यों ने मीडिया को बताया कि वे 'तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगा रहे थे। यह घटना 2001 के घातक संसद हमले की 22वीं बरसी पर हुई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, संदिग्ध के जूते में गैस के केन पाए गए। हालांकि प्रदर्शनकारियों की संबद्धता का तत्काल पता नहीं चल पाया है, लेकिन अमेरिका स्थित खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून (शेष पेज 9)

भारी सुरक्षा चूक के चलते फिर जा सकती थी जाने

- एक दशक से नहीं हुई सुरक्षा कर्मियों की नई भर्ती, लोकसभा अध्यक्ष ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए, संसद में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जाएगी

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में संसद भवन के बाहर पुलिसकर्मियों की गिरफ्त में धुआं देने वाले कैन के साथ प्रदर्शनकारी।

आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुराने और नए संसद परिसर के लिए कई परतों की संयुक्त सुरक्षा प्रणाली, उच्च परिभाषित सुरक्षा प्रोटोकॉल पर वर्दीधारी कर्मियों के बीच विभिन्न 'खामियों' और 'मतभेदों' के कारण लोकतंत्र केनए मंदिर में बड़ी सुरक्षा चूक हुई।

दिसंबर 2001 में संसद की सुरक्षा में बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को आज जब पूरा देश श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, ऐसे समय यह खामी और भी डरावनी है। संसद सुरक्षा प्रणाली में कर्मचारियों की कमी और पिछले एक दशक में कोई भर्ती नहीं होने के कारण इस सितंबर में विशाल नए संसद भवन के निर्माण के समय परखी गई और भरोसेमंद इन-कैडर संसद सुरक्षा सेवाओं (पीएसएस) को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो संसद के संरक्षक भी हैं, ने कहा कि संसद में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बिरला ने कहा कि सुरक्षा उपाय में क्या सुधार किया जा सकता है, इसका आकलन सदस्यों के साथ चर्चा के बाद किया जाएगा। बिरला ने घटना की उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिए और मौके पर आगे बढ़ने और अपराधियों को पकड़ने के लिए लोकसभा सदस्यों, सुरक्षा कर्मियों, चैंबर स्टाफ और मार्शलों की सराहना की। बिरला ने कहा कि घटना चिंता का विषय है और हम इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कर रहे हैं। जांच के निष्कर्षों के अनुसार भविष्य की कार्रवाई तय की जाएगी।

लोकसभा पीठासीन अधिकारी द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कुछ नेताओं द्वारा कई बार संसदीय कर्मचारियों की कमी के बारे में अवगत कराया गया था। नई संसद के लिए पीएसएस की जिम्मेदारी केवल विभिन्न श्रेणी के प्रवेश पास जारी करने के लिए कम कर दी गई है, जिसमें (शेष पेज 9)

संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची।

भारत ने ओआईसी की टिप्पणियों को किया खारिज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- अनुच्छेद 370 रद्द करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट के बरकरार रखने पर जताई थी चिंता

भारत ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के 2019 के फैसले को बरकरार रखने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर इस्लामिक सहयोग संगठन की चिंता व्यक्त करने वाली टिप्पणियों को दृढ़ता के साथ खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मानवाधिकारों का लगातार उल्लंघन करने वाले और सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले के इशारे पर ओआईसी की कार्रवाई उसे और भी संदिग्ध बनाती है। हालांकि बागची ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर पाकिस्तान की ओर था। बागची ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के महासचिव द्वारा जारी बयान को भारत खारिज करता है। यह गलत सूचना और गलत इरादे वाला है। मीडिया के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ओआईसी मानवाधिकारों का लगातार उल्लंघन करने वाले और सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले के इशारे पर ऐसा करता है, जिससे उसकी कार्रवाई और भी संदिग्ध हो जाती है। ऐसे बयान केवल ओआईसी की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। मंगलवार को ओआईसी के महासचिव ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चिंता जताते हुए एक बयान में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अपनी एकजुटता की भी पुष्टि की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त, 2019 के फैसले को बरकरार रखा था। ओआईसी ने अनुच्छेद 370 को उलटने को 'अवैध और एकतरफा' बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। ओआईसी ने बयान में कहा, हम जम्मू और कश्मीर के लोगों के साथ अपनी एकजुटता की पुष्टि करते है और संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प के अनुसार जम्मू और कश्मीर के मुद्दे को हल करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपना आह्वान दोहराते हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन, जिसके चार महाद्वीपों में 57 सदस्य देश हैं, जो स्वयं को मुस्लिम देशों की सामूहिक आवाज़ के रूप में वर्णित करते हैं।

मोहन और विष्णु ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा समेत कई राज्यों मुख्यमंत्री थे मौजूद, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शपथ ग्रहण समारोह

राजेश कुमार। नई दिल्ली/भोपाल/रायपुर

भोपाल में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के नए सीएम मोहन यादव और राज्यपाल मंगू भाई पटेल के साथ।

मोहन यादव और विष्णु देव साय ने क्रमशः मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के रूप में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शपथ ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 15 दिसंबर को शपथ लेंगे।

भोपाल में, भाजपा विधायक दल के नेता और उज्जैन दक्षिण से विधायक मोहन यादव (58) को प्रदेश की राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह से पहले यादव ने भोपाल में एक मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक मोहन यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भाजपा के संस्थापक विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य भाजपा कार्यालय भी गए।

शपथ ग्रहण समारोह में चौहान के मंच पर पहुंचते ही भीड़ 'मामा, मामा' के नारे लगाने लगी, जबकि पूरे समारोह में 'मोदी, मोदी' के नारे लगते रहे। शपथ ग्रहण समारोह से पहले, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, राज्य उनके नक्शेकदम पर चलेगा। उन्होंने कहा, जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, मध्य प्रदेश उनके नक्शेकदम पर चलेगा। मैं राजा विक्रमादित्य की भूमि से आता हूं और मैं राज्य की प्रगति और मध्य प्रदेश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यादव ने कहा, हम वहीं सुशासन देखेंगे जो राजा विक्रमादित्य के शासनकाल के दौरान मौजूद था।

तीन बार के भाजपा विधायक यादव मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री हैं। वह 2003 से उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से राज्य के चौथे ओबीसी मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री के रूप में यादव की नियुक्ति से भाजपा के दिग्गज नेता और चार बार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के युग का भी अंत हो गया, जिन्होंने करीब दो दशकों तक राज्य की राजनीति पर दबदबा बनाए रखा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर (शेष पेज 9)

विपक्ष ने संसद की सुरक्षा पर जताई चिंता

- सर्वदलीय बैठक में मामले की जांच की साथ, नए भवन में भी पुराने भवन की तरह सख्त सुरक्षा कदम उठाने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विपक्षी दलों के नेताओं ने बुधवार को संसद की सुरक्षा में भारी चूक को लेकर चिंता जताई और मामले की जांच के साथ-साथ नए भवन में भी पुराने भवन की तरह सख्त सुरक्षा कदम उठाने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस के कुछ सांसदों ने इस घटना की तुलना अपनी पार्टी सहयोगी महुआ मोइत्रा के निष्कासन से की और उन भाजपा सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जिन्होंने कथित तौर पर आरोपियों को संसद में प्रवेश करने के लिए पास दिलाने में मदद की थी। घटना में शामिल दो लोगों की पहचान सागर शर्मा और मनोरंजन के रूप में हुई है। शर्मा मैसूरु से लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा की अनुशंसा के आधार पर मिले पास के जरिए दर्शक दीर्घा तक पहुंचा था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कुछ नेताओं ने सुरक्षा प्रोटोकॉल में कमियों की ओर इशारा किया। बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी (शेष पेज 9)

मोदी सरकार में बड़ी संख्या में लौटीं ऐतिहासिक कलाकृतियां

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

- पिछले एक दशक के दौरान 344 ऐतिहासिक वस्तुओं को विदेश से भारत लाया गया, 1976 से 2013 के बीच सिर्फ 13 सामान को लाया गया

सदियों पहले देश से चोरी हुए ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पुरावशेषों, मूर्तियों और कलाकृतियों को वापस लाने की सूची पिछले एक दशक के दौरान लगातार लंबी होती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत के सांस्कृतिक खजाने में बढ़ोतरी पिछले दस वर्षों में यानी 2014 से 2023 के बीच अधिक हुई है, इस अवधि के दौरान 344 ऐतिहासिक वस्तुओं को विदेश से भारत लाया गया है। जबकि वर्ष 1976 से 2013 के बीच सिर्फ 13 कलाकृतियों को ही वापस लाया जा सका था। इससे साफतौर पर हाल के वर्षों में किए प्रयासों और उसके सुखद परिणाम बदलाव को उजागर करते हैं।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सूत्रों ने बताया कि इसी तरह के और भी प्राचीन वस्तुएं देश वापस लाने की प्रक्रिया में हैं। पिछले दस वर्षों के दौरान विदेशों से प्राप्त पुरावशेषों में से ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और अमेरिका से प्राप्त कम से कम 31 पुरावशेष तमिलनाडु के हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी.किशन रेड्डी ने हाल ही में लोकसभा में कहा कि केंद्र सरकार भारतीय मूल के उन पुरावशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो भारत से छीन ली गई या चोरी छिपे बाहर गईं थीं। जब भी भारतीय मूल की ऐसी कोई प्राचीन वस्तु विदेश में सामने आती है तो एएसआई उनकी पुनर्प्राप्ति के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेश में भारतीय दूतावासों/मिशनों के साथ इस मामले को उठाता है। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने आगे कहा कि सदियों से, असंख्य अमूल्य कलाकृतियों को चोरी कर या तस्करी कर विदेश ले जाया गया, जिनमें से कुछ का गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। सरकार ने 'भारतीय कलाकृतियों और सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने' के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विदेशी दौरों पर वैश्विक नेताओं और बहुपक्षीय संस्थानों के साथ इस मामले पर चर्चा की। किसी भी राज्य से अवैध रूप से निर्यात की गई भारतीय पुरावशेषों

की स्वदेश लाने के बाद वापिस किया जाता है।

जब भी किसी पुरावशेष की चोरी की सूचना मिलती है, तो संबंधित पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की जाती है और चोरी की पुरावशेष का पता लगाने और इसके अवैध निर्यात को रोकने, निगरानी रखने के लिए कस्टम एग्जिट चैनल सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 'लुक आउट नोटिस' जारी किया जाता है। रेड्डी ने कहा कि प्राचीनता का पता लगाने और उसकी पुनर्प्राप्ति के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समन्वय में संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा मामले को आगे बढ़ाया जाता है। 2016 और 2021 में प्रधान मंत्री मोदी की यात्रा के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सौंपी गई भारत के खजाने में शामिल की गई 157 कलाकृतियों की सूची में 10वीं ईस्वी का बलुआ पत्थर से बने रेवंता के डेढ़ मीटर वाले आधार से लेकर वस्तुओं तक का एक विविध सेट शामिल है। 12वीं ईस्वी का 8.5 सेमी लंबा कांस्य का नटराज है। वस्तुएँ मुख्य रूप से 11वीं ईस्वी से 14वीं ईस्वी की अवधि के साथ-साथ ऐतिहासिक पुरावशेषों जैसे कि 2000 ईसा पूर्व की तांबे की वस्तु या दूसरी ईस्वी की टेराकोटा फूलदान से संबंधित हैं। लगभग 45 पुरावशेष सामान्य युग (ईसा पूर्व) से पहले की हैं।

जबकि आधी कलाकृतियाँ (71) सांस्कृतिक हैं, अन्य आधी में मूर्तियाँ हैं जो हिंदू धर्म (60), बौद्ध धर्म (16) और जैन धर्म (9) से संबंधित हैं। उनका निर्माण धातु, पत्थर और टेराकोटा से हुआ है। कांस्य संग्रह में मुख्य रूप से लक्ष्मी नारायण, बुद्ध, विष्णु, शिव पार्वती और 24 जैन तीर्थंकरों की प्रसिद्ध मुद्राओं की अलंकृत मूर्तियाँ और अन्य अनाम देवताओं और दिव्य आकृतियों के अलावा कम मिलने वाली कंकलामूर्ति, ब्राह्मी और नंदीकेसा शामिल हैं। रूपांकनों में हिंदू धर्म (तीन सिर वाले ब्रह्मा, रथ चलाने वाले सूर्य, विष्णु और उनके साथी, दक्षिणामूर्ति के रूप में शिव, नृत्य करते गणेश आदि), बौद्ध धर्म (खड़े बुद्ध, बोधिसत्व मंजुश्री, तारा) और जैन धर्म (जैन तीर्थंकर, पद्मासना (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 दिसंबर, 2023

नोएडा की सड़कों पर लगेंगे फेस डिटेक्टर कैमरे

शहर को सुरक्षित बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण करेगा सौ करोड़ खर्च, अपराधियों की होगी तुरंत पहचान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अब अपराध करके अपराधी शहर से बाहर नहीं निकल सकेगा। हजारों की भीड़ में से सडकों पर लगे फेस डिटेक्टर कैमरे उसको पहचान कर उसकी फोटो कमांड सेंटर भेज देंगे। उसी स्थान पर पुलिस उन्हें शिकंजे में ले लेगी। नोएडा प्राधिकरण अब शहर के विभिन्न चौराहों व मुख्य मार्गों के अलावा व्यस्तम मार्केट, स्कूल.कॉलेज, धार्मिक स्थलों पर अत्याधुनिक कैमरे लगाने जा रहा है।

इन कैमरों को सेक्टर-94 स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर में स्थापित इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ दिया जाएगा। ये मामूली कैमरे नहीं बल्कि फेस डिडेक्शन और एएनपीआर टाइप के होंगे। जिनका काम इन स्थानों की 24 घंटे सर्विलांस करना है। योजना पर करीब 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। से फसिटी योजना के तहत शहर में करीब 500 स्थानों पर जनवरी-फरवरी 2024 से कैमरे लगने शुरू हो जाएंगे। इन जगह 1500 से 2000 कैमरे लगाए जाएंगे। ये फेस डिटेक्शन कैमरे होंगे जिनमें वारदात करने वाले बदमाशों के चेहरे स्पष्ट कैद हो जाएंगे। इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। कैमरे लगवाने के लिए कंपनी का चयन करने को नोएडा प्राधिकरण ने आरएफ पी रिक्वेस्ट फ ॉर प्रोपजल तैयार कर ली है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इसी सप्ताह आरएफपी जारी की जाएगी। जनवरी में कंपनी का चयन हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कंसल्टेंट ने सर्वे कर रिपोर्ट दे दी है।

ये कैमरे सर्विलांस के तौर पर काम करेंगे। सेफ सिटी प्रॉजेक्ट के तहत शहर में फेस रिकॉग्निशन कैमरे लगवाने के लिए कंपनी का चयन करने को नोएडा अथॉरिटी ने आरएफ पी रिक्वेस्ट फ ॉर प्रोपजल तैयार कर लिया है। दिसंबर के अंत तक नोएडा प्राधिकरण आरएफपी वेबसाइट पर जारी कर देगा। जनवरी 2024 में इसके लिए कंपनी के चयन का काम पूरा हो जाएगा। कैमरों को लेकर कंसल्टेंट एजेंसी ने सर्वे करके अपनी रिपोर्ट दे दी है।

शहर में लगने वाले ये कैमरे सर्विलांस के तौर पर काम करेंगे। इन कैमरों के लिए सेक्टर 94 में एक कमांड कंट्रोल सेंटर बनेगा। यहां पहले से ही इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर बना हुआ है।

नए तरीके से तैयार होंगे सर्वर

योजना पूरी होने के बाद दोनों कमांड कंट्रोल सेंटर एक-दूसरे से जुड़ जाएंगे। अथॉरिटी के अफसरों ने बताया कि जिस जगह कैमरे लगेंगे उनको चिह्नित करने का काम पूरा हो गया है। शहर के सभी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, धार्मिक स्थान, मेट्रो स्टेशन, भीड़.भाड़ वाले स्थान आदि इस सूची में शामिल हैं। सेफसिटी के तहत शहर में सर्विलांस, पीटीजेड, एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों के लिए पूरा सर्वर नए तरीके से तैयार किया जाएगा। काम शुरू होने पर सभी जगह कैमरे लगने में सात-आठ महीने का समय लगेगा।

अब रात 8 बजे के बाद भी कोचिंग जा सकेंगी नोएडा की बेटियां

● पिछले प्रतिबंध को योगी सरकार ने लिया वापस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत पूरे जनपद की बेटियों के लिए यूपी की योगी सरकार की ओर से एक बड़ी खबर है। खबर यह है कि पिछले दिनों रात आठ बजे के बाद कोचिंग जाने पर लगाए गए प्रतिबंध के फैसले को वापस ले लिया गया है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गौतमबुद्धनगर जनपद के अन्य क्षेत्रों में रहने वाली छात्राएं रात आठ बजे के बाद भी कोचिंग के लिए बेधड़क अपने घर से बाहर निकल सकेंगी। आपको बता दें कि पिछले दिनों यूपी शासन की ओर से सेफ सिटी परियोजना के तहत रात आठ बजे के बाद कोचिंग सेंटरों के संचालन पर बैन लगा दिया गया था। यह प्रतिबंध उन कोचिंग सेंटरों पर लगाया गया था, जहां पर छात्राएं कोचिंग के लिए जाती थी। कहा गया गया था कि रात आठ बजे के बाद छात्राओं के लिए कक्षाओं का संचालन नहीं हो सकेगा।

शिक्षा विभाग की ओर से सभी कोचिंग सेंटर संचालकों को नोटिस भी जारी किए गए थे। प्रदेश शासन की ओर से जारी नए आदेश के तहत अब प्रदेशभर में अब छात्राएं रात आठ बजे के बाद भी कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई कर सकेंगी। अब 30 अगस्त को जारी किया गया अपना आदेश वापस ले लिया है।

बस में चालक को आया अटैक, दो को रौंदा

● शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के मंडी श्याम नगर में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज गति में जा रही रोडवेज बस के चालक को हार्ट अटैक आने की वजह से बस सड़क पर जा रहे बाइक व अन्य वाहनों से टकरा गई।

इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार की सुबह एक रोडवेज बस मंडी श्याम नगर होते हुए जा रही थी। तेज गति में जा रही रोडवेज बस का चालक अचानक बस से नियंत्रण खो बैठा। बस आगे जा रही बाइक व अन्य वाहनों से टकरा गई।

इस हादसे में दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में मारे गए लोगों के शवों को भी पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एडीसीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रोडवेज बस के चालक को अचानक अटैक आया था। इस कारण वह चलती बस से नियंत्रण खो बैठा और यह भीषण हादसा घटित हुआ। भीड़भाड़ वाले इलाके में हुए भीषण हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस हादसे से लोगों में खासा आक्रोश था। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। मृतकों की पहचान करन पुत्र रविन्द्र निवासी थाना सिकंदराबाद, बुलंदशहर उम्र 32 वर्ष सुशील पुत्र जसंवत निवासी भावनी थाना शिकारपुर जिला बुलंदशहर के रुप में हुई। इस हादसे में उपचार के दौरान एक अज्ञात हो गई है, जिसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। रोडवेज की बस बुलंदशहर डिपो की थी। यह बस बुलंदशहर जा रही थी। पुलिस के अनुसार, बस को कब्जे में ले लिया गया है।

विधायक का फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर मांगे रुपए

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजीतपाल त्यागी का फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाने का मामला समाने आया है। फेसबुक अकाउंट से कई पोस्ट भी किए गए।

विधायक ने अपने अकाउंट से पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की एवं ठगों के झांसे में नहीं आए और कहा कि किसी को आर्थिक सहायता ना दें। मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र से अजीतपाल त्यागी विधायक हैं। उनका फेसबुक पर अकाउंट एवं पेज है। जिस पर काफी लोग जुड़े हुए हैं। उनके नाम से एक फर्जी फेसबुक अकांउट बनाया गया है। अकाउंट पर उनका फोटो भी लगाया गया।

तीनों पुलिस जोन में नए थाने खुलेंगे: पुलिस आयुक्त

● नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा की सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस कमिश्नरी गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के क्षेत्र में पड़ने वाले नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जेवर एयरपोर्ट तथा ग्रामीण क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद बनाने के मकसद से नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 15 नए थाने खोलने की योजना बनाई है।

नोएडा गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह अभेद बनाया जाएगा। इसके लिए तीनों पुलिस जोन में नए थाने खोले जाएंगे। नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने बताया कि नोएडा के सेक्टर.106 में नया थाना स्थापित किया जाएगा। यह थाना 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर पुलिसिंग करेगा। इस थाना क्षेत्र में 50 हजार तक की आबादी शामिल की जाएगी। नोएडा के नए थाना सेक्टर-106 में सलारपुर, भंगेल, हाजीपुर तथा गेझा तिलपताबाद को शामिल किया जाएगा।

इसी तरह ग्रेटर नोएडा में थाना यमुना स्पोर्टस सिटी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल लगभग 108 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या लगभग 100000 होगी। थाना यमुना स्पोर्टस सिटी में थाना दनकौर व थाना रबूपुरा के ग्राम जगनपुर, अट्टा गुजरान, नौरंगपुर, ग्राम रोनीजा व कादलपुर आदि गांवों को शामिल किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में थाना निलोनी मिर्जापुर भी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफल लगभग 105 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 100000 होगी। थाना निलोनी मिर्जापुर में थाना दनकौर व थाना रबूपुरा के ग्राम उस्मानपुर, रीलखा, ग्राम अच्छेपुर व रामपुर बांगर को स्थापित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में ही थाना दयानतपुर में भी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल लगभग 80 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 77000 है। थाना दयानतपुर में थाना जेवर और थानाा रबूपरा के ग्राम बनवारीपुर, रोही, रामनेर व ग्राम कानपुर को शामिल किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में ही थाना मेडिकल डिवाइस पार्क भी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल 80 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 78 हजार रखी जाएगी। थाना मेडिकल डिवाइस पार्क में थाना रबूपुरा के ग्राम तनाजा उर्फ चकबीरमपुर, बीरमपुर एवं आकलपुर आदि गांवों को शामिल किया जाएगा।

दो महिला थाने खुलेंगे

नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव के तहत दो महिला थाने भी स्थापित किए जाएंगे। सेंट्रल जोन नोएडा में महिला थाना सेंट्रल नोएडा स्थापित किया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफ ल लगभग 460 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 31 लाख होगी। इस महिला थाने के अंतर्गत सेंट्रल जोन नोएडा के सभी थाने शामिल किए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में भी महिला थाना स्थापित किया जाएगा। इसका कुल क्षेत्रफ ल 637 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 15 लाख रहेगी। इस महिला थाने के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा जोन के सभी थाने शामिल होंगे। इसी कड़ी में सेंट्रल जोन नोएडा में थाना जुनपत स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल 60 वर्गकिलोमीटर एवं जनसंख्या 2 लाख होगी। थाना जुनपत में थाना सूरजपुर के चौकी तिलपता एवं चौकी जनुपत के सभी क्षेत्र शामिल होंगे। इसी तरह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में थाना चेरी काउंटी भी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल 15.24 किलोमीटर तथा जनसंख्या 3 लाख 50 हजार होगी। इस नए थाने में ग्राम इटेडा, ग्राम मिल्क लच्छी, चिपियाना बुजुर्ग, रोजा याकूबपुर आदि गांवों को शामिल किया जाएगा। सेंट्रल जोन नोएडा में थाना गौर सिटी भी स्थापित किया जाएगा। थाना गौर सिटी में ग्राम हैबतपुर, चिपियाना खुर्द उर्फ तिगरी, ग्राम युसूफपुर चक शाहबेरी आदि गांवों को शामिल किया जाएगा। इसी तरह ग्रेटर नोएडा में थाना ऐच्छर स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल 1250 हेक्टेयर एवं जनसंख्या 3 से 4 लाख होगी। थाना ऐच्छर में थाना बीटा.2 से क्षेत्र सामायोजित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में ही थाना अजायबपुर स्थापित किया जाएगा, जिसका क्षेत्रफ ल 2430 हेक्टेयर एवं जनसंख्या 3 लाख होगी। थाना अजायबपुर में थाना दादरी से क्षेत्र समायोजित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में ही थाना जहांगीरपुर भी स्थापित किया जाएगा जिसका क्षेत्रफ ल 1210 हेक्टेयर और जनसंख्या डेढ से दो लाख होगी। थाना जहांगीरपुर में थाना जेवर से क्षेत्र समायोजित किया जाएगा।

यमुना क्षेत्र में दो नए थाने

लक्ष्मी सिंह ने बताया कि यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय जेवर एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। निकट भविष्य में एयरपोर्ट की समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए एयरपोर्ट के अंदर ही दो पुलिस थानों की स्थापना दयानतपुर व रन्हेरा में की जाएगी। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त व सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय एवं पुलिस लाइन एयरपोर्ट व ट्रैफिक पुलिस लाइन एयरपोर्ट स्थापित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा थाना सेक्टर-24 पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

दरोगा को पहचान नहीं पाए शराबी, कर दी मारपीट

नोएडा। चौड़ा गांव में शराब के नशे में झगड़ा कर रहे दो युवकों को रोकना दरोगा को महंगा पड़ा। रोकने से गुस्साए आरोपियों ने दरोगा के साथ ही मारपीट कर दी। मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मारपीट व सरकारी कार्य में बाधा के आरोप में दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार नोएडा के थाना सेक्टर 24 में तैनात उपनिरीक्षक आशीष नोएडा के चौड़ा गांव में पैदल ही गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्हें शिव मार्केट के पास दो युवक गाली गलौज व झगड़ा करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने जब युवकों को गाली-गलौज व झगड़ा करने से मना किया तो दोनों युवक उनसे उलझ गए। दरोगा आशीष ने वर्दी के ऊपर जैकेट डाल रखी थी। इस कारण शराबी उन्हें आम नागरिक समझ बैठे और मारपीट पर उतारू हो गए। इस दौरान दरोगा आशीष ने आरोपी युवकों को पकडने का प्रयास किया तो वह हाथापाई करने लगे। पीछे से आ रहे अन्य पुलिस कर्मियों ने दोनों युवकों को दबोच लिया और थाने ले आए पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अंकुर और अरुण बताया।

साइबर अपराधियों को किराए पर अकाउंट देने वाला धरा

नोएडा। साइबर अपराधियों को अकाउंट किराए पर देने वाले एक आरोपी को मुंबई पुलिस ने थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के बरोला गांव से आज गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस उसे ट्रांजिट डिमांड पर लेकर वापस महाराष्ट्र जाएगी। थाना सेक्टर. 49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश गौतम ने बताया कि मुंबई के थाना पायाधुनि में तैनात उप निरीक्षक गोकुल खैरनार आज अपनी पुलिस टीम के साथ नोएडा आए। उन्होंने थाना सेक्टर 49 पुलिस को सूचित किया कि उनके थाने में दर्ज एक मुकदमे का आरोपी बरौल गांव में रह रहा है। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस ने मुंबई पुलिस की सहायता से आरोपी सुधीर कुमार पुत्र राम प्रसाद उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि मुंबई पुलिस उसे ट्रांजिट डिमांड पर लेकर महाराष्ट्रा जाएगी। इसके खिलाफथाना पाया धुनी में धारा 419, 420, 467, 468, 471 एतथा आईटी एक्ट के विभिन्न धारा के तहत मुकदमा दर्ज है।

मोदीनगर में व्यापारी के अपहरण का प्रयास

गाजियाबाद। दिन निकलते ही कार सवार हथियारबंद बदमाशों ने गन प्वाइंट पर अचल सिंघल नामक व्यापारी के अपहरण का प्रयास किया। इस वारदात की सूचना मिलते ही जहां पुलिस महकमे में हडकंप मच गया वहीं व्यापारियों में दहशत का माहौल कायम हो गया। सूत्रों के अनुसार यह वारदात उस समय घटी कि जब गोविंदपुरी चौकी क्षेत्र की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाला व्यापारी अचल सिंघल अपनी दुकान पर जा रहा था। इस वारदात के संदर्भ में एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय का कहना है कि पुलिस ने व्यापारी की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके कारोबारी का अपहरण करने का प्रयास करने वाले बदमाशों को आईडेंटीफ ई करने के प्रयास शुरू कर दिये हैं। श्री राय ने बताया कि व्यापारी को जबरन कार में खींच लेने का प्रयास करने वाले बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

गोल्फसिटी सोसाइटी में महिला की संदिग्ध मौत

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-75 की गोल्फसिटी सोसाइटी में रहने वाली एक महिला की संदिग्ध मौत हो गई। मौत का कारण जानने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। सेक्टर-75 स्थित गोल्फ सिटी सोसाइटी में सुमन कुमार अपने परिवार सहित रह रहे हैं। वह अपनी 42 वर्षीय पत्नी मीना कुमारी को गंभीर स्थिति में कैलाश अस्पताल लेकर पहुंचे। परीक्षण के उपरांत चिकित्सकों में मीना कुमारी को मृत घोषित कर दिया।

तिलक लगाकर आए छात्र को स्कूल से घर भेजने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में एक बार फि र धर्म, आस्था और स्कूल का विवाद सामने आया है। गाजियाबाद के थाना विजयनगर क्षेत्र में रहने वाले एक शख्स ने आरोप लगाया है कि उसका भांजा तिलक लगाकर स्कूल जाता था तो टीचर उसे परेशान करती थी और दंड देती थी। मंगलवार को तो छात्र को स्कूल से घर भेज दिया गया।

हिंदू संगठनों के दखल के बाद परिवार का कहना है कि स्कूल ने माफ ी मांगी है और कहा है कि स्कूल में धर्मिक आस्था पर कोई पाबंदी नहीं है। गाजियाबाद के थाना विजयनगर क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल से जुड़े एक शख्स रहते हैं।

उस शख्स का आरोप है कि उनका भांजा थाना विजयनगर क्षेत्र के राहुल विहार के एक स्कूल में पढ़ता है। उनका भांजा नौवीं क्लास का छात्र है। इस शख्स के मुताबिक उनका भांजा स्कूल में तिलक लगाकर जाता है। जिसको लेकर टीचर उसे परेशान करती थी। उसे क्लास से बाहर खड़ा कर दिया जाता था और दंड दिया जाता था।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट से जुड़ेगी मेट्रो, बनी नई डीपीआर

● एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट को मेट्रो ट्रेन के द्वारा जोड़ने की नई डीपीआर बन गई है। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन एनएमआरसी के इस फैसले से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो ट्रेन चलवाने के नाम पर राजनीति पर विराम लग गया है।

नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डा लोकेश एम ने नोएडा मेट्रो ट्रेन की नई डीपीआर बनाने की घोषणा कर दी है। आपको बता दें कि नोएडा व ग्रेटर नोएडा की सीमा पर बसे ग्रेटर नोएडा वेस्ट शहर तक मेट्रो चलाने को लेकर लम्बे अर्से से राजनीति हो रही थी। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अब साफ घोषणा कर दी है कि नोएडा के सेक्टर-51 से वाया ग्रेटर नोएडा वेस्ट नॉलेज पार्क-5 तक शीघ्र ही मेट्रो रेल चलाई जाएगी। मेट्रो रेल की डीपीआर में मामूली सा बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत अब नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो रेल का सीधा रूट घोषित कर दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा लोकेश एम ने स्पष्ट कर दिया है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक मेट्रो ट्रेन चलाने में किसी तरह की कोई बाधा नहीं आएगी। शीघ्र ही इस रूट पर काम शुरू कर दिया जाएगा। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा लोकेश एम ने जानकारी दी है कि संशोधित डीपीआर के तहत अब यह मेट्रो नोएडा के सेक्टर.51 स्टेशन से सेक्टर.61 तथा सेक्टर.71 कैलाश हॉस्पीटल के सामने से होते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक जाएगी। पहले यह रूट सेक्टर.51 से सीधे सेक्टर.72 बाबा बालकनाथ मंदिर के सामने से होते हुए पर्थला से सीधे किसान चौक तक जानी थी।

एनएमआरसी के एमडी डॉ लोकेश एम ने बताया कि मेट्रो रूट के अलाइनमेंट में थोड़ा बदलाव किया जाएगा। इस बदलाव से ब्लू लाइन से दिल्ली आने वाले लोग आसानी से एक्वा लाइन में आ.जा सकेंगे। दोनों लाइनों को जोड़ने के लिए कॉमन

अवैध छह यूनिपोल लगाने पर 30 लाख रुपये का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में अवैध यूनिपोल लगाने वालों के खिलाफ प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने अवैध रूप से यूनिपोल लगाने वाले छह संस्थानों पर 5.5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई है।

जुर्माने की रकम को एक सप्ताह में प्राधिकरण के खाते में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही करने पर वसूली प्रमाण पत्र जारी करने की चेतावनी दी गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अर्बन सर्विसेज विभाग ने अवैध यूनिपोल लगाने वालों के खिलाफ करवाई शुरू कर दी है। ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने अर्बन सर्विस टीम के साथ शहर के अलग-अलग जगह का निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगह अवैध यूनिपोल लगे पाए गए। प्राधिकरण की टीम ने इन अवैध यूनिपोल पर जुर्माना लगाते हुए इनको तत्काल हटाने के निर्देश दिए। अवैध यूनिपोल के चलते जिन संस्थानों पर जुर्माना लगाया गया है, उनमें श्री राम ग्लोबल स्कूल, यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सांवरिया बैंक्वेट हॉल, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, अपेक्स आईस एंड आईवीएफ सेंटर और सुमीराम साईं रियलेटर्स शामिल हैं। प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की तरफ से इन छह संस्थानों पर पांच.पांच लाख यानी 30 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई है।

यमुना और पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के इंटरचेंज का काम कल शुरू होगा

● निर्माण पर करीब 123 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज का निर्माण कार्य 15 दिसंबर को शुरू हो जाएगा। इसकी जानकारी यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा 15 दिसंबर को ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगे और इस कार्य का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि करीब 18 महीने के भीतर इंटरचेंज बनकर तैयार हो जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने की मांग काफी लंबे समय से हो रही थी। 2018 में इसको बनाने वाली कम्पनी का भी चयन हो गया था, लेकिन किसानों की मांग के चलते यह काम रुक गया, लेकिन अब किसानों की मांग को पूरा कर दिया गया है, जिसके बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के जगनपुर अफ जलपुर के पास यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस.वे को जोड़ने के लिए इंटरचेंज बनने वाला है। इंटरचेंज बनाने के लिए साल 2018 में 75 करोड रुपए में ठेका दिया गया था । अब 5 साल में निर्माण लागत बढ़ गई है । इसका दोबारा आकलन कराया गया है। अब इसके निर्माण पर करीब 123 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ आरुनवीर सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से प्रभावित करीब 100 किसानों को मुआवजा दिया जाना है। मुआवजा वितरण शुरू हो गया है। अब तक 23 किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है। किसानों को मुआवजा देने के बाद करीब 99 हेक्टेयर जमीन मिल जाएगी।

इसमें से करीब 14 हेक्टेयर जमीन इंटरचेंज में इस्तेमाल होगी जबकि इंटरचेंज के निर्माण में करीब 54 हेक्टेयर जमीन लगेगी। इंटरचेंज के लिए बाकी जमीन प्राधिकरण के पास मौजूद है। अरुणवीर सिंह ने बताया कि कुल चार इंटरचेंज बनेंगे दो उतरने के लिए होंगे और दो ही चढ़ने के लिए होंगे। इसके अलावा बराबर वाली 60 मीटर और 30 मीटर वाली सड़क को भी इससे जोड़ा जाएगा।

इसका फ ायदा यहां के निवासियों को मिलेगा। इससे यहां के सेक्टर भी एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएंगे। इस इंटरचेंज के बनने से लोगों को काफी सहूलियत होगी।

इस इंटरचेंज से लखनऊ, कानपुर, आगरा, मथुरा और वृंदावन की ओर से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर चढ़कर हरियाणा के पलवल, कोंडली, सोनीपत, पानीपत, फ रीदाबाद और जयपुर की ओर आसानी से आ जा सकेंगे।

इसी तरह ईस्टर्न पेरिफेरल से आने वाले वाहनों को घूमना नहीं पड़ेगा वो भी यमुना एक्सप्रेसवे का आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 दिसंबर, 2023

सुरक्षा में चूक: साजिश में छह लोग शामिल

सभी लोग एक-दूसरे को जानते हैं और गुरुग्राम के एक घर में रह रहे थे : पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस को शक है कि बुधवार को संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में पकड़े गए पांच लोगों के साथ एक और लोग शामिल थे। सभी छह लोग एक-दूसरे को जानते हैं और गुरुग्राम में एक घर में रह रहे थे।

आरोपी अमोल शिंदे और नीलम को संसद भवन के बाहर से पकड़ा गया, जबकि सागर शर्मा और मनोरंजन डी को लोकसभा के अंदर से पकड़ा गया। पुलिस उनके दो संदिग्ध साथियों की तलाश में है जिनकी पहचान ललित और विशाल के तौर पर हुई है।

पुलिस ने कहा कि संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान कैन का इस्तेमाल कर पीला और लाल रंग का धुआं फैलाने के आरोप में अमोल और नीलम को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चारों आरोपी एक-दूसरे को जानते थे और उनके दो अन्य साथी भी थे।

चार लोगों को पकड़ लिया गया है, जबकि पांचवें की पहचान कर ली गई है। दो संदिग्ध और चार आरोपी गुरुग्राम के एक घर में रुके थे और ऐसा लगता है कि घटना की साजिश रची गई थी। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन नहीं मिले हैं और पुलिस उनके फोन की तलाश कर रही है। लोकसभा में बुधवार को दो व्यक्तियों के दर्शक दीर्घा से नीचे कूदने के बाद संसद भवन परिसर में दर्शकों का प्रवेश निलंबित कर दिया गया है। इस घटना के बाद बुधवार को वैध आगंतुक पास रखने वाले लोगों को स्वागत क्षेत्र से वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि अब तक दर्शकों या आंगुतकों पर प्रतिबंध लगाने का कोई लिखित निर्देश नहीं आया है। आमतौर पर, दर्शकों के पास दो घंटे के लिए जारी किए जाते हैं।

संसद भवन के बाहर प्रदर्शन सड़क पर गिरे रंग का सैंपल लेत जांच अधिकारी। फोटो: रंजन डिमरी

मनोरंजन डी तीन माह से पास हासिल करने की फिराक में था

नई दिल्ली। *भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रताप सिम्हा के पत्र पर बुधवार को लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने वाले दो व्यक्तियों को पास जारी किए गए थे। सांसद उनमें से एक आरोपी को जानते थे, क्योंकि वह उनके निर्वाचन क्षेत्र मैसूर का है और वह अक्सर उनके कार्यालय आता था। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में से एक मनोरंजन डी ने सह-आरोपी सागर शर्मा को सांसद के कार्यालय में एक दोस्त के रूप में पेश किया और नई संसद देखने के बहाने पास हासिल किए। सिम्हा के कहने पर बुधवार के लिए तीन पास जारी किए गए थे। सांसद के करीबी सूत्रों ने बताया कि एक महिला को संसद से लौटना पड़ा क्योंकि, उसके साथ आए बच्चे का नाम उसके पास पर अंकित नहीं था। महिला का दोनों आरोपियों से कोई संबंध नहीं था। मनोरंजन डी तीन महीने से अधिक समय से सिम्हा और उनके कार्यालय में पास के लिए प्रयासरत था। आलोचनाओं का सामना कर रहे सिम्हा के कार्यालय ने उनका बचाव करते हुए कहा कि सांसद आम तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के सदस्यों के ऐसे अनुरोधों पर विचार करते हैं।*

पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात, सुरक्षा घेरा सख्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के आयुक्त संजय अरोड़ा ने दो बार हुई सुरक्षा चूक के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए संसद का दौरा किया। इन घटनाओं के बाद पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती करके संसद के आसपास के इलाके की सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को दोनों घटनाओं की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। वैज्ञानिक और अन्य साक्ष्य इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक दलों ने संसद का दौरा किया। संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन करने वाले दो लोगों की पहचान हरियाणा के हिसार की 42 वर्षीय नीलम और महाराष्ट्र के लातूर इलाके के 25 वर्षीय अमोल शिंदे के रूप में हुई है।

संसद भवन के बाहर गैस केन खोलकर धुआं फैलाने वाले दोनों लोगों ने तानाशाही नहीं चलेगी , भारत माता की जय और जय भीम, जय भारत जैसे नारे लगए। पुलिस कर्मी जब महिला को लेकर जा रहे थे तब उसने पत्रकारों से कहा कि वह किसी भी संगठन से संबंधित नहीं है और छात्रा है। उसने अपना नाम नीलम बताया। भारत सरकार हम पर जुल्म कर रही है। जब हम अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं तो हमें पीटा जाता है और जेल में डाल दिया जाता है। हम पर अनुचित दबाव डाला जाता है। हम किसी संगठन से नहीं जुड़े हैं।

आरोपियों से संसद मार्ग थाने पर हो रही है पूछताछ

लोकतंत्र के मंदिर की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2001 के हमले की बरसी पर संसद के अंदर सुरक्षा में चूक लोकतांत्रिक मूल्यों पर आघात है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा हमारे लोकतंत्र के मंदिर की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। हमलावर कौन थे, वे लोग कैसे अंदर आए, उनके इरादे क्या थे। इसका खुलासा करने के लिए तत्काल जांच महत्वपूर्ण है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने इस घटना को उस काले दिन (13 दिसंबर 2001) जैसा बताया। उन्होंने संसद को राष्ट्र का एक पवित्र प्रतीक बताते हुए देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली जाने को बोलकर निकला था सागर : परिजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को दर्शक दीर्घा से छलांग लगाने वालों में से एक सागर शर्मा लखनऊ के मानक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामनगर इलाके का रहने वाला है। शर्मा के परिवार के सदस्यों ने पुष्टि की कि वह कुछ दिन पहले दिल्ली में विरोध प्रदर्शन में शामिल भाग लेने के लिए घर से निकला था, लेकिन वे संसद में हुई घटना में उसकी संलिप्तता के इरादे के बारे में कुछ भी नहीं जानते थे। सागर की नाबालिग बहन पायल शर्मा ने कहा, उसने अपने भाई को अपनी मां से यह कहते हुए सुना कि वह कुछ दिन पहले एक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहा है। भाई ई-रिक्शा चलाता था। वह पहले बेंगलुरु में काम करता था। सागर के मामा प्रदीप शर्मा ने मामले से अनभिज्ञता जताते हुए कहा, मुझे कुछ नहीं पता। इससे पहले ऐसा कभी कुछ हुआ नहीं। कोई कुछ बता नहीं सकता। मानक नगर के थानाध्यक्ष शिव मंगल सिंह ने कहा, सागर शर्मा अपनी बहन और माता-पिता के साथ रामनगर इलाके में किराए के मकान में रहता है। उसके पिता रोशन लाल बढ़ई का काम करते हैं और सागर स्वयं ई-रिक्शा चलाता है।

अलीपुर में तेंदुए का शावक मृत मिला, दुर्घटना की आशंका

● असोला से अलीपुर की ओर जाने की कोई संभावना नहीं है : वन विभाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके अलीपुर में खाटूश्याम मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बुधवार तड़के तेंदुए का एक शावक मृत मिला है। पुलिस को सुबह करीब चार बजे इसकी सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची तो वहां उसे शावक का शव मिला।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना का मामला प्रतीत हो रहा है। आगे की आवश्यक कार्रवाई लिए वन विभाग को

सूचित कर दिया गया है। एक हफ्ते पहले, दक्षिण दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में एक तेंदुआ देखा गया था और वन विभाग ने इसे पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए थे। वन अधिकारियों ने बताया कि चूंकि जाल में कोई जानवर नहीं फंसा इसीलिए उन्हें लगा कि तेंदुआ अरावली के जंगलों में वापस चला गया है।

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि वन विभाग के अधिकारी जांच करेंगे कि क्या यह वही तेंदुआ है जिसे दक्षिणी दिल्ली में देखा गया था। कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि उन्होंने दो दिन पहले अलीपुर के मुखमेलपुर गांव में एक तेंदुए को देखा था।

दिल्ली वन विभाग के एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि तेंदुए के असोला से अलीपुर की ओर जाने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि दोनों स्थानों को जोड़ने वाला कोई गलियारा या वन क्षेत्र नहीं है। सूचना के अनुसारतेंदुआ उत्तरी दिल्ली के अलीपुर में मिला है। तेंदुए के असोला से वहां तक जाने की कोई भी संभावना नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री ने चार सरकारी अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के चार अस्पतालों गुरु गोविंद सिंह अस्पताल, आचार्य भिक्षु अस्पताल, सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल और एनसी जोशी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

सभी अस्पतालों में दवाइयां की क्या व्यवस्था है, उसकी पूरी जानकारी ली। अस्पतालों में साफ सफाई की क्या व्यवस्था है, इसका जायजा लिया। अस्पताल में आए मरीजों से प्रत्यक्ष रूप से अस्पताल प्रशासन के व्यवहार और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं पर बातचीत की, अस्पताल में किसी प्रकार की कोई कमी पाने पर दूर किया गया।

सिग्नेचर ब्रिज पर स्टंट, ऑटो-रिक्शा जब्त

● घटना में साइकिल सवार को टक्कर लगी थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिग्नेचर ब्रिज पर ऑटो रिक्शा पर स्टंट करने और एक साइकिल चालक को टक्कर मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर दिल्ली पुलिस हरकत में आ गई।

पुलिस ने उस ऑटो-रिक्शा को जब्त कर लिया है जिस पर सवार युवक सिग्नेचर ब्रिज पर स्टंट करते हुए नजर आया था। यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, संबंधित ऑटोरिक्शा और

गाजियाबाद के रहने वाले उसके चालक शिवा का टीपीआर सर्कल के यातायात कर्मियों ने पता लगा लिया है। उन्होंने कहा कि खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने और मोटर वाहन अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत चालान जारी किया गया तथा ऑटो-रिक्शा को जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, ऑटो-रिक्शा सवार युवक जब आटो से बाहर निकल कर स्टंट कर रहा था, तभी वह एक साइकिल सवार व्यक्ति से टकरा गया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया खूब वायरल हो रहा है। इससे पहले सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। मोटरसाइकिल सवार एक चालक के हेलमेट में लगे कैमरे से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में एक व्यक्ति तेज रफ्तार से जा रहे तिपहिया वाहन से लटकते हुए देखा गया। इस दौरान वह एक साइकिल सवार व्यक्ति से टकरा भी गया था। हादसे के बाद ऑटोरिक्शा चालक फरार हो गया था।

जनहित के मुद्दों पर सड़कों पर उतरेंगे कांग्रेस नेता: लवली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पूर्व विधायकों की बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने की बनाई रणनीति

राजधानी दिल्ली में अपनी पकड़ मजबूत करने के मकसद से प्रदेश कांग्रेस ने मिशन 2024-25 में पार्टी की प्रभावी भूमिका को लेकर सभी पूर्व विधायकों के साथ बैठक की।

प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को मजबूत करने व आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी ने न केवल अपनी राय रखी बल्कि पार्टी ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए यह तय किया है कि जनहित के मुददों को लेकर कांग्रेस आक्रामक तरीके से सड़कों पर उतरेगी।लम्बे समय के बाद प्रदेश कांग्रेस में हुई पूर्व विधायकों की इस बैठक में पूर्व मंत्रियों के अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा भी शामिल हुए और सभी ने खुलकर संगठन को मजबूत करने व चुने हुए सांसदों, विधायकों व पार्षदों के खिलाफ जनहित के मुद्दों पर आंदोलन की रुपरेखा तैयार करने

के अलावा मिशन 2024-25 के नाम से एजेंडा भी तय कर दिया।

लवली ने स्पष्ट से कांग्रेस नेताओं से अनुरोध किया किया कि वो दिल्ली की जनता के हितों के लिए न केवल काम करें बल्कि उनकी समस्याओं का हल करवाने के लिए किसी से भी टकराना पड़े तो लोकतांत्रिक तरीके से उससे पीछे न हटें। सार्वजनिक परिवहन की खराब हालत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। लवली ने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल के विकास और वर्तमान में जनता की हो रही उपेक्षा का फर्क जो जनता महसूस कर रही है।

'आप के पास जनता के सवालों के जवाब नहीं'

● बिधूड़ी बोले- विधानसभा का शीतकालीन अधिवेशन 10 दिन का किया जाए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामवीर बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार ने 15 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन अधिवेशन को केवल औपचारिकता बना दिया है। दिल्ली सरकार के पास जनता के सवालों का कोई जवाब नहीं है।

भ्रष्टाचार में डूबी सरकार विस में चर्चा से भाग रही है। इसीलिए शीतकालीन सत्र दो दिन का ही रखा गया है ताकि जनता के हितों और समस्याओं पर चर्चा ही नहीं की जा सके। आम आदमी पार्टी सरकार ने विधानसभा को केवल अपने राजनीतिक हितों को साधने वाला भोंपू बना दिया है। रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में भाजपा

विधायक दल की बैठक में दो दिन के शीतकालीन अधिवेशन में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक में भाजपा विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी और अजय महावर ने हिस्सा लिया। भाजपा विधायकों ने मांग की कि शीतकालीन अधिवेशन कम से कम दस दिन का किया जाए और भाजपा विधायकों ने दस से ज्यादा ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा के जो नोटिस भेजे हैं, उन सभी पर चर्चा कराई जाए। उन्होंने बताया कि भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री आवास के पुनर्निमाण में सरकारी खजाने की बर्बादी, सतर्कता विभाग की फाइलों में हेरफेर की कोशिश और शिक्षकों की कमी, करोड़ों खर्च करके भी यमुना मैली होना और प्रदूषण से हवा का जहरीला होना जैसे विषयों पर चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस भेजे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पंडारा रोड मार्केट का दौरा करते एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय।

पंडारा रोड मार्केट का होगा नवीनीकरण

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के पंडारा रोड मार्केट का नवीनीकरण होगा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बुधवार को रोड मार्केट एसोसिएशन, परिषद् के विभिन्न विभागों, आर्किटेक्ट समेत बिजली विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में मार्केट निरीक्षण किया और इस प्रतिष्ठित बाजार के व्यापक नवीनीकरण और विकास में महत्वपूर्ण कार्यों की पहचान की गई। निरीक्षण के दौरान, पंडारा रोड मार्केट एसोसिएशन के सदस्यों ने बाजार के पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें बाजार के केंद्र में क्षतिग्रस्त फूलों के बागानों की मरम्मत, मौजूदा फव्वारे को बाइक पार्किंग सुविधाओं के साथ बदलने का प्रस्ताव, पूरे बाजार में नई फर्श टाइल्स की आवश्यकता और विकलांगों के लिए प्रावधानों के साथ दोनों प्रवेश शौचालयों का नवीनीकरण शामिल था। इसके अतिरिक्त, सुझावों में शौचालय की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना, इंडिया गेट थीम के साथ बिजली के खंभों का नवीनीकरण और पंडारा पार्क नर्सरी के पास अतिरिक्त कार पार्किंग स्थानों का निर्माण शामिल है। उपाध्याय ने बताया कि यह मार्किट 1959 साल से अस्तित्व में है। इसका संरक्षण और संवर्धन नई दिल्ली के सांस्कृतिक ताने-बाने को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

कारोबारी के घर गोलीबारी के आरोप में दो धरे

नई दिल्ली। अपराध शाखा ने वजीराबाद इलाके में एक व्यवसायी के घर पर गोलीबारी में कथित संलिप्तता को लेकर सोनीपत से दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को 30 नवंबर को निर्माण कार्य करने वाले एक व्यवसाई की ओर से एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मोटरसाइकिल पर आए दो लोगों ने उनके घर पर गोलीबारी की। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ लेकिन शूटर ने रंगदारी की मांग करते हुए एक पत्र फेंका था। अधिकारी ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर है, जिसमें शूटर व्यवसाई के आवास पर आते दिख रहे हैं और उनमें से एक ने घर के मुख्य द्वार पर गोलियां चलाईं।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए समाज में सद्भावना की आवश्यकता: उपराज्यपाल

दिल्ली विश्वविद्यालय में 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन का एलजी ने किया उद्घाटन

● कुलपति ने कहा- सफलता दोहराने के बजाय नए मुकाम बनाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समाज में सद्भावना की आवश्यकता है, यह बात उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने भारतीय वाणिज्य संघ के 74वें वार्षिक अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन (एआईसीसी) के उद्घाटन समारोह में बुधवार को विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में कही। इस अवसर पर डीयू कुलपति योगेश सिंह ने कहा कि एक ऐसी कथा तैयार करें जो नवीनता, लचीलेपन और नैतिक उद्देश्य से गूंजती हो।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पौधा भेंट करते कुलपति यागेश सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का वाणिज्य विभाग13 से 15 दिसंबर 74वें एआईसीसी की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन भारत और विदेश के विभिन्न हिस्सों से 2,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र सम्मेलन 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' विषय के साथ शुरू हुआ। जिसमें वैश्विक चुनौतियों और वाणिज्य के क्षेत्र की जटिलताओं के साथ उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भारतीय वाणिज्य संघ के समृद्ध इतिहास को 1947 से इसकी उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्थिरता और समग्र विकास के साथ युवा दिमाग को आकार देने में दिल्ली विश्वविद्यालय और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थिरता, वृद्धि, विकास और समावेशिता भविष्य में प्रदर्शन के उपाय हैं और इससे कंपनियों को समाज की स्थिरता और बेहतरी के साथ-साथ आत्मविश्वास, आश्वासन, लाभप्रदता हासिल करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने उल्लेख किया कि विषय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समाज में सद्भावना की आवश्यकता है। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के 2047 के दृष्टिकोण को केवल लोगों की खुशी और संतुष्टि और उनकी भलाई सुनिश्चित करके ही हासिल किया जा सकता है। कुलपति और 74वें सम्मेलन के मुख्य संरक्षक, प्रो. योगेश सिंह ने दर्शकों को डीयू के 100 वर्ष और भारतीय वाणिज्य संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी।

13 सहायक लोक अभियोजकों को पदोन्नति की मंजूरी

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 13 सहायक लोक अभियोजकों की अतिरिक्त लोक अभियोजक के पद पर पदोन्नति को मंजूरी दे दी है। एलजी के इस कदम से दिल्ली में अधीनस्थ न्यायपालिका के रोजमर्रा के कामकाज को गति मिलेगी। हाल ही में 17 नए न्यायालयों के निर्माण के बाद से, मामलों की सुनवाई के लिए अतिरिक्त लोक अभियोजकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा था।स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा अतिरिक्त लोक अभियोजक पद की पदोन्नति के लिए अनुमोदित 13 सहायक लोक अभियोकों ने अनिवार्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

मोटा अनाज है हमारे शरीर के लिए लाभकारी: सत्यप्रकाश जरावता

किसानों को ड्रोन से स्प्रे करवाने के लिए 19 तारीख तक करवाना होगा पंजीकरण

मोटे अनाज से बढ़ती है शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा है कि मोटे अनाज का भोजन करने से व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। विधायक बुधवार को गांव त्रिपरी में कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान मेला को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने मोटे अनाज यानी श्रीअन्न का सेवन और उत्पादन करने के लिए किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि मोटे अनाज में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटाश, जिंक आदि तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते है। मोटा अनाज गुलीटिन फ्री होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि रागी के अंदर कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो कि शरीर के अंदर हड्डियों वा जोड़ों को मजबूत रखता है।

पोटेशियम दांतों को स्वस्थ रखता है। इस मौके पर विधायक ने किसानों को अनुदान पर आवंटित 16 कृषि यंत्र प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से केवल 100 रुपए में किसान के खेत में नैनो यूरिया का छिड़काव किया जायेगा। इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक किसान 19 दिसंबर तक पर पंजीकरण करवा सकते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र शिकोहपुर की वैज्ञानिक डा. कविता बिष्ट ने मेले में आई महिलाओं को मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजन बनाने के बारे में जानकारी दी। आयुष विभाग के डॉ. राजेश शास्त्री ने किसानों को अपना शरीर स्वस्थ रखने के लिए मोटे अनाजों जैसे रागी, बाजरा, सामक, चना, कंगनी, कुटकी, चोलाई, कुट्टू इत्यादि का सेवन करने और उनके फायदों के बारे में बताया। कृषि मेले में विभाग के उप निदेशक डॉ. अनिल तंवर ने सभी अतिथिगण का आभार व्यक्त किया। मेले गांव तिरपड़ी के पंचायत प्रतिनिधि व अनेक किसान आए हुए थे।

गांव तिरपड़ी में कृषि मेला आयोजित

गुरुग्राम के गांव तिरपड़ी में आयोजित कृषि मेले का शुभारंभ करते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

गुरुग्राम की जिज्ञासा ने हासिल की ऑल इंडिया में 9वीं रैंक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिज्ञासा।

लीगलएज की छात्रा जिज्ञासा ने सीएलएटी 2024 परीक्षा में ऑल इंडिया 9वां रैंक हासिल किया है। इस उपलब्धि पर अपनी खुशी सांझा करते हुए टॉपरैंकर्स के सह-संस्थापक हर्ष गगरानी ने कहा कि सीएलएटी 2024 में हमारे छात्रों की अभूतपूर्व सफलता टॉपरैंकर्स के लिए बेहतरीन उपलब्धि है। इसके लिए सभी छात्रों को बधाई।

टॉप रैंकर्स के छात्रों ने सीएलएटी 2024 में ऑल इंडिया रैंक 7, 8, 9, 10 के साथ अन्य ऊपरी रैंक हासिल की। टॉप रैंकर्स गुरुग्राम के सेंटर हेड विकास ने कहा कि सीएलएटी 2024 अपने संशोधित पैटर्न और शुरुआती अनिश्चितता के बावजूद आश्चर्यजनक रूप से 120 प्रश्नों के साथ एक अपेक्षाकृत आसान पेपर रहा। उनके संस्थान में साहित्य आधारित अंग्रेजी, पैसेज-केंद्रित जीके और प्रबंधनीय कानूनी तर्क जैसे अद्यतन अनुभाग, आसान से माध्यम अनुभागों जैसे मात्रात्मक योग्यता और तार्किक तर्क के साथ छात्रों को आशाजनक स्कोर के साथ छात्रों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उच्च संभावनाएं प्रदान करते हैं।

सोहना के गांव दमदमा और संचोली में वितरित किए स्वामित्व पत्र

ग्रामीणों की चिकित्सा के लिए लगाया मेडिकल कैंप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम अब लोगों के लिए काफी सुविधादायक साबित हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का सीधे लाभ मिल रहा है। बुधवार को सोहना खंड के गांव दमदमा और संचौली में इसका सफल आयोजन किया गया।

गुरुग्राम में 30 नंवबर से रोजाना आयोजित की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का ग्रामीणों को काफी लाभ हो रहा है। सोहना खंड के 24 गांवों में अब तक यह यात्रा आ चुकी है। गांवों में विशेष वाहनों के साथ जिला प्रशासन और सरकार का पूरा अमला गांव में पहुंच रहा है। जिसके परिणामस्वरूप मौके पर ही ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बुधवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन सोहना खंड के गांव दमदमा और संचौली में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की ओर से स्टालें लगाकर लोगों को विभागीय योजनाओं के बारे में बताया गया। गांव दमदमा में भाजपा के प्रदेश सचिव महेश चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि ग्रामवासियों को वर्ष 2047 तक देश को विकसित एवं आत्मर्भिर राष्ट्र बनाने की शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना को शुरू कर राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों की आमदनी को बढ़ाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नौकरियों में 1 लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले बीपीएल परिवारों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाती है।

गांव संचोली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गौरव चुघ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम में लगी सभी स्टालों का अवलोकन किया। कृषि विभाग की टीम ने दोनों गांवों में ड्रोन उड़ाकर लोगों को फसलों पर स्प्रे करने की इस नई तकनीक के बारे में समझाया। इस अवसर पर बीडीपीओ हितेश कुमार मीणा, सरपंच गुलशन, रजनी, सहजसिंह, भाजपा पदाधिकारी रामकिशन, प्राचार्य श्यामबीर, बसंत कौर, बीडीसी मेंबर रूचि शर्मा, ग्राम सचिव विकास दहिया, परमवीर सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

सोहना के गांव दमदमा व संचोली में शपथ दिलाते अतिथि।

दीनदयाल पार्क की मंजूरी के लिए प्रस्ताव निदेशक के पास भेजा

सोहना। नगर परिषद ने निकाय विभाग के निदेशक के पास चंडीगढ़ शहर के दमदमा मार्ग पर प्रस्तावित दीनदयाल पार्क का प्रस्ताव को मंजूरी के लिए भेजा। पार्क के विकसित करने पर करीब 5 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

शहर के दमदमा मार्ग पर स्थित रामतालाब से लगती जमीन पर करीब तीन साल पहले पार्क बनाने की योजना तैयार की थी। लेकिन उक्त योजना किन्ही कारणों से अमल में नहीं लगाई जा सकी। लेनिक परिषद प्रशासन ने एक बार फिर से पार्क का निर्माण कराने के इरादे से योजना को पूरा कराने की कवायद शुरू कर दी है। परिषद प्रशासन ने पार्क का इस्टीमेट तैयार करके पहले डीएमसी के पास भेजा था। डीएमसी की मंजूरी मिलने के बाद चंडीगढ़ निकाय विभाग के निदेशक को भेजा है। उक्त दीनदयाल पार्क में हर वर्ग के लिए सुविधाजनक होगी। जिसमें तालाब से लेकर व्यायामशाला, पुस्तकालय, पार्क, एकान्तवास, खाली मैदान को घास से हराभरा किया जाएगा। स्ट्रीट लाइट से जगमग किया जाएगा।

बच्चों को किसी न किसी खेल में जरूर आगे बढ़ाएं: गोयल

पहली ओपन विंटर जूडो चैंपियनशिप में बोले प्रांत अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में जूडो चैंपियनशिप के शुभारंभ पर खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि अमित गोयल।

पहली ओपन विंटर जूडो चैंपियनशिप 2023-24 की शुरुआत करते हुए हरियाणा भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि बच्चों को हर माता-पिता किसी न किसी खेल में आगे बढ़ाए। शारीरिक, मानसिक रूप से बच्चों की मजबूती के लिए खेल बहुत जरूरी हैं। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक आरएस यादव, रेनू, एचएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन गौरव अरोड़ा ने अमित गोयल का स्वागत किया। कार्यक्रम में अमित गोयल के साथ राजीव मित्तल, हरि गोयल, अमित गुप्ता, गोविन्द, शिव सिंघल भी मौजूद रहे।

आरआर स्पोर्ट्स अकादमी की ओर से आयोजित इस चैंपियनशिप में अमित गोयल ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अमित गोयल ने कहा कि खेल चाहे कोई भी खेलें, उनमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन, समय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल शौक में भी खेलें और इन्हें कैरियर के रूप में भी अपनाएं। हरियाणा के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश को मेडल दिलाए हैं।

हर उस खिलाड़ी का उभरते हुए खिलाड़ी अनुसरण करें, जिस खिलाड़ी ने देश का नाम चमकाया है। हमें हर क्षेत्र में किसी ना किसी को अपना आदर्श मानना चाहिए। आदर्श के जीवन से ही हम खुद को आगे बढ़ा सकते हैं। अपना गोल तय कर सकते हैं। अमित गोयल ने कहा कि शिक्षा जीवन में ज्ञान अर्जित करने के लिए जरूरी है तो खेल तंदुरुस्त रहने के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के खिलाड़ियों का सदा मान और सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने खिलाड़ियों को मेडल लाने पर मालामाल किया है। खिलाड़ी अगर खेल को कैरियर के रूप में लेते हैं तो वे अच्छा अभ्यास करें। अच्छा प्रशिक्षण लें।

सरकार की ओर से खिलाड़ियों के लिए काफी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे सही माध्यम से ही खेलों में आगे बढ़ें। कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे कि उनके लिए किसी तरह की समस्या पैदा हो।

अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या के हिसाब से चैंबर बनवाना होगी प्राथमिकता: चौधरी

बार एसोसिएशन में प्रधान पद के प्रत्याशी ने बताईं भविष्य की योजनाएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

संजीव चौधरी।

बार एसोसिएशन गुरुग्राम के चुनाव में प्रधान पद के प्रत्याशी एडवोकेट संजीव चौधरी का कहना है कि गुरुग्राम हरियाणा और एनसीआर का हर क्षेत्र में बड़ा केंद्र बन चुका है। समय के हिसाब से यहां की अदालत का भी विस्तार हो रहा है। इसी बीच यह भी जरूरी है कि अदालत परिसर में अधिवक्ताओं के लिए सुविधाओं में विस्तार हो। इसके लिए पहले से भी प्रयास किए जा रहे हैं और भविष्य में मजबूती के साथ ये प्रयास होंगे।

अपना चुनावी एजेंडा को सांझा करते हुए संजीव चौधरी एडवोकेट ने आगे कहा कि गुरुग्राम जिला बार में इस समय करीब 8800 अधिवक्ताओं का पंजीकरण है। आने वाले तीन वर्षों में यह संख्या 10 हजार को पार कर जाएगी। ऐसे में जरूरी है कि अधिवक्ताओं के लिए बेहतरव सुविधाएं भी गुरुग्राम के अदालत परिसर में हों। उन्होंने कहा कि अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए उन्होंने पहले से ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन जस्टिस अरुण पल्ली को इस विषय में पत्र प्रेषित किया है। जिसमें उन्होंने सरकार से 10 एकड़ जमीन की मांग की है, ताकि उस पर लगभग 5000 चैंबर्स का निर्माण हो सके। यदि चुनाव में उन्हें अध्यक्ष चुना जाता है तो वे इस काम को सिरे चढ़ाने में भरपूर योगदान देंगे।

अंधेरी जिंदगियों को मिल रही रोशनी, पहले दिन 50 मरीजों के हुए ऑपरेशन

32वें याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पावन प्रेरणा से डेरा सच्चा सौदा 32वें याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप अंधेरी जिंदगियों में रोशनी भर रहा है। कैंप के दूसरे दिन बुधवार को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका गर्ग और डॉ. गीतिका ने 50 चयनित नेत्र रोगियों के ऑपरेशन किए गए और ये सिलसिला निरंतर जारी है।

कैंप में दूसरे दिन तक 3438 मरीजों की आंखों की जांच हो चुकी है। जिनमें 1542 पुरुष व 1896 महिला शामिल है। इनमें से 114 को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है। जिनमें 7 काला मोतिया व 107 सफेद मोतिया के ऑपरेशन होंगे। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा यूरिन, ब्लड शुगर, हृदय सहित आवश्यक जांच के बाद मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन किया जा रहा है। कैंप में मरीजों को चश्में और दवाइयां भी नि:शुल्क दी जा रही हैं। कैंप में मरीजों की पर्चियां व जांच शाह सतनाम-शाह मस्तान जी धाम व मानवता भलाई केंद्र डेरा सच्चा सौदा सिरसा में की जा रही है। कैंप में मरीजों की जांच देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा की जा रही है। चार दिवसीय शिविर का लाभ उठाने के लिए हरियाणा, पंजाब, राजस्थान सहित देश के अनेक राज्यों से मरीज पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि पूज्य पिता शाह सतनाम जी महाराज 13 दिसंबर 1991 को चोला बदलकर अनामी जा समाए। उनकी पावन स्मृति में संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह डेरा सच्चा सौदा द्वारा वर्ष 1992 में याद-ए-मुर्शिद फ्री आई चेकअप कैंप का आगाज किया था।

शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल स्थित ऑपरेशन थियटरों में मरीजों के ऑपरेशन करते डॉक्टर व प्रतिक्षा में बैठे मरीज।

कैंप बना नेत्र मरीजों के लिए वरदान

एसआरएस मेडिकल कॉलेज आगरा से पहली बार याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप में सेवाएं देने पहुंचे डॉ. एम.ओ. फरमान, डॉ. राहुल गुप्ता व डॉ. आकाश कुमार ने कहा कि कैंप में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां जरूरतमंद मरीजों की मदद करके उन्हें खुशी और आत्म संतुष्टि का अहसास हो रहा है। डॉक्टर साहिबानों ने कैंप के आयोजन के लिए डेरा सच्चा सौदा की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ये कैंप जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान से कम नहीं है, क्योंकि नेत्र ज्योति के बिना किसी का भी जीवन दुश्वार हो जाता है। कैंप के माध्यम से नेत्र रोगियों के जीवन में उजियारा भरा जा रहा है और उनकी दुआएं भी मिल रही हैं।

ओला मात्र 89,999 रुपये में अपने बिल्कुल नए S1 X+ के साथ #EndICEAge मिशन में तेजी लाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने #EndICEAge मिशन में तेजी लाने के लिए अपने 'दिसंबर टू रिमेंबर' अभियान की घोषणा की। इस अभियान में एकदम नया एस1 एक्स+ अब 20,000 रूपये के फ्लैट डिस्काउंट के साथ मिल सकेगा, जिसका मतलब एस1 एक्स+ की कीमत अब घटकर केवल 89,999 रुपये हो गई है।

इस वजह से एस1 एक्स+ सबसे सस्ते 2व्हीलर ईवी स्कूटरों में से एक बन गया है, जिसे अपनाना सबके लिए आसान हो गया है। देश भर में S1 X+ की डिलीवरी शुरू हो चुकी है और यह स्कूटर काफी ज्यादा माँग में है।एस1 एक्स+ किफायती दाम पर सबसे अच्छा प्रदर्शन, उन्नत तकनीकी सुविधाएं और बेहतर सवारी गुणवत्ता देता है। यह 3kWh बैटरी के साथ आता है और 151 किमी की प्रमाणित रेंज देता है। साथ ही 6kW मोटर से चलने वाला एस1 एक्स+ 3.3 सेकंड में 0 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है और इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटे है। देश में ईवी को घर- घर पहुंचने के मकसद से कंपनी ने 3 दिसंबर से शुरू होने वाले अपने 'दिसंबर टू रिमेंबर' अभियान की घोषणा की है, जिसमें आकर्षक ऑफर और छूट योजनाओं के साथ सीजन का समापन काफी शानदार रहेगा। ओला के चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर, अंशुल खंडेलवाल ने कहा, ''ओला इलेक्ट्रिक ने नवम्बर महीने में लगभग 30,000 इकाइयों की रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री के साथ एक नया इंडस्ट्री बेंच मार्क स्थापित किया है। लोग ईवी बड़ी आसानी से अपना सके इस बात में तेजी लाने और ईवी को सभी के लिए ज़रूरी बनाने के लिए, हाजिर हैं हम अपने नए एस1 एक्स+ के साथ, जो सारी बाधाओं को पार करने में सक्षम है। जानीमानी आईसीई स्कूटर के बराबर कीमत के साथ, हमें विश्वास है कि एस1 एक्स+ #EndICEAge के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारे स्कूटरों की लंबी चौड़ी रेंज और उनकी आकर्षक कीमत के साथ, मेरा यह मानना है कि ग्राहकों के पास अब आईसीई उत्पाद खरीदने का कोई बहाना नहीं होगा।

अपने दिसंबर टू रिमेंबर अभियान के साथ शानदार ऑफर पेश किए

फाइनेंस ऑफर: खरीदार अब चुनिंदा क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 5,000 रुपये तक की छूट पा सकते हैं। जबकि फाइनेंस ऑफर्स से सजे गुलदस्ते में जीरो डाउन पेमेंट, जीरो प्रोसेसिंग फीस साथ ही 6.99 प्रतिशत तक कम ब्याज दरें जैसे अन्य फायदे शामिल हैं।

ओला ने हाल ही में अपने एस1 पोर्टफोलियो को पांच स्कूटरों तक बढ़ा दिया है। 1,47,499 रुपये की कीमत पर, एस1 प्रो(दूसरी पीढ़ी) कंपनी का सबसे मुख्य स्कूटर है। जबकि एस1 एयर 1,19,999 रुपये में उपलब्ध है। ओला ने सवारों की अलग- अलग ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपने आईसीई-किलर उत्पाद, एस1 एक्स को तीन वेरिएंट्स -एस1 एक्स+, एस1 एक्स (3kWh), और एस1 एक्स(2kWh) में पेश किया है। एस1एक्स (3kWh) और एस1 एक्स (2kWh) के लिए रिज़र्वेशन विंडो केवल 999 रुपये में खुली है।

युवा पीढ़ी को ग्रंथों में छिपे रहस्य ढूंढने चाहिए: बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ में लोगों के साथ शिरकत करते बोधराज सीकरी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हनुमान चालीसा मुहिम का आंकड़ा हुआ 4 लाख 62 हजार पार

श्री श्यामजी मंदिर न्यू कॉलोनी में अधिवक्ता राजेश सूटा ने अपनी पुत्री पूजा खेत्रपाल और दामाद अभिषेक खेत्रपाल के विवाह की 21वीं वर्षगांठ की खुशी में हनुमान चालीसा का पाठ करवाया। जिसमें 425 भक्तों ने सामूहिक रूप से संगीतमय तरीके से 21-21 बार पाठ किया।

हनुमान चालीस मुहिम के आयोजक बोधराज सीकरी ने अमर ज्योति महाराज का अभिनंदन और स्वागत किया। पूनम माता और उनकी पुत्री का आभार प्रकट किया। अपने आध्यात्मिक ज्ञान से उन्होंने युवाओं को जागरुक किया। साथ ही युवा पीढ़ी से कहा कि उन्हें अपने ग्रन्थों में छिपे रहस्य ढूंढने चाहिए। इस आयोजन में जहां एक ओर 425 लोगों ने पाठ किया, वही 650 से अधिक लोगों ने भोजन प्रसाद का आनंद लिया। जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 भक्तों ने पांच-पांच बार पाठ किया। जनता रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग सेंटर भीमगढ़ खेड़ी के 40 विद्यार्थियों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। आयोजन नरेंद्र शर्मा और पीपी मेहता ने किया। कुल मिलाकर 165 स्थानों पर 462,922 हनुमान चालीसा पाठ 32,652 साधकों द्वारा किये जा चुके हैं। आयोजन में गिरिराज धींगड़ा, सुरेंद्र खुल्लर, देवेंद्र हरीश बेकरी, अश्वनी वर्मा, राम लाल ग्रोवर, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, कृष्ण ग्रोवर, जगदीश रखेजा, रणधीर टंडन, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीज़ा, तिलक चानना, रमेश मुंजाल आदि मौजूद थे।

बच्चों को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएं शिक्षण संस्थान: नवीन गोयल

नारायण ई-टेक्नो स्कूल सेक्टर-77 में एमयूएन कार्यक्रम में कही यह बात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के ई-टैक्नो स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते नवीन गोयल।

नारायण ई-टेक्नो स्कूल सेक्टर-77 मानेसर में एक शानदार मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) कार्यक्रम आयोजित किया। दिग्गजों के एक तारकीय समूह ने एमयूएन कार्यक्रम को रोशन किया। मुख्य अतिथि पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवीन सिरोही और शीबा थापर ने कही। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील अरोड़ा, रविंदर सिंह यादव ने शिरकत की। यह कार्यक्रम निदेशक पीके नेतृत्व में आयोजित किया गया।

स्वागत नृत्य, गणेश वंदना के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। छात्रों के कुशल नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों का बहुरूप दर्शक प्रदर्शन यहां देखने को मिला। नवीन गोयल ने स्कूल के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयासों के लिए प्रिंसिपल अपूर्वा खरबंदा की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने बेहतर भविष्य के लिए युवा दिमाग को आकार देने में एमयूएन जैसी पहल के महत्व पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में उन्होंने भविष्य के जिम्मेदार नेताओं को आकार देने में कड़ी मेहनत, परिश्रम और व्यावहारिक अनुभव जैसे मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। नवीन गोयल ने कहा कि हमारे देश में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड के स्कूलों का काफी संख्या है। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों, स्कूल के शिक्षकों से यह आग्रह किया कि बच्चों को कितना भी बेहतर पढ़ाएं, लेकिन उन्हें नैतिक शिक्षा का संचार जरूर करें। उन्हें नेक इंसान, अपने राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएं। शाखा प्रिंसिपल अपूर्वा खरबंदा ने कहा कि नारायण ई-टेक्नो स्कूल समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमयूएन जैसे आयोजन अच्छी तरह से विकसित व्यक्तियों के पोषण के लिए स्कूल के समर्पण का प्रमाण हैं।

इस अवसर पर डीजीएम वरुण गांधी, आरएंडडी हाई स्कूल श्री कल्याण के जोनल समन्वयक शिवा, वेंकटेश, नवीन, सॉफ्ट स्किल्स टीएल शफी हुडा, आरएसटी प्रीति के अलावा दूसरे कैंपस से प्रिंसिपल डॉ. मनीषा सरीन, वेमुला जयश्री, गायत्री, डॉ. शबाना अरोड़ा, योगिता कपिल, तृप्ति, शिल्पा, कांथी काजा, विजय लक्ष्मी, रेखा मौजूद रहीं।

बदलाव यात्रा से प्रदेश में आएगी बदलाव की लहर : संजय वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आप पार्टी लीगल सेल के जिला अध्यक्ष संजय वर्मा ने कहा है कि आप पार्टी की 15 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पूरे प्रदेश में निकाली जा रही बदलाव यात्रा से प्रदेश में बदलाव की लहर आएगी और विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में आप पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश के लोगों ने निकम्मी सरकार को सता से बाहर करने का फैसला कर लिया है। इब हरियाणा के लाल ने, एक मौका केजरीवाल ने, के नाम से प्रदेश की 90 विधानसभाओं में बदलाव यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व डॉ. सुशील गुप्ता करेंगे। इसके लिए जिला पलवल उपाध्यक्ष होडल व विधानसभा प्रभारी सुंदर लाल गौतम एवं एडवोकेट संजय वर्मा ने होडल के गांव सेवली, डकोरा, मर्रोली आदि में दौरा किया।

अपने हक के लिए बार एसोसिएशन के चुनाव में उतरीं महिला अधिवक्ता

15 दिसंबर को होना का बार एसोसिएशन का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बार एसोसिएशन का चुनाव 15 दिसंबर को होना है। जिसके लिए वकीलों के साथ उम्मीदवारों की जोर शोर से तैयारियां चल रही है। पिछली बार की तरह इस बार भी महिला उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में उतरी हैं। पिछले कई सालों के संघर्ष के बाद बार की तरफ से गत वर्ष महिला उम्मीदवार का पद सृजित किया गया था। जिसमें सीनियर लेडीज एग्जीक्यूटिव मेंबर उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सीनियर लेडीज एग्जीक्यूटिव मेंबर का चुनाव लड़ रहीं कृष्णा शर्मा ने बताया कि सभी महिला एडवोकेट एकजुट होकर तैयारी कर रही हैं। एडवोकेट किरण शर्मा, हरमीत कुमारी, गीता, अनुराधा चौहान, रेशमा रोहिल्ला ने मीटिंग कर यह निर्णय लिया है कि वे सर्वसम्मति से अपने उम्मीदवार जो जिताएंगी, जो महिलाओं की हक की लड़ाई लड़ेंगी और सम्मान की रक्षा करेंगी। हम इस चुनाव के लिए बहुत उत्साहित हैं।

मैं महिला उम्मीदवार को बधाई देना चाहती हूं। हम सभी महिला अधिवक्ताओं ने मिलकर यह फैसला लिया है कि इस बार अपनी महिला उम्मीदवार को ही चुनेंगे, जिससे वह हमारे हक कल लड़ाई लड़ सके।
-गीता एडवोकेट

सभी की सहमति से सीनियर लेडी एक्जीक्यूटिव पद के लिए कृष्णा शर्मा एडवोकेट को चुनाव मैदान में उतारा है। हम चाहते हैं कि उम्मीदवार महिलाओं के हित के लिए संघर्ष करें व उनकी लड़ाई लड़े, हम सभी उनके साथ हैं।
-हरमीत कुमारी एडवोकेट

महिलाओं ने मीटिंग कर मुझे सीनियर लेडी एक्जीक्यूटिव मेंबर के लिए चुनाव मैदान में उतारा है। यह पद पिछली बार महिलाओं के लिए सृजित किया गया था। जिस पर इस बार मैं चुनाव लड़ रही हूं तथा जीतकर महिलाओं के हित की लड़ाई लड़ूंगी।
-कृष्णा शर्मा एडवोकेट

बार में दूसरी बार महिलाओं को चुनाव में लड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। इससे महिला अधिवक्ताओं में खुशी की लहर है। हमें उम्मीद है कि हमारी महिला उम्मीदवार जीतकर हमारे हित के लिए कार्य करेंगी। पिछली बार हमने अनेक कार्य कराए थे।
-किरण शर्मा एडवोकेट

अंत्योदय की भावना से धरातल पर किए जा रहे हैं कार्य : चेयरपर्सन आरती रावत

विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा में मौके पर ही दी जा रहीं हैं सेवाएं

गांव कैराका, राखौता, आमरू व पातली खुर्द में पहुंची रथ यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अंत्योदय की भावना के साथ धरातल पर कार्य किए जा रहे हैं। रथ यात्रा में जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर मौके पर ही पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिला परिषद की चेयरपर्सन आरती रावत सोमवार को गांव कैराका व राखौता में विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित कर रहीं थी। इस अवसर पर उनके साथ मनोज रावत, विधायक हथीन के प्रतिनिधि सतीश डागर भी मौजूद रहे। रथ यात्रा के गांव आमरू व पातली खुर्द में भी पहुंचने पर स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

चेयरपर्सन आरती रावत ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा अंत्योदय की भावना से हर एक व्यक्ति को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। इस यात्रा के दौरान नागरिकों को उनके घर द्वार पर जाकर सरकार सेवाएं प्रदान कर रही है। इस प्रकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का कार्य संभव हो पाया है। इसके परिणाम स्वरूप ही आज समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रदेश की जनता को सरल व सुगम माध्यम से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से शुरू की गई परिवार पहचान पत्र योजना का असर अब धरातल पर पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को विकसित व आंत्मनिर्भर भारत की संकल्प शपथ दिलाई और विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का भी अवलोकन किया।

कार्यक्रमों के दौरान मुख्य अतिथि ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की लाभपात्र आठ महिलाओं को गैस चूल्हे व सिलेंडर भेंट किए और उत्कृष्ट कार्य करते वाले बच्चों, खिलाड़ियों, कलाकारों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में नमो दीदी ड्रोन की कार्य प्रणाली का परिक्षण भी किया गया। कार्यक्रमों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि सहित गणमान्य लोगों का स्वागत अभिवादन किया।

इस मौके पर सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग की भजन मंडली ने लोगों को गीतों व भजनों के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के बारे जागरूक किया। लोगों ने एलईडी वैन के जरिए सरकार की उपलब्धियों पर बनी लघु फिल्मों को देखा। कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी के अनुभवों को भी सांझा किया।

कार्यक्रमों में ब्लॉक पंचायत समिति पलवल के चेयरमैन भगत सिंह घुघेरा, कैराका सरपंच टेकचंद, राखौता की सरपंच अनीता, गजेंद्र, आमरू के सरपंच जिले सिंह, पंच फूल सिंह, अंजू, रेखा, नत्थी, जल सिंह, राजेश, पातली खुर्द से विपिन कुमार, वासुदेव व्यास सहित विभिन्न विभागों के कर्मी, ग्रामीण महिलाएं, बच्चे, युवा व बुजुर्ग मौजूद रहे।

बुजुर्ग महिला को घर पर सुरक्षित छोड़ किया सराहनीय कार्य

फरीदाबाद। सेफ सिटी अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार कार्रवाई करते हुए महिला थाना सेंट्रल जोन प्रभारी इंदु बाला व ईआरवी सेंट्रल जोन इंचार्ज कुलजीत व महिला पीसीआर की टीम ने रात्रि के समय बुजुर्ग महिला को पीसीआर से घर तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। रात्रि के समय करीब दो बजे सेक्टर-28 बड़खल मोड की तरफ पीसीआर नम्बर.2 गश्त पर थी। गश्त के दौरान 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला रास्ते में जाते हुए मिली। पुलिस टीम महिला एएसआई सुरेश बाला, महिला सिपाही पूजा और ड्राइवर समुंद्र ने बुजुर्ग महिला पूछताछ में घर का पता चला। महिला की दिमागी हालत ठीक नहीं लग रही थी। महिला को घर पहुंचाया, महिला की पुत्रवधु ने पूछताछ में बताया कि मेरे ससुर काफी समय पहले एक्सपायर हो चुके हैं और कुछ महीने पहले मेरे पति की मृत्यु हो गई थी।

फरीदाबाद में ग्रामीण डाक कर्मियों की हड़ताल

पोस्ट ऑफिस के बाद शुरू किया धरना, गांवों में डाक सेवा हुई ठप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

राष्ट्रीय ग्रामीण सेवक संघ के आह्वान पर ग्रामीण डाक सेवक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। बुधवार को भी डाक कर्मी सात सूत्रीय मांगों को लेकर डाकघर के सामने धरने पर बैठे। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

राष्ट्रीय ग्रामीण सेवक के हरियाणा के प्रेसिडेंट एवं फरीदाबाद डिवीजन सेक्रेटरी सुरेश गौतम ने बताया कि जब तक सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है, तब तक उनकी हड़ताल इसी तरीके से जारी रहेगी। उनकी मांग है कि आठ घंटे काम, पेंशन, चिकित्सा सुविधा, ग्रेच्यूटी सहित स्थाईकरण एवं सभी लाभ देने और 12, 24 व 36 वर्ष तक सर्विस पूरी करने वाले कर्मचारियों को ग्रेच्यूटी लागू की जाए।

धरने में पलवल और फरीदाबाद से तमाम कर्मचारी फरीदाबाद पोस्ट ऑफिस पहुंचे। वहां पर उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। वर्षा, मधु, विजेंद्र सिंह, चंदगीराम, रोहित, रामवीर, रविंद्र, कमल सिंह सहित और भी अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मी नेताओं ने बताया कि इस हड़ताल का असर आने वाले दिनों में ग्रामीण डाक की पेंशन, सुकन्या योजना, ऑफर लेटर, पेन कार्ड, एटीएम कार्ड, चेक बुक, मनरेगा भुगतान समेत अन्य सरकारी कार्य में देखने को मिलेगा। इसके लिए पूरी तरह सरकार जिम्मेदार होगी।

किसानों के यंत्रों का कमेटी ने किया भौतिक सत्यापन

पलवल। एसडीएम पलवल नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने पलवल के सेक्टर-2 में खंड पलवल, पृथला व बड़ौली के किसानों के लगभग 113 सुपर सीडर, 35 जीरो टिल सीड ड्रिल मशीन, क्रॉप रीपर व अन्य कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया। सहायक कृषि अभियंता पलवल अमीन मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि पलवल जिला के जिन किसानों ने फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम के अंतर्गत कृषि यंत्रो के अनुदान हेतु गत 22 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन किए और इनमें से चयनित किसानों ने 30 नवंबर तक पोर्टल पर ऑनलाइन बिल अपलोड किए थे, उन सभी किसानों के कृषि यंत्रो का 12 व 13 दिसंबर को एसडीएम पलवल नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा खंड पलवल, पृथला व बड़ौली के किसानों के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया गया है। इस मौके पर कृषि विकास अधिकारी, जयसिंह, कनिष्ठ अभियंता राजसिंह आदि मौजूद थे।

मथुरा रोड में निवेशकों की खास रूचि, टॉप क्लास प्रोजेक्ट्स कर रहे आकर्षित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद में पिछली एक दशक में काफ़ी विकास हुआ है और इसका सीधा असर दिल्ली-एनसीआर के मिलेनियल्स का फरीदाबाद में घर लेने की तरफ रूझान देख कर समझ आता है। मेट्रो, रोड से कनेक्टिविटी, अस्पताल, शॉपिंग माल्स, ऑर्गनाइज्ड रिटेल आदि कुछ ऐसी अहम करण है जो लोगों को इस तरफ खींच रहा है।

आरपीएस ग्रुप के डायरेक्टर अमन गुप्ता ने कहा, फरीदाबाद एक ऐसी जगह है जो नोएडा, साउथ दिल्ली और गुड़गाँव से अच्छी तरह कनेक्टेड है, साथ ही यहाँ सारी बेसिक और मॉडर्न फेसिलिटीज बड़ी आसानी से मिल जाती है और यही कारण है कि लोगों की घर खरीदने की पहली पसंद बन गया है।

वर्तमान ट्रेंड की बात करे तो मथुरा रोड़ इस समय सबसे ज्यादा निवेशकों की नजर में है। इसका मुख्य कारण है शानदार कनेक्टिविटी। मथुरा रोड़ ना केवल कमर्शियल बल्कि रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ का हब है, यह साउथ दिल्ली और नोएडा से चंद किलोमीटर की दूरी पर है।

अमन गुप्ता ने बताया कि, सराय टोल के बाद से शुरू होने वाला फ़रीदाबाद के मेन रोड़ का एरिया आने वाले दो सालों के अंदर, ऑर्गनाइज्ड कमर्शियल और लक्ज़री रिटेल प्रॉपर्टीज़ का हब बन जाएगा। और यही कारण है कि निवेशक इस क्षेत्र में काफ़ी रूचि दिखा रहे है।

बीसी आदित्य जयचंद्रन ने प्राप्त की 24वीं रैंक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

स्मार्ट सिटी के प्रतिभाशाली छात्र बीसी आदित्य जयचंद्रन ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट के परिणाम में ऑल इंडिया स्तर पर 24वां, जबकि हरियाणा में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं तमिलनाडू राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है। बीसी आदित्य जयचंद्रन सेक्टर-17 स्थित एमवीएन स्कूल में कॉमर्स स्ट्रीम से 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहे हैं। इनके परिवार में खुशी की लहर हैं।

बीसी आदित्य जयचंद्रन ने बारहवीं कक्षा के बाद न्यायाधीश बनने या प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करेंगे। फिलहाल उनका लक्ष्य अच्छे अंकों से बारहवीं की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करना है। उनके पिता डॉ. बालाचंद एक लाइफ स्टाइल एंड प्रिवेंटिव मेडिसिन एक्सपर्ट और सेक्टर-14 क्लीनिक अपना क्लीनिक चला रहे हैं। उनकी मां डॉ. प्रीति बालाचंदर एक महिला रोग विशेषज्ञ हैं। बीसी आदित्य जयचंद्रन को एमवीएन स्कूल की प्रधानाचार्य आगल्य वेंकटेश, उद्योगपति संजय अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, एसीएस डॉ. अमित अग्रवाल व सोनल अग्रवाल ने बधाई दी है।

बेटे की पढ़ाई के लिए छोड़ी प्रेक्टिस

डॉ. बालाचंदर का उद्देश्य है कि वह अपने बेटे बीसी आदित्य जयचंद्रन बेहतर शिक्षा दें और इसकी शिक्षा की तरह में किसी तरह की कोई बाधा न आए, इसके लिए उनकी पत्नी डॉ. प्रीति बालाचंदर ने अपने प्रेक्टिस छोड़ दी है और बेटे की बेहतर पढ़ाई व भरण पोषण में जुट गईं।

बचपन से ही है लक्ष्य निर्धारित

बीसी आदित्य जयचंद्रन ने बताया कि उन्हें कानून में बचपन से ही रुचि है। इसके चलते वह दो वर्षों से लॉ एंट्रेंस की तैयारी कर रहे थे। वह न्यायाधीश बनकर कोर्ट पर केसेस की पेंडेंसी कम करना है। इसके अलावा समाज में पिछड़े लोगों को मुख्य धारा में लाना है। इसके अलावा वह महिला सशक्ति करण की दिशा में कार्य करना चाहते हैं।

20 वर्ष पहले आए लंदन से

आदित्य के पिता डॉ. बाला चंदर ने बताया कि वह 20 वर्ष पूर्व लंदन में मेडिकल प्रैक्टिस किया करते थे। इनके हरियाणा सरकार के अधीनस्थ विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों से काफी अच्छी पहचान है। उनके कहने पर फरीदाबाद आए और तबसे यहीं पर रह रहे हैं।

किसान मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर कराएं पंजीकरण : नेहा सिंह

किसान अपने निकटतम खंड कृषि कार्यालय अथवा उपमंडल कार्यालय में कर सकते हैं संपर्क

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डीसी नेहा सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से सरकारी खरीद पर अपनी फसलों को बेचने हेतु किसानों के लिए मेरी फसल-मेरी ब्योरा पोर्टल को गत 12 नवंबर से खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि अपनी फसल बेचने के साथ-साथ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों का मेरी फसल-मेरा ब्योरा पर पंजीकरण का होना अनिवार्य है। केवल पंजीकृत किसानों की रबी फसलों की सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जाएगी। इसलिए किसी भी असुविधा से बचने व रबी फसलों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए किसान अपनी फसल का पंजीकरण करवा लें।

कृषि उपनिदेशक डॉ. बाबूलाल ने बताया कि सरकार द्वारा गेंहू, सरसों, जौ, चना, मसूर दाल की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य क्रमश: दो हजार 250, पांच हजार 650, एक हजार 850, छह हजार 425 रुपये निर्धारित किया गया है। किसान फसल का पंजीकरण होने के उपरांत इन समर्थन मूल्य पर अपनी पैदावार बिना किसी परेशानी के बेचकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिला के सभी किसान समय रहते अपनी फसल का पंजीकरण पोर्टल पर अवश्य करवा लें। मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण के लिए ओटीपी आधार से जुड़े हुए मोबाइल पर ही आ रहा है। इसलिए समय रहते किसान अपने आधार लिंक मोबाइल नंबर को जरूर अपडेट करवा लेवें, जिससे कि मेरी फसल मेरा ब्योरा पंजीकरण में परेशानी का सामना न करना पडे। साथ ही पोर्टल पर जमीन से संबंधित आने वाली परेशानी के लिए राजस्व विभाग अथवा पटवारी से संपर्क कर अपनी जमीन को पोर्टल पर सही करवा लें।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रमों में किसानों का पंजीकरण कराया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के साथ-साथ विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा गांव स्तर पर अपनी फसल का पंजीकरण करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। फसल पंजीकरण संबंधित किसी भी समस्या के लिए किसान अपने निकटतम खंड कृषि कार्यालय अथवा उपमंडल कार्यालय में संपर्क कर समस्या का निवारण करवा सकते हैं।

556 ग्राम गांजा सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी जितेंद्र कुमार की टीम ने अवैध तस्करी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सुरेश पदम नगर खेड़ी पुल का रहने वाला है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने सूचना से खेड़ी पुल एरिया से काबू किया था। आरोपी की तलाशी ने पर आरोपी से 556 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ थाना खेड़ी पुल में अवैध नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी गांजा को दिल्ली में किसी अनजान व्यक्ति से 3000 रुपये में खरीदकर लाया था। आरोपी को पूछताछ अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर यज्ञ हवन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल।

गांधी नगर आर्य समाज पलवल, महर्षि पतंजलि योग संस्थान, जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन पलवल हरियाणा व योगासन एकेडमी नर्सरी के संयुक्त तत्वावधान में पतंजलि न्यास हरिद्वार के योगाचार्य गुरमेश सिंह के सानिध्य में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती के उपलक्ष में नर्सरी योग भवन निकट गांधी आश्रम पलवल में यज्ञ हवन का आयोजन किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आर्य केंद्रीय सभा पलवल के प्रधान मदन मोहन आर्य के कौशल ब्रह्मत्व में संपन्न हुआ। यजमान योगा कोच कुमारी राजबाला आर्य थीं तथा संयोजक आशीष बाल योगी, यशभैया योगी थे। इस अवसर पर सभी योग यज्ञ प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर आहुति देकर पुण्य के भागी बने। ज्ञात रहे कि 26 नवंबर 2023 से 12 फरवरी 2024 तक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती के जन्मोत्सव जयंती संपन्न होने तक हरिश्चंद्र शास्त्री के कुशल नेतृत्व में निरंतर चलता रहेगा। इसी तरह जिला यज्ञ प्रभारी डॉक्टर युद्धवीर आर्य, मास्टर बिजेंद्र भमरोला, तहसील प्रभारी पतंजलि जगदीश रावत के नेतृत्व में जिला भर में यज्ञ संसार का सर्वश्रेष्ठ कर्म है, के नारे को साकार करते हुए यह योग यज्ञ क्रांति का उद्घोष चला हुआ है, जो अब तक शहर व विभिन्न गांव के प्रांगण में परिवार सहित सामूहिक यज्ञ आयोजन हो चुके हैं। आगे भी इसी तरह निरंतर गांव-गांव में शहर के वार्डों में स्कूल संस्थाओं में यह 200 यज्ञ करने का संकल्प है। जिसमें भारत पतंजलि स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी हिंदुत्व आर्य पद्धति प्रहरी हेमदत्त आर्य का अद्भुत सहयोग समय-समय पर चल रहा है। इसी तरह वेद प्रचार मंडल के जिला प्रधान मास्टर बिशन सिंह आर्य औरंगाबाद के अद्भुत सहयोग से यह क्रांति चल रही है। जिलेभर के आर्य समाजों की सभी संस्थाओं, जिले के सभी योग प्रेमियों का अतुल्य सराहनीय सहयोग है।

ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री प्रवीण चौधरी ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

फरीदाबाद। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री प्रवीण चौधरी बड़खल-पाली रोड का कार्य देखने पहुंचे और ठेकेदार को हिदायत दी की सडक़ की क्वालिटी का पूरी तरह ध्यान रखा जाए। प्रवीण चौधरी ने कहा कि इस सडक़ के बन जाने से बडखल से पाली होते हुए सोहना जाने वाले लोगों को बहुत राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा सबका साथ-सबका विकास की नीति से काम कर रहे हैं। देश व हरियाणा प्रदेश की सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को समर्पित सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश का गौरव विश्व स्तर पर बढ़ाने का काम किया है और आज हर देशवासी को उन पर गर्व है। प्रवीण चौधरी ने कहा कि इस सडक़ पर निर्माण कार्य के होने से लोगों को भी थोड़ी असुविधा होगी, लेकिन हम सभी को मिलकर सहयोग करना है। उन्होंने कहा कि एनजीटी की बंदिश के कारण यह कार्य लगभग डेढ़-दो महीने लेट से शुरू हुआ है।

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने किया नाम रोशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट का परिणाम जारी किया गया। इस परीक्षा में फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने न केवल हरियाणा प्रदेश, बल्कि देशभर में उच्च रैंक प्राप्त कर फरीदाबाद का नाम रोशन किया। प्राय: सभी क्षेत्रों में अग्रणी फरीदाबाद औधोगिक नगरी ने इस वर्ष कॉमन लॉ परीक्षा में भी अपना परचम लहराया है। देशभर में अपनी श्रेणी में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उत्कर्ष उसारा ने बताया कि उनकी सफलता का श्रेय उनके माता-पिता एवं उनके संस्थान दी स्टडी एंकर को जाता है। फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय स्तर पर 21वीं, 75वीं, 123वीं, 148वीं, 243वीं, 379वीं, 566वीं, 702वीं, 752वीं, 894वीं रैंक विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त कीं। ये सभी विद्यार्थी सेक्टर-17 के दी स्टडी एंकर संस्थान से संबंधित परीक्षा की तैयारी पिछले दो वर्ष से कर रहे थे। संस्थान के डायरेक्टर एवं सुप्रसिद्ध मेंटर मुदित चौधरी ने बताया कि विद्यार्थियों के भारतवर्ष के प्रमुख एवं ख्याति प्राप्त नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में दाखिले होने निश्चित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके संस्थान से कुल 38 विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जोकि फरीदाबाद के इतिहास में पहली बार है। मुदित चौधरी ने सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी है एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने अपने मेंटर मुदित चौधरी को भी अपनी सफलता का श्रेय दिया।

विराज मलिक ने 561वीं रैंक प्राप्त की

फरीदाबाद। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में फरीदाबाद के विराज मलिक ने 561वीं रैंक प्राप्त कर फरीदाबाद का नाम रोशन किया। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत व माता पिता व गुरुजनों के आशीर्वाद को दिया है। सभी ने उन्हें बधाई दी व उज्जवल भविष्य की कामना की है।

गाजा में युद्ध
मानवीय संकट

गाजा में जारी युद्ध एक व्यापक मानवीय संकट में बदल गया है क्योंकि लोग रोज अपने बचे रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गाजा के सबसे बड़े शहरों की बमबारी की शिकार, रक्तरंजित व निर्जन सड़कें इज़राइली सैन्य बलों और फिलिस्तीनी चरमपंथियों के बीच जारी टकराव का विनाशकारी नतीजा दिखा रही हैं। एक समय चहल-पहल से भरे शहर आज युद्ध के मैदान में बदल गए हैं जहां लगातार विस्फोटों और गोलियों की आवाजें गूंजती रहती हैं। दोनों ओर से जारी युद्ध के इस शोर में नागरिकों की आवाजें गुम हो जाती हैं। जिन शहरों में लड़ाई बहुत तेज और घातक है वहां आम नागरिक अपने चारों ओर फैले विनाश और मौतों के कारण पैदा अव्यवस्था से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को युद्ध की विभीषिका से बचाना चाहिए, पर वे दोनों पक्षों के युद्ध के बीच फंस गए हैं और उनका जीवन संकटग्रस्त है। परिवार अपने घरों के खंडहरों पर बैठे किसी ऐसे शरणस्थल पहुंचने की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां उनको लगातार बमबारी व गोलीबारी से राहत मिल सके। भयभीत और परेशान बच्चों की चीखें हवा में फैल रही हैं क्योंकि अचानक उनके चारों ओर की दुनिया ध्वस्त हो रही है जिसमें उनकी कोई गलती नहीं है। अस्पताल पहले से ही वैश्विक महामारी और सीमित संसाधनों की दुहरी चुनौतियों का सामना कर रहे थे, अब हताहतों की अनन्त कतार में डूब रहे हैं। इज़राइली सैन्य बल गाजा के दो सबसे बड़े शहरों में फिलिस्तीनी चरमपंथियों से लड़ रहे हैं। इज़राइली रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा है कि हमास के खिलाफ जारी 'कार्रवाई' को आवश्यकता होने पर और बढ़ाया जाएगा।

इज़राइल में तीन व्यक्तियों की युद्ध-कैबिनेट के सदस्य योव गैलेंट पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की अपील का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है जिन्होंने तत्काल युद्धविराम की पैरवी की है। अमेरिका का दृष्टिकोण पूरे मामले में अस्पष्ट व युद्ध रोकने में अक्षम है।

गाजा पट्टी में विनाश केवल दिन तक सीमित नहीं है। रात में भी काले आसमान में हवाई हमलों की अनन्त चमक बिखरती है जिसके बाद सीटियों जैसी आवाजों के साथ धमाकों की आवाजें और धुंआ फैल जाता है। यह परिदृश्य सामूहिक चेतना को झकझोर देने वाला है। खंडहरों के बीच मनुष्यों का भय और उनकी मौतें दयनीय स्थिति प्रदर्शित करती हैं। युद्ध के कारण गाजा पट्टी में रहने वाले 2.3 मिलियन लोगों का लगभग 85 प्रतिशत अपने घर छोड़ कर भाग चुका है और वे अपने ही देश में शरणार्थियों की स्थिति में पहुंच गए हैं। शरणार्थियों को स्वच्छता की खराब स्थिति तथा दवाओं की सप्लाई में कमी का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास भोजन, ईंधन व बिजली के साथ ही मूल सुविधायें नहीं हैं। युद्ध के अनिश्चित काल तक जारी रहने की आशंका के बीच बहुत से लोग लगातार विस्थापन का खतरा झेल रहे हैं। इस संकट का असर उनपर शारीरिक रूप से पड़ने के साथ ही एक ऐसे समुदाय की सामूहिक चेतना पर गहरे निशान छोड़ रहा है जो दशकों से संकट झेल रहा था। बेहतर भविष्य के सपने वर्तमान समय में जारी विनाश, विस्थापन, निराशा और मौतों के बीच टूट गए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय संकट की सैनिक और भू-राजनीतिक जटिलताओं से निपट रहा है, जबकि जमीन पर व्याप्त भयानक यथार्थ से तुरन्त निपटने की जरूरत है। निरपराध लोगों की चीखें, मलबे से भरी निर्जन सड़कें तथा सब कुछ खो जाने की भावना तत्काल एक सामूहिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता प्रकट करते हैं ताकि निरपराध लोगों को पीड़ा से मुक्ति दिला कर लगातार जारी युद्ध के शिकंजे से मुक्त भविष्य का रास्ता खुल सके।

मौद्रिक नीति में उदारता जरूरी

रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर को अपरिवर्तित करने का निर्णय लिया है। इससे वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है क्योंकि उद्योगों को मिलने वाले कर्ज पर ब्याज अधिक बना रहेगा।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई की छ: सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति-एमपीसी ने 8 दिसंबर, 2023 को आरबीआई द्वारा बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज, यानी नीतिगत दर में बिना किसी परिवर्तन के उसे 6.5 प्रतिशत बनाए रखने का निर्णय किया। एमपीसी ने यह भी कहा कि आरबीआई की कार्रवाई 'सक्रिय मुद्रास्फीति-विरोधी' बनी रहेगी। यह निर्णय आरबीआई में एक प्रवृत्ति के अनुसार है। वह मुद्रास्फीति के प्रबंधन के प्रति अत्यधिक सचेत है तथा आक्रामक रूप से दो प्रमुख मौद्रिक नीति उपकरणों का प्रयोग करता है। उसके पास नीतिगत दरों व तरलता के दो उपकरण हैं। इसमें उसे केन्द्र सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है जिसने 2016 में एक संस्थागत ढांचा तैयार कर एमपीसी को ऐसी मौद्रिक नीति बनाने का अधिकार दे दिया था जिसके माध्यम से वह मुद्रास्फीति को लक्षित ब्याज दरों का निर्धारण करता है। इसने आरबीआई को ऐसी नीतिगत दर तय करने का आदेश दिया है जिससे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-सीपीआई के आधार पर मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखा जा सके। इसे 31 मार्च, 2021 तक पांच साल के लिए लक्षित दर 4 प्रतिशत के भीतर रखना था, बाद में इस आदेश का विस्तार 31 मार्च, 2026 तक कर दिया गया।

यदि लगातार तीन तिमाही तक मुद्रास्फीति का लक्ष्य न बना रहे तो उसे सरकार को एक रिपोर्ट पेश कर उन कारणों और सुधारात्मक उपायों की जानकारी देनी होती है जिससे वह मूल्यवृद्धि पर नियंत्रण रख सकता है। लेकिन उच्च व समावेशी वृद्धि दर बनाए रखना भी समान रूप से महत्वपूर्ण लक्ष्य है और आरबीआई इसे स्वीकार करता है। वास्तव में मौद्रिक नीति की हर द्वैमासिक समीक्षा के बाद आरबीआई गवर्नर के बयान से दोनों लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाए रखने की बात स्पष्ट होती है। लेकिन व्यवहार में वह मुद्रास्फीति नियंत्रण पर अधिक ध्यान देता है। विडंबना है कि मुद्रास्फीति पर उसके नतीजे ज्यादा प्रभावी नहीं होते हैं। इस संबंध में कुछ तथ्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

दिसंबर, 2018 में जब आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जिम्मेदारी संभाली, तब अर्थव्यवस्था में गिरावट थी क्योंकि वित्त वर्ष 2018-19 की तीसरी तिमाही के बाद जीडीपी वृद्धि दर गिर रही थी। उस समय नीतिगत दरें पूर्ववर्ती उज्जवल पटेल के कठोर दृष्टिकोण के कारण 6.5 प्रतिशत के शिखर पर थीं। फरवरी, 2019 में शक्तिकांत दास ने आक्रामक रूप से नीतिगत दरों में कटौती शुरू की जो मई, 2020 तक 4 प्रतिशत पर पहुंच गईं। लेकिन दरों में कटौती के बावजूद वृद्धि दर पुनर्जीवित नहीं हुई। 2019-20 में जीडीपी वृद्धि ऐतिहासिक रूप से नीचे 4 प्रतिशत पहुंच गई। 2020-21 में यह कोरोनावायरस वैश्विक महामारी के भयानक प्रभाव के कारण नकारात्मक 6.6 प्रतिशत हो गई। हालांकि, 2021-22 में जीडीपी वृद्धि पुन: 8.9 प्रतिशत पर पहुंच गई।

हालांकि, कुछ लोगों का तर्क था कि कम ब्याज दरों से पुनर्जीवन में सहायता मिली, पर यह तथ्य है कि ऐसा आर्थिक गतिविधियां पुन: शुरू होने के कारण हुआ। कोरोना-संबंधी नियंत्रण हटा लेने के कारण ऐसा संभव हुआ। जनवरी, 2022 के बाद से मुद्रास्फीति में वृद्धि शुरू हुई जो वित्त वर्ष 2022-23 में अधिकांश समय तक जारी रही। इस बढ़ोत्तरी के कारण आरबीआई ने अपनी 'मुद्रास्फीति लक्षित' आदत पर अमल किया। मई, 2022 के बाद उसने नीतिगत दरों में वित्त वर्ष की पहली छमाही में इनमें तीन बार में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि की। उसने दूसरी छमाही में 1.1 प्रतिशत और वृद्धि की। इस प्रकार फरवरी, 2023 तक कुल 2.5 प्रतिशत वृद्धि से यह पुराने 6.5 प्रतिशत के शिखर पर पहुंच गई। इसके बावजूद पूरे 2022-23 में मुद्रास्फीति बनी रही। अप्रैल, 2023 के नीतिगत बयान में शक्तिकांत दास ने इसे स्वीकार करते हुए कहा, 'जब हमने वृद्धि में सहायता देने के लिए फरवरी, 2019 में ब्याज दरों में कटौती शुरू की तो सीपीआई दर लगभग 2 प्रतिशत और नीतिगत रेपो दर 6.50 प्रतिशत था। अब नीतिगत दर 6.50 प्रतिशत है, पर मुद्रास्फीति 6.4 प्रतिशत पर बनी हुई है।'

फरवरी, 2023 के बाद पांच नीतिगत समीक्षाओं में आरबीआई ने नीतिगत दर अपरिवर्तित 6.5 प्रतिशत बनाए रखी। ऐसा इस तथ्य के बावजूद था कि सीपीआई मुद्रास्फीति जुलाई, 2023 में 7.4 प्रतिशत से घट कर सितंबर, 2023 में 5 प्रतिशत तथा अक्टूबर, 2023 में 4.8 प्रतिशत रह गई। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आरबीआई का मुद्रास्फीति पूर्वानुमान 5.4 प्रतिशत है जो उसकी निर्धारित 6 प्रतिशत की अधिकतक सीमा से कम है। लेकिन मुद्रास्फीति का परिवेश बेहतर होने के बावजूद बैंकिंग नियामक ने ब्याज दरें न घटाने का निर्णय किया है। उसने वह नीतिगत दृष्टिकोण अपनाए रखा है जिसका उद्देश्य 'विड्राल आफ एकमोडेशन' है। शक्तिकांत दास ने यह शब्द जून, 2016 में गढ़ा था जो नीतिगत दरों में कटौती कर कर्ज उपलब्धता बढ़ाने का संकेत करता है। जून, 2022 के बाद आरबीआई ने यह दृष्टिकोण उलट कर अब तक विड्राल आफ एकमोडेशन को बनाए रखा है। शक्तिकांत दास ने दिसंबर, 2023 में द्विपक्षीय नीतिगत समीक्षा के दौरान एक नया शब्द गढ़ा और अब वे उसे 'एक्टिवली डिस्इन्फ्लेशनरी' कहते हैं।

बैंकिंग नियामक अपनी कठोर मौद्रिक नीति में रियायत नहीं देना चाहता है क्योंकि उसे सीपीआई मुद्रास्फीति के 6 प्रतिशत की उच्च सीमा से अधिक होने की आशंका है। इसका कारण आंशिक रूप से वर्तमान वित्त वर्ष के बाकी समय में खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोत्तरी की आशंका है। सीपीआई में खाद्य मुद्रास्फीति का हिस्सा लगभग 39 प्रतिशत है जो जुलाई 2023 में 11.8 प्रतिशत से घट कर अक्टूबर, 2023 में 6.6 प्रतिशत रह गया। यह समग्र रूप से सीपीआई मुद्रास्फीति में गिरावट का प्रमुख कारण था। अब यह तर्क देना उचित नहीं है कि खाद्य मुद्रास्फीति के बढ़ने की आशंका से ब्याज दरों में कमी नहीं की जा रही है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि का बड़ा कारण मौसमी परिस्थितियों के कारण सप्लाई में आने वाली बाधायें हैं। उदाहरणार्थ, 2021-22 की रबी में गेंहूं की फसल असामान्य रूप से उच्च तापमान के कारण प्रभावित हुई। रबी 2022-23 मौसम में कुछ क्षेत्रों में बरसात और ओलावृष्टि से गेंहूं के उत्पादन पर असर पड़ा। जुलाई, 2023 में उच्च मुद्रास्फीति का कारण सब्जियों व खासकर टमाटर व प्याज के दाम बढ़ना था। इसका कारण भी मौसमी था।

मौसमी आयाम बदलने पर सप्लाई पक्ष के कारण मूल्यों पर पड़ने वाला दबाव स्वयं समाप्त हो जाता है। इसके साथ ही सरकार अपनी एजेंसियों के भंडार खोलने, निर्यात पर प्रतिबंध या अन्य नियंत्रणों जैसे न्यूनतम निर्यात मूल्य-एमईपी, मूल्य स्थिरीकरण कार्रवाइयों, आदि से हस्तक्षेप करती है। इससे मूल्यवृद्धि पर रोक लगाई जा सकती है। ब्याज दरों को ऊंची बनाए रखने या कर्ज उपलब्धता सीमित करने के माध्यम से आरबीआई इसमें ज्यादा योगदान नहीं दे सकता है। मूल्यवृद्धि का एक और कारण ईंधन व उर्वरकों की सप्लाई में बाधा हो सकता है। 2022-23 में मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण वैश्विक सप्लाई श्रृंखला में मुख्यत: रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आई बाधा थी। वर्तमान वित्त वर्ष में तेल निर्यातकों ने उच्च मूल्य बनाए रखे। इसका कारण पेट्रोलियम निर्यातक देशों- ओपेक देशों द्वारा अप्रैल, 2023 में तेल उत्पादन में 1.16 मिलियन बैरल प्रति दिन कमी किये जाने का निर्णय था। इस मामले में भी कठोर मौद्रिक नीति के माध्यम से आरबीआई का हस्तक्षेप ज्यादा सहायक नहीं है क्योंकि इसका कारण मांग प्रबंधन पर केन्द्रित होना है, जबकि यह समस्या मूलभूत रूप से सप्लाई पक्ष के कारण पैदा होती है।

आरबीआई की वर्तमान समय में जारी कार्रवाइयों से इस बात की कोई गारंटी नहीं मिलती है कि मुद्रास्फीति निर्धारित सीमाओं के भीतर रहेगा, इससे कर्ज दरें बढ़ने से आर्थिक वृद्धि को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसका नतीजा करोड़ों कर्जदारों की ईएमआई में वृद्धि तथा उद्योगों व खासकर एमएसएमई के कर्ज का खर्च बढ़ना है। फरवरी, 2024 में होने वाली अगली समीक्षा बैठक में आरबीआई को अपनी नीतिगत दरों में कम से कम 1 प्रतिशत कमी करने के साथ ही आर्थिक वृद्धि के लिए मुद्रा तरलता सुनिश्चित करनी चाहिए।

चेन्नै ने झेला चक्रवात का दंश

बाढ़ और उसके परिणामस्वरूप मानव जीवन की हानि सहित दुर्घटनाएं महानगर को बाढ़ के पानी से बचाने में स्थानीय निकायों की विफलता का परिणाम हैं।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, दि पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

तमिलनाडु, हर साल अक्टूबर से दिसंबर तक उत्तर पूर्वी मानसून की चपेट में रहता है। इस अवधि के दौरान 1076 किमी लंबी तटरेखा पर चक्रवात, बवंडर और ज्वारीय लहरों का हमला एक नियमित घटना है। हैदराबाद स्थित पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक अनुसंधान और विकास संगठन, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस) देश को समुद्र की सतह के साथ-साथ सुनामी लहरों सहित समुद्र के नीचे होने वाले सभी विपथनों से अवगत रखता है।

तमिलनाडु इनकॉइस के 24/7 नियंत्रण कक्ष में सर्वोच्च प्राथमिकता प्राप्त करने वाले राज्यों में से एक है जो तीनों महासागरों की निगरानी कर रहा है और आसन्न चक्रवातों, ज्वारीय लहरों और सुनामी के बारे में अलर्ट जारी कर रहा है। प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए पूर्वी और पश्चिमी तटों पर राज्यों की तैयारियों की जांच करने के लिए संस्था नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करती है। इंकॉइस हिंद महासागर परिधि के साथ-साथ अरब सागर के किनारे स्थित सभी देशों के लिए क्षेत्रीय चेतावनी केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। यह मानवतावादी संकेत के रूप में पाकिस्तान, पश्चिम एशियाई देशों और अफ्रीकी देशों को मुफ्त सेवाएं प्रदान करता है। लेकिन निराशा के साथ यह कहना पड़ रहा है कि तमिलनाडु इस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा जारी अलर्ट पर बहुत कम ध्यान देता है।

तमिलनाडु पर शासन करने वाली द्रविड़ पार्टी हमेशा इनकॉइस की चेतावनियों को नजरअंदाज करती है क्योंकि स्टालिन और उनके साथी सनातन शर्मा को ध्वस्त करने में व्यस्त हैं। 2006 के बाद से, चक्रवात और अचानक बाढ़ राज्य के वार्षिक कैलेंडर में एक नियमित घटना बन गई है। राज्य सरकार ने तमिलनाडु को तबाह करने वाली आपदाओं से एक भी सबक नहीं सीखा है। यह पाया गया है कि द्रमुक धर्मनिरपेक्षता और बहुलवाद की रक्षा करने में बहुत समय खर्च करती है लेकिन राज्य को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने में भी उतनी ही सावधानी दिखानी चाहिए। अचानक आई बाढ़ और मानव जीवन की हानि सहित परिणामी दुर्घटनाएं चेन्नई शहर को पानी देने वाले छह जलाशयों से अधिशेष पानी के अतिप्रवाह या छोड़े जाने के कारण महानगर को बाढ़ के पानी से बचाने में स्थानीय निकायों की विफलता का नतीजा है। महानगर का दौरा करने वाले इज़रायली प्रौद्योगिकीविद् राज्य के राजनेताओं और नौकरशाहों की फिजूलखर्ची और वर्षा जल संचयन में विफलता को देखकर आश्चर्यचकित थे। राज्य को प्राप्त होने वाला लगभग 90 प्रतिशत वर्षा जल बंगाल की खाड़ी में बर्बाद हो जाता है। द्रमुक और स्टालिन केंद्र को दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ सकते थे ताकि तमिलनाडु, कर्नाटक, पुथुस्सेरी और तेलंगाना को पानी की निर्बाध आपूर्ति मिल सके। चेन्नई और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में वर्षा जल और तूफानी जल निकासी को अभी तक साफ नहीं किया गया है। अतिरिक्त पानी के वाहक के रूप में कार्य करने वाली नहरों में रुकावट बाढ़ और जल भराव का मुख्य कारण है। इन मुद्दों को स्थानीय रूप से उपलब्ध प्रौद्योगिकी द्वारा हल किया जा सकता है। आईआईटी-मद्रास के भौतिकी विभाग के प्रमुख डॉ. सुंदर राम प्रभु ने इस समस्या को हल करने के लिए एक नैनो-प्रौद्योगिकी-आधारित सेड समाधान विकसित किया। प्रभु ने दावा किया था कि देश की सबसे प्रदूषित नदी कूउम और चेन्नई से होकर बहने वाले तूफानी जल और जल निकासी के पानी को 100 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्नवीनीकरण और पुन: उपयोग किया जा सकता है। हालाँकि, राज्य प्रशासन इस परियोजना की लागत से प्रभावित नहीं है क्योंकि सत्ता के गलियारे में बैठे लोग 2000 करोड़ रुपये से कम के किसी भी नवाचार पर विचार नहीं करेंगे!

एक बार जब उत्तर पूर्वी मॉनसून का प्रकोप ख़त्म हो जाए, तो यह कावेरी राजनीति का समय है। तमिलनाडु का कहना है कि कर्नाटक को सुप्रीम कोर्ट और कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले के मुताबिक कावेरी का पानी छोड़ना चाहिए। लेकिन ऐसा होने के लिए, कर्नाटक को अपने जलग्रहण क्षेत्रों में प्रचुर वर्षा मिलनी चाहिए। यदि दक्षिण पश्चिम मॉनसून विफल हो गया (जो होना निश्चित है) तो तमिलनाडु कर्नाटक से अधिक पानी के लिए परेशान और क्रोधित होने लगेगा। कर्नाटक से केंद्रीय सहायता और पानी मांगने के अलावा, क्या तमिलनाडु सरकार ने इन ज्वलंत मुद्दों के समाधान के लिए कुछ किया है?

डीएमके ने 1996-1998, 1999-2003 और 2004-2013 के दौरान केंद्र में सत्ता संभाली है। आम जनता को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि इन अवधि के दौरान डीएमके ने राज्य के लिए क्या किया है। यह ठीक है अगर चेन्नई में नेता धन इकट्ठा करने के अपने प्रयासों में सफल हो जाते हैं लेकिन उन्हें उन लोगों के प्रति कुछ प्रकार की दया दिखानी चाहिए जिन्होंने उन्हें सत्ता में वोट दिया। सनातन धर्म को ध्वस्त करो लेकिन गरीबों का बोझ कम करो। चक्रवात मिचौंग के प्रकोप में चेन्नई उपनगरों और पड़ोसी जिलों के सैकड़ों लोगों ने अपने घर और सामान खो दिए हैं।

आप की बात

नेता-नकदी संबंध

आजकल नेताओं का नकदी से संबंध लगातार विवादों का विषय बन रहा है। तृणमूल कांग्रेस की अपदस्थ सांसद मोइत्रा महुआ की सवालों के बदले नकद लेने का प्रकरण मीडिया के माध्यम से पूरे देश में सुर्खियां बंटोर रहा है। कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बरामद भारी संख्या में नकदी आश्चर्य और चर्चा का विषय है। किसी मध्यवर्गीय परिवार के पास इतने कपड़े नहीं होंगे जितने नोट धीरज साहू के ठिकानों से निकले हैं। कांग्रेस ने केवल मीडिया के दबाव में सांसद से स्पष्टीकरण मांग कर खानापूरी कर ली है। लेकिन धीरज साहू ही नहीं उनके पूरे परिवार पर कांग्रेस के सर्वोच्च नेताओं की मेहरबानी और निकटता अब मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश के सामने है। इसके अलावा भी नेताओं के नकदी व काले धन से संबंध के अनेक उदाहरण रहे हैं। काफी साल पहले कांग्रेस के केन्द्रीय मंत्री पंडित सुखराम के आवास और कार्यालय में हर जगह नोट ही नोट भरे पाए गए थे। इन प्रकरणों से स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार पर हमले के साथ ही काले धन के सृजन पर रोक लगाने के लिए और व्यापक उपायों की जरूरत है। यह सवाल उचित है कि जब आम लोग सब्जी खरीदने के लिए भी मोबाइल प्रयोग करते हैं तो साहू के पास एकत्र पैसे किसके हैं।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा कश्मीर से धारा 370 का विशेष दर्जा हटाए जाने के सरकार के फैसले को कानून सम्मत और उचित बताया। इस प्रकार धारा 370 हटाए जाने के बाद से ही केंद्र सरकार पर निरंतर आक्रमण करने वाले दलों को अपने मनो-मस्तिष्क के जाले साफकर लेने चाहिए। देश के अनेक नागरिकों को समझ में नहीं आ रहा था कि धारा 370 का प्रावधान किया ही क्यों गया था? वक्फ बोर्ड बनाकर कुछ लोगों की जमींदारियां बनाए रखने जैसे प्रयास तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए थे, जबकि सभी गैर-मुस्लिमों की जमींदारियां समाप्त कर उनकी जमीनें किसानों को बांटी गई थीं। इससे स्पष्ट है कि अपने वोटबैंक के खातिर एक धर्म विशेष के तुष्टीकरण के लिए संविधान का जमकर दुरुपयोग किया गया। केंद्र सरकार में भाजपा के आने के बाद से ऐसे देश को कमजोर करने और तुष्टीकरण व जातिवाद का जहर फैलाने वाले कानूनों को साहस पूर्वक हटाया जा रहा है। सरकार को संविधान में संशोधन करके बनाए गए कुछ और कानूनों को भी हटाने के तत्काल प्रयास शुरू कर देने चाहिए ताकि तुष्टिकरण की राजनीति जड़मूल से साफहो सके।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

भयभीत तानाशाह

हर तानाशाह क्रूर एवं खूंखार मगर भीतर से उतना ही डरपोक भी होता है। उसके लिए परोसे भोजन को पहले किसी और को खिलाया जाता है ताकि उसे ये तसल्ली हो जाए कि उसके भोजन में कुछ मिलाया नहीं गया है। तानाशाह अपने सभी विरोधियों को एक-एक कर ठिकाने लगा देते हैं। रूस के लगभग आजीवन राष्ट्रपति घोषित हो चुके ब्लादिमीर पुतिन ने हर विरोधी को या तो मौत के घाट उतार दिया है या उसे आजीवन सलाखों के पीछे बंद करवा दिया है। एक षडयंत्र में वैग्नर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। खबर है कि पुतिन के प्रखर आलोचक व प्रमुख रूसी असंतुष्ट अलेक्सी नवलनी जेल से लापता हो गए हैं। उनके वकीलों के अनुसार, वे कई हफ़्तों से उनसे मिलने का प्रयास कर रहे हैं मगर उन्हें कोई न कोई बहाना बनाकर मना किया जा रहा है। शायद नवेलनी को भी रुसी गुप्तचरों ने ठिकाने लगा दिया है। विडंबना है कि वर्तमान समय में अनेक तानाशाह पहले से अधिक ताकतवर हो कर उभर रहे हैं। अब तानाशाह लोकतंत्र का चोला पहने रहते हैं, जैसे पुतिन ने फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का निर्णय किया है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

तालिबानी जिन्न

पाकिस्तान में 40 लाख विदेशियों में 38 लाख अफ़्गान हैं। पाकिस्तान ने 17 लाख अवैध अफगानों को वापस अपने देश जाने का अल्टिमेटम दे दिया है। इस पर तालिबानियों ने पाक सरकार को सबक सिखाने की चेतावनी दी है। पिछले साल हुए तालिबानी हमलों में 14 लोग मारे गए थे। मगर 12 दिसंबर को हुए आत्मघाती हमले में 25 से अधिक सैनिकों सहित कई नागरिक मारे गए हैं। यह हमला अफ़्गानिस्तान सीमा पर हुआ है। पाकिस्तान ने तालिबान रुपी जो जिन्न पाल-पोस कर बड़ा किया वह उसे ही खाने के लिए आमादा है। पाक सरकार की वर्तमान दयनीय हालत में तालिबान एक बड़ा खतरा बना हुआ है। तालिबानों ने अपने देश में भी भयानक आतंक मचा रखा है। उनके द्वारा रोज जारी होने वाले महिला-विरोधी आदेशों से वहां महिलाओं और लड़कियों की स्थिति कैदियों जैसी हो गई है। इसके बावजूद मानवाधिकार संगठन व इस्लामी देश पूरे मुद्दे पर खामोशी बनाए हुए हैं। याद रखना चाहिए कि तालिबानी जिन्न मजबूत होने के बाद अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों को भी निशाना बनाएंगे।

–**विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

भव्य राम मंदिर के साथ ही 2024 में अयोध्या में पूरे होंगे कई बड़े प्रोजेक्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

30 हजार करोड़ से ज्यादा की 178 परियोजनाओं में से ज्यादातर 2024 में होंगी पूरी

दुनिया भर के सनातनियों को 22 जनवरी 2024 का बेसब्री से इंतजार है। जन-जन के आराध्य भगवान श्रीराम 500 साल की प्रतीक्षा, परीक्षा और अगणित बलिदानों के पश्चात अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। इसके साथ ही त्रैल्योक्य न्यारी अयोध्या नगरी सुख-समृद्धि से भी परिपूर्ण होने जा रही है। मोदी-योगी सरकार की ओर से अयोध्या में चल रही 30.5 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं में से अधिकांश 2024 में पूरी हो जाएंगी। वहीं 6 हजार करोड़ से अधिक के निवेश भी अयोध्या में धरातल पर उतरने को बिल्कुल तैयार हैं। इनमें ज्यादातर हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवेल-टूरिज्म और हायर एजुकेशन से जुड़ी परियोजनाएं हैं। इन सभी परियोजनाओं के धरातल पर उतरने के साथ ही 20-30 हजार नये रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में श्रीराममंदिर के उद्घाटन समारोह को 'भूतो न भविष्यति' बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। 2024 में जब एक तरफ भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो ये पुण्य वर्ष अयोध्या में कई बड़े निर्माण और बदलावों का भी साल साबित होने जा रहा है। विकास कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है, जिसमें सबसे पहला नाम अयोध्या में बनकर तैयार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। यहां से जनवरी 2024 में उड़ान शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही जनवरी में ही 50 हजार फुट प्रिंट वाले अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का नया भव्य भवन भी बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा मार्च तक सोलर सिटी भी पूरी तरह आकार ले लेगी।

जनवरी माह में 394 करोड़ से 4 लेन अयोध्या अकबरपुर बसखारी मार्ग, एनएच 27 से रामपथ तक रेलवे समपार, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज, दर्शन नगर के पास रेलवे ओवर ब्रिज, अमानीगंज में मल्टी लेवल पार्किंग, कलेक्ट्रेट के पास स्मार्ट वाहन पार्किंग, पंचकोसी और चौदहकोसी मार्ग पर इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण, परिक्रमा मार्ग पर 25 से ज्यादा पयर्टन स्थलों और कुंडों का विकास, डेकोरेटिव पोल और हेरिटेज लाइटों की स्थापना का कार्य, कौशल्या सदन का निर्माण, मुक्ति वैकुंठ धाम के विकास का कार्य पूरा हो जाएगा। फरवरी में अयोध्या के 7 वार्डों में 24 घंटे जलापूर्ति, सूर्यकुंड के पास आरओबी, 4 लेन धर्म पथ का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मार्च में अयोध्या अकबरपुर मार्ग पर फ तेहगंज आरओबी, अयोध्या बिल्हौरघाट 4 लेन सड़क, गुप्तार घाट का सौंदर्यीकरण, नया घाट से लक्ष्मण घाट तक पर्यटन सुविधाओं का विकास, अयोध्या सोलर सिटी का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। अप्रैल में अवध बस स्टैंड के पास आश्रय गृह का निर्माण, नाका बाइपास के पास कल्याण भवन का निर्माण, चार ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। जून में अयोध्या सीवरेज योजना का पार्ट वन पूरा कर लिया जाएगा। जुलाई में 473 करोड़ से पंचकोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। सितंबर में डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर को पूरा कर लिया जाएगा। अक्टूबर में 1140 करोड़ से चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग का विस्तारीकरण पूरा कर लिया जाएगा। नवंबर-दिसंबर तक अयोध्या में जोनल अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर का निर्माण, अयोध्या नगर निगम और अयोध्या विकास प्राधिकरण के विशाल भवनों का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

विश्वनाथ धाम ने बदली काशी की तस्वीर अयोध्या मंदिर लेकर आएगा समृद्धि

भगवान श्रीराम का नव्य-भव्य धाम नि:संदेह अयोध्या वासियों की सुख-समृद्धि का भी कारक बनेगा। इसका अंदाजा दो वर्ष पहले वाराणसी में उद्घाटित श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की सफलता से लगाया जा सकता है। दो साल में ही काशी विश्वनाथ धाम में 13 करोड़ से अधिक दर्शनार्थियों ने मत्था टेका है। इस दौरान मंदिर में 100 करोड़ से अधिक का चढ़ावा भी आस्थावान हिन्दुओं ने चढ़ाया है। इसके अलावा वाराणसी में पर्यटन उद्योग भी 200 गुना से अधिक बढ़ा है। इसमें रेहड़ी-पटरी, नौका संचालक, हस्तशिल्पी, साड़ी कारोबारी के साथ ही अन्य छोटे व्यवसाइयों से लेकर बड़े होटल समूह और टूर एंड ट्रैवल इंडस्ट्री से जुड़े लोग भी अच्छा-खासा मुनाफा कमा रहे हैं। जानकारों का प्रबल विश्वास है कि सदियों से उपेक्षित रही अयोध्या नगरी मोदी-योगीराज में भव्य मंदिर के उद्घाटन के साथ ही काशी की तरह ही पर्यटन मानचित्र पर ध्रुव तारे की तरह चमकेगी।

सीएम योगी ने मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्रियों को दी बधाई

● उम्मीद जताई कि भाजपा के मुख्यमंत्रियों के कुशल नेतृत्व में विकास के नए मानक स्थापित करेंगे दोनों राज्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शपथ लेने वाले भाजपा के नए मुख्यमंत्रियों डॉ मोहन यादव एवं विष्णु देव साय को बधाई और शुभकामनाएं दीं। अपने बधाई संदेश में उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और भाजपा के नए मुख्यमंत्रियों के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य विकास के नए मानक स्थापित करेंगे। सीएम योगी ने दोनों राज्यों में शपथ ग्रहण करने वाले उपमुख्यमंत्रियों को भी बधाई दी। सीएम योगी स्वयं दोनों राज्यों में संपन्न हुए शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए।

सीएम योगी ने मध्य प्रदेश में शपथ ग्रहण समारोह के बाद नए मुख्यमंत्री बने डॉ मोहन यादव को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, डॉ मोहन यादव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की हार्दिक बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में आप मध्य प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सफल होंगे। इसी तरहए सीएम योगी ने छत्तीसगढ़ के नए सीएम विष्णु देव साय को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की हार्दिक बधाई। पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके कुशल नेतृत्व में अंत्योदय के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ विकास के नए मानक स्थापित करेगा। जय छत्तीसगढ़ महतारी। सीएम योगी ने दोनों राज्यों में शपथ लेने वाले उप मुख्यमंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने मध्य प्रदेश में शपथ लेने वाले दोनों उप मुख्यमंत्रियों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल को मध्य प्रदेश राज्य के उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, आप दोनों का कार्यकाल उत्तम हो, यही कामना है।

यूपी पुलिस में 167 डिप्टी एसपी के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश शासन ने यूपी पुलिस में व्यापक फेरबदल करते हुए बीते मंगलवार की देर रात डिप्टी एसपी स्तर के 167 पीपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। वहीं एक अपर पुलिस अधीक्षक का भी स्थानांतरण किया गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी इस सूची में ज्यादातर नाम उनक पुलिस अफसरों के हैं जो तैनाती वाले जिले में तीन साल या उससे अधिक का समय पूरा कर चुके हैं। लोकसभा चुनाव से पहले की तैयारियों के क्रम में ये तबादले किए गए हैं। इस फेरबदल में प्रदेश के अधिकतम जिले प्रभावित हुए हैं। वहीं लखनऊ के भी आठ पुलिस उपाधीक्षकों को गैरजनपद भेजा गया है। इनमें सहायक पुलिस आयुक्त अनूप कुमार सिंह को जनपद गाजीपुर, सहायक पुलिस आयुक्त दिलीप कुमार सिंह कानपुर नगर, सहायक पुलिस आयुक्त सैफुद्दीन बेग को प्रयागराज, सहायक पुलिस आयुक्त प्रकाश चंद्र अग्रवाल को मेरठ, सहायक पुलिस आयुक्त सुनील कुमार शर्मा को हरदोई, सहायक पुलिस आयुक्त स्वाती चौधरी को पीटीएस, मेरठ, सहायक पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार को मेरठ और सहायक पुलिस आयुक्त रमेश कुमार तिवारी को जनपद खीरी स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध, गोरखपुर इन्दुप्रभा सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुख्यालय, लखनऊ के पद पर तैनात किया गया है।

पर्यटन मंत्री ने राज्य संग्रहालय में अवध वीथिका का लोकार्पण किया

● अवध की संस्कृति की मिलेगी झलक: जयवीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को राज्य संग्रहालय लखनऊ में अवध वीथिका के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि इसके माध्यम से दर्शक अवध की गौरवशाली संस्कृति के विविध आयामों को देख सकेंगे। इस वीथिका में अवध की गौरवशाली संस्कृति एवं हस्तशिल्प आदि की झलक प्रस्तुत की गयी है। इसके साथ ही विभिन्न कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह कर उन्हें जनसामान्य के अवलोकनार्थ किया गया है। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 171.80 लाख रूपये की लागत से अवध वीथिका का सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य कराया गया है। वीथिका में अवध की संस्कृति से संबंधित मीनाकारी, ग्लासवेयर, बीदरी वेयर, टेक्सटाइल, मेटल वेयर, मिट्टी के खिलौने, वाद्य यंत्र एवं अन्य वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया है।

ओटीएस में अब तक 2600 करोड़ से ज्यादा की वसूली

● 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तीसरे और अंतिम चरण में भी उपभोक्ता ले सकेंगे योजना का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिजली उपभोक्ताओं को अपने बकाये की राशि चुकाने के लिए योगी सरकार द्वारा शुरू की गई एकमुश्त समाधान योजना न सिर्फ उपभोक्ताओं के लिए बल्कि ऊर्जा विभाग के लिए भी सुपर डुपर हिट साबित हो रही है। 12 दिसंबर तक इस योजना के तहत 27 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड लोगों को लाभ मिला है जबकि विभाग को 2600 करोड़ से ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ है। सिर्फ बिजली चोरी से जुड़े मामलों की बात करें तो 54 हजार से ज्यादा लोगों ने योजना का लाभ प्राप्त किया है तो वहीं विभाग को इसके माध्यम से 180 करोड़ से ज्यादा का राजस्व मिला है। यह राशि योगी सरकार की इस योजना की सफलता का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने 8 नवंबर को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की शुरुआत की थी। उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में अपना पंजीकरण कराया। योजना के तहत दो तरह के लोग इसका लाभ ले रहे हैं। एक ओटीएस नॉर्मल और दूसरा ओटीएस थेफ्ट (जिन पर बिजली चोरी का बकाया है)। यह योजना 8 नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक कुल 54 दिनों तक तीन खंडों में चलाई जा रही है। इस योजना का पहला चरण 8 से 30 नवंबर तक चला है जबकि अब एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक इसका दूसरा चरण चल रहा है। वहीं तीसरा चरण 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा।

बिजली चोरी के मामलों में पांचों डिस्कॉम्स में से सर्वाधिक 17312 रजिस्ट्रेशन पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. (मेरठ) से हुए हैं, जहां से 50.07 करोड़ रुपए का राजस्व कोष में जमा हुआ है। वहीं सर्वाधिक 53.78 करोड़ रुपए का राजस्व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. (वाराणसी) से प्राप्त हुआ है, जहां 13276 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगन लि. (आगरा) से कुल 14220 रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं के माध्यम से 39.37 करोड़ रुपए, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. (लखनऊ) से 8484 उपभोक्ताओं के जरिए 35.08 करोड़ रुपए और केस्को कानपुर से 1184 उपभोक्ताओं के माध्यम से 2.47 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाया गया है। इस तरह पांचों डिस्कॉम्स में कुल मिलाकर 54476 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनसे कुल मिलाकर 180.77 करोड़ की वसूली हुई है। वहीं सिर्फ 12 दिसंबर को 1626 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया और विभाग के कोष में 4.05 करोड़ रुपए जमा हो गए। ओटीएस नॉर्मल के तहत सर्वाधिक 770718 रजिस्ट्रेशन मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. में हुए हैं, जहां से कुल 490.33 करोड़ रुपए की वसूली हुई है। वहीं सर्वाधिक 847.74 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. से हुई, जहां कुल 765137 उपभोक्ताओं ने योजना में रजिस्ट्रेशन कराया। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि. में 599895 रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं से 490.33 करोड़ और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. से 593036 रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं से 618.86 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति हुई है। कुल मिलाकर चारों डिस्कॉम्स से कुल 2728786 रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं के जरिए विभाग ने 2615.48 करोड़ रुपए जुटाए हैं। वहीं सिर्फ 12 दिसंबर की बात करें तो कुल 111771 उपभोक्ताओं ने योजना में रजिस्ट्रेशन कराया और 110.70 करोड़ रुपए कोष में जमा हो गए।

कार्यकर्ताओं का परिश्रम भाजपा की विजय का परिणाम

● डिजिटल वॉलंटियर बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी की नमो एप एवं विकसित भारत अभियान के लिए बुधवार को आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में विकसित भारत एम्बेसडर बनाकर डिजिटल वॉलंटियर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह कार्यशाला में आगामी कार्ययोजना के साथ संवाद किया। नमो एप के केन्द्रीय संयोजक कुलजीत चहल तथा नमो एप टीम के राष्ट्रीय सदस्य शैलेश पाण्डेय ने नमो एप का प्रेजेंटेशन के साथ प्रशिक्षण दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने तीन राज्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विजय की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार गरीब कल्याण के कार्यक्रम, अभियान व योजनाओं से देश के जनमानस का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास और कार्यकर्ताओं का परिश्रम लगातार भाजपा की विजय के रूप में परिणित हो रहा है। उन्होंने कहा कि संचार क्रान्ति के युग में अपनी बात लोगो तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम नमो एप है। संगठन की प्रदेश इकाई ने नमो एप पर दो करोड़ वॉलंटियर को जोड़कर विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का लक्ष्य लिया है और प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ता इस लक्ष्य से आगे निकलेंगे। इस अभियान में पार्टी के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ ही सांसद, विधायक व सभी जनप्रतिनिधि जुडेंगे। उन्होंने कहा कि वह प्रत्येक व्यक्ति जो अपने आस-पास की सकारात्मक कार्यों को दूर-दूर तक प्रसारित करता है वह मोदी का विकसित भारत एम्बेसडर है। उन्होंने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर जनता के दरबार में पहुंच रही है। कांग्रेस, सपा, बसपा सहित तमाम विपक्षी दलों की सरकारों में गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं में भ्रष्टाचार भी हुआ और पक्षपात भी हुआ। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारदर्शी रूप से बिना पक्षपात के हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमें सभी आगामी अभियानों की सफलता तथा लोकसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुटना है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि नमों एप डाउनलोड तथा प्रोफाइल अपडेट करने के पश्चात् विकसित भारत एम्बेसडर बनाने के प्रशिक्षण के लिए आगामी 15, 16 व 17 दिसंबर को जिला स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएगीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक के प्रत्येक पदाधिकारी, प्रत्येक जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता के मोबाइल में नमों एप डाउनलोड करने के साथ ही स्थानीय नागरिकों के मोबाइल में भी नमों एप डाउनलोड करना है। नमों एप डाउन लोड के साथ ही 100 डे चैलेंजए माइक्रोडोनेशन तथा पार्टी के सभी मोर्चे के कार्य प्रारंभ होगें। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा सेल्फी विद फर्स्टटाइम वोटर, किसान मोर्चा सेल्फी विद किसान सहित सभी मोर्चे अभियान चलाकर नमों एप पर सेल्फी अपलोड करेगें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प से राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वालों का नमों एप बड़ा प्लेटफार्म बनेगा और इंडिया पॉजिटिव के माध्यम से भारत के परिवर्तन की अद्भुत कहानियां जन.जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। धर्मपाल सिंह ने संगठनात्मक अभियानों व कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी विधानसभा स्तर पर दीवार लेखन का कार्य प्रारम्भ होगा।

बीएड को सहायक शिक्षक की शैक्षिक योग्यता से बाहर करने की मांग

● हाईकोर्ट ने एनसीटीई के पत्र पर निर्णय लेने का सरकार को दिया आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति की खातिर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार को शैक्षिक योग्यता के लिए बीएड के संदर्भ में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा भेजे गए पत्र पर जल्द निर्णय लेने का आदेश दिया है। एनसीटीई ने इस पत्र के द्वारा सभी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय के आलोक में कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

जस्टिस एआर मसूदी व जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश श्याम बाबू व 312 अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिककर्ताओं की ओर से कहा गया कि 28 जून 2018 को अधिसूचना जारी करते हुए एनसीटीई ने सहायक शिक्षक की शैक्षिक योग्यता में बीएड को शामिल किया था। इस अधिसूचना के अनुपालन में उत्तर प्रदेश में सम्बंधित नियमों में बदलाव करते हुए बीएड को शामिल कर लिया गया। जबकि राजस्थान में बीएड को शैक्षिक योग्यता में शामिल नहीं किया गया। यह विवाद राजस्थान हाईकोर्ट गया। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनसीटीई की 28 जून 2018 की अधिसूचना को अविधिक पाते हुए रद् कर दिया। बाद में मामला सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी देवेश शर्मा मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकार रखा तथा उक्त अधिसूचना को आरटीई के विपरीत करार दिया। याचिका में 28 जून 2018 के अधिसूचना के क्रम में बीएड को शामिल करने सम्बंधी बदलावों को समाप्त करने व सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2019 के परिणाम के पुनरीक्षण की मांग की गई थी। हालांकि पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि हमारे सामने यह मामला नहीं है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने चार सितंबर 2023 के एनसीटीई के पत्र के अनुपालन में कार्रवाई करने से इंकार कर दिया हो। वह एनसीटीई के पत्र के आलोक में निर्णय लेते हुए विधि सम्मत कार्रवाई करे।

'तुलसी मंच' पर देश-विदेश की रामलीलाओं के जरिए आध्यात्मिक ऊर्जा का होगा संचार

रामोत्सव-2024

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पांच सौ वर्षों के पश्चात नव्य अयोध्या सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रूप से और समृद्ध दिखेगी, जब 22 जनवरी 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी के करकमलों से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विरामजान होंगे। इस अवसर को योगी सरकार अद्वितीय, अविस्मरणीय व अलौकिक बनाएगी। एक तरफ जहां देश.विदेश के कलाकार रामायण आधारित रामलीला की प्रस्तुति देंगे तो वहीं लोकपरंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे, मानना है कि लोक परंपराओं में प्रभु श्रीराम विद्यमान हैं। रामोत्सव के लिए नेपाल, कंबोडिया, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि देशों के रामलीला मंडलियों के कलाकारों को आमंत्रित किए जा रहे है। साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ की मंडली भी श्रीराम के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुतियां देंगी। तुलसी भवन स्मारक स्थित तुलसी मंच पर देश व विदेश की विभिन्न रामलीलाओं का मंचन प्रस्तावित है। रामलीला मंचन के लिए सरकार की तरफ से दो करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। लोकपरंपराएं समाज में प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत बनाए हुए हैं। उनके आदर्श वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी को भी प्रेरणा देती रहेगी। जनवरी में पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु अयोध्या और प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक शहरों की यात्रा करेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अन्य प्रांतों के श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन का आमंत्रण दे चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठाधीश्वर भी हैं। आध्यात्मिक रूप से उन्होंने उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। अयोध्या में होने वाले सांस्कृतिक व आध्यात्मिक कार्यक्रमों को भी आस्था के सम्मान से जोड़कर रखा गया है।

कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा को मिला नैतिक पार्टी का समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी जोड़ो यात्रा के समर्थन में बुधवार को नैतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र भूषण पाण्डेय ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के समक्ष 'साथी पार्टी' के रूप में जुड1कर 2024 लोकसभा चुनाव में कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने का संकल्प लिया। प्रवक्ता डॉ. हिलाल अहमद नकवी ने बताया कि यूपी जोड़ो यात्रा आगामी 20 दिसंबर 2023 से प्रदेश के जनपद सहारनपुर से आरंभ हो रही है। 16 दिसंबर से खरमास के लागू होने के कारण प्रदेश कांग्रस अध्यक्ष 15 दिसंबर 2023 को बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर काशी से यात्रा का सांकेतिक शुभारंभ करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि यह यात्रा 20 दिसंबर को उप्र के जनपद सहारनपुर से आरंभ होकर मुजफ्फ रनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी होते हुए जनपद सीतापुर पहुंचेगी। इस प्रकार यह यात्रा प्रदेश के 10 जनपदों से होकर गुजरेगी। प्रवक्ता ने कहा कि इस यात्रा के दौरान कई नुक्कड़ सभाएं की जाएंगी तथा जन सम्पर्क भी किया जायेगा। यात्रा में किसानों, युवाओं, कारीगरों, बेरोजगारों तथा महिलाओं से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं को सुना जायेगा तथा घोषण पत्र में उनकी आवाज को स्थान दिया जायेग। भाजपा की केन्द्र एवं राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों एवं जीएसटी को गलत तरीके से लागू करने के कारण छोटे एवं मंझोले व्यापारियों के कारोबार लगभग सामप्त हो गये हैं।

निकायों में आई जनसमस्याओं की अनदेखी न करें अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी नगरीय निकाय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निकायों में आई जनसमस्याओं की अनदेखी न करें, इसका शीघ्र निराकरण करने हेतु हर संभव कदम उठायें जाए,जिससे कि लोगों को शीघ्र राहत मिले। अधिकारियों की कार्यशैली ऐसी हो कि कोई भी समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बने, इससे पहले ही समाधान हो जाए। इसके लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लें। उन्होंने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आनलाइन बनाने तथा अन्य कार्यों को समयबद्ध रूप से करने के लिए अलीगढ़ नगर निगम द्वारा संचालित ई आफिस प्रणाली का प्रस्तुतीकरण देखा और नगरीय निकाय निदेशक को निर्देशित किया कि सभी नगरीय निकायों में कार्यों के सुचारू व समयबद्ध रूप से संचालन हेतु डिजिटल प्रणाली को अपनाये। इसके लिए कार्य किया जाए। नगर विकास मंत्री एके शर्मा बुधवार को नगरीय निकाय निदेशालय में सम्भव के तहत राज्य स्तरीय जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारियों से शिकायत के संबंध में वर्चुअल बात भी की। सीवर चोक व क्षतिग्रस्त होनाए पानी के बिलए स्ट्रीट लाइट, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, गंदगी व कूड़ा, पाइप लाइन लीकेज जैसी आदि समस्याओं का निस्तारण कराया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज न करें। बल्कि उनका गम्भीरता से निराकरण करायें। मंत्री एके शर्मा ने जनसुनवाई में वाराणसी निवासी शिवम रस्तोगी के कायवले धाम कालोनी में 09 माह से सीवर चोक की शिकायत पर नगर आयुक्त वाराणसी ने बताया कि पुरानी सीवर लाइन होने से समस्या है, इसके स्थाई समाधान के लिए नई सीवर लाइन हेतु स्टीमेट बनाया गया है तथा 3.84 लाख रूपये की लागत से इस 45 मी. लम्बी सीवर लाइन को जल्द ही बदला जायेगा। लखनऊ निवासी सचित्र मिश्रा की कालोनी कन्हैया माधवपुर वार्ड में सीवर का गंदा पानी भरने से कालोनी में दुर्गंध व मच्छरों की संख्या बढ़ने की शिकायत पर नगर आयुक्त लखनऊ इन्द्रजीत ने 4-5 दिन में इस समस्या का निराकरण करने की बात कही।

रिफिल की रिपोर्ट से एडीएम नाराज

उज्ज्वला गैस योजना की समीक्षा बैठक

शाहजहाँपुर। उज्ज्वला गैस योजना की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में राशिद अली एडीएम (न्यायिक) शाहजहांपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में उज्ज्वला गैस कनेक्शनधारकों को दिए जाने वाले निःशुल्क गैस रिफ्लि के कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षा में यह तथ्य प्रकाश में आया कि 346830 उज्ज्वला गैस कनेक्शनधारकों के सापेक्ष अभी तक 173105 गैस कनेक्शनधारकों द्वारा अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया गया है, जिसके कारण उनके बैंक एकाउण्ट में सब्सिडी की धनराशि प्रेषित नहीं की जा सकी है। जिस हेतु एडीएम (न्यायिक) के द्वारा गहरी नाराजगी प्रकट की गई। उन्होने सख्त निर्देश दिये कि इस कार्य में गैस कम्पनियों के सेल्स आफिसर और गैस एजेन्सियों के मालिकों एवं कर्मचारियों के द्वारा कोई रूचि नहीं ली जा रही है, जबकि यह कार्य प्रथम चरण में प्रत्येक दशा में 31 दिसम्बर 2023 तक पूर्ण किया जाना है। मौके पर किसी भी गैस एजेन्सी मालिक एवं सेल्स आफीसर यह बताने में असमर्थ रहे कि उनके द्वारा उक्त योजना के प्रचार-प्रसार के लिए क्या कार्य किया ग। एडीएम (न्यायिक) ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह में इस कार्य में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए। योजना के प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर एवं बैनर लगाए जाएं। यदि उपभोक्ताओं से संबंधित शिकायतें आईजीआरएस के पोर्टल पर प्राप्त होंगी तथा उपभोक्ताओं द्वारा शान्ति भंग किए जाने के प्रयास किए गए तो सम्बन्धित गैस एजेन्सी के साथ-साथ गैस कम्पनी के सेल्स आफीसर को दोषी मानते हुए धारा 151 सीआरपीसी के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बैठक में एडीएम (न्यायिक) के द्वारा यह भी निर्देशित किया कि योजना में जिन गैस एजेन्सियों द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है, उनकी विशेष जांच कराई जाए।विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सेल्स आफीसरों के द्वारा असहयोग करने, मौके पर उपस्थित न होने, गैस एजेन्सियों को मौके पर पूर्ण तैयारी से उपस्थित होने के निर्देश न देने में लापरवाही बरतने के दृष्टिगत शासन को अवगत कराने के लिए पत्र प्रेषित किए जाने हेतु भी एडीएम न्यायकि द्वारा निर्देश दिए गए। गैस एजेन्सियां अपने-अपने हॉकरों व अन्य स्त्रोतों के माध्यम से गांवों में मुनादी कराएं साथ ही जिला पूर्ति अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि वह उचित दर विक्रेताओं को निर्देश जारी करें कि वह उज्ज्वला गैस कनेक्शनधारकों से तत्काल अपना केवाईसी अपडेट कराएं। ओमहरि उपाध्याय जिला पूर्ति अधिकारी शाहजहांपुर, वेद प्रकाश क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शाहजहांपुर एवं बीपीसीएल एवं एचपीसीएल के सेल्स आफीसर उपस्थित रहे।

डीएम ने बस एवं ट्रक की टक्कर होने की सूचना प्राप्त होने पर किया निरीक्षण

बरेली। डीएम रविन्द्र कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान के साथ थाना भोजीपुरा क्षेत्र के बड़े बाईपास पर गलत दिशा में आ रही स्कूली बस एवं ट्रक की टक्कर की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। दुर्घटना में छः छात्रों को मामूली चोटे आई थी, जिलाधिकारी के पहुंचने से पूर्व समस्त छात्रों को नायब तहसीलदार द्वारा एसआरएमएस अस्पताल में चिकित्सा हेतु भेज दिया गया था।जिलाधिकारी ने घटना के कारणों के दृष्टिगत एआरटीओ प्रवर्तन को निर्देश दिये कि गलत दिशा में बस चला रहे चालक का लाइसेंस जांचोपरांत दोषी पाये जाने पर निरस्त किया जाये और स्कूल प्रबंधन को भी नोटिस निर्गत किया जाए। डीएम ने एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिये कि अनियमित कटों को बंद किया जाये। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की घटना ना हो इस हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में योजनाओं से जुड़ने की अपील

शाहजहापुर। नगर निगम के तत्वावधान में विकसित भारत संकल्प यात्रा टाउन हॉल स्थित शहीद द्वार मैदान में शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई वैन गाड़ी के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने जन-मानस की सुविधा हेतु भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनायें जैसे- पीएम स्वनिधि योजना, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) योजना, पीएन आवास योजना (शहरी), अमृत मिशन 2.0 योजना, मेरी कहानी मेरी जुबानी, स्मार्ट सिटी मिशन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना, जन-धन योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम ई-बस सेवा योजना, पीएम भारतीय जन औषधि परियोजना, पीएम सौभाग्य योजना के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की योजनाओं के सम्बंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया और इन योजनाओं से जुड़ने की अपील की गई। नगर आयुक्त ने मोदी की गारंटी वाली गाड़ी में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने की अपील भी की। जिससे सरकारी योजनाओं की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो सके और उसका सीधा लाभ मिल सके। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत भारत को एक नई दिशा में ले जाने के लिए अनुरोध किया गया। अपर नगर आयुक्त एसके सिंह ने सभी को हमारा श्संकल्प विकसित भारत के प्रति शपथ दिलाई गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं से सम्बंधित आमजन को जानकारी देने हेतु कैंपो का भी आयोजन किया। जन-मानस द्वारा सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत क्रिज का आयोजन किया गया।

खेती के काम को आसान बना देंगे कृषि यंत्र खरीद पर सरकार दे रही 50 फीसदी तक सब्सिडी

- सुनहरा अवसरः बुकिंग 14 दिसंबर की रात्रि 12 बजे तक करने का अंतिम मौकाः जिलाधिकारी

लखीमपुर खीरी। अब खेती के काम पारंपरिक नहीं बल्कि आधुनिक तौर तरीकों से किया जा रहा है। खेती के कार्य मे उपयोग होने वाले कई यंत्र आ चुके हैं। जिससे कम मेहनत और कम समय में ज्यादा का मुनाफा हो रहा है। ये यंत्र अधिक महंगे होने के कारण ज्यादातर किसानों की पहुंच से बाहर है और वह पुराने तौर.तरीकों से ही आज भी खेती कर रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद के लिए राज्य सरकार भी किसानों को कृषि यंत्र खरीदने पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दे रही है।

उप्र सरकार किसानों को खेती की मशीनें खरीदने पर 50 प्रतिशत तक का अनुदान दे रही है। अगर आप भी प्रदेश सरकार की इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं तो 14 दिसंबर से पहले अप्लाई कर दें। लाभार्थियों का चयन ई.लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

डीडी (कृषि) अरविंद मोहन मिश्र ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग के विभागीय दर्शन पोर्टल पर ष्यंत्र पर अनुदान हेतु टोकन निकालेंष् लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। कृषि यंत्रों के आवदेन हेतु बुकिंग किये जाने के लिए विभागीय पोर्टल पर पूर्व से उपलब्ध मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त करने का विकल्प होगा, यदि पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल नम्बर बन्द होगा तो लाभार्थी के नये मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त कर आगे की प्रक्रिया पूर्ण करने का विकल्प दिया जायेगा। आवेदक द्वारा एक मोबाइल नम्बर अपना अथवा परिवार के सदस्य (माता, पिता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री एवं पुत्रवधू) के मोबाइल से ही आवेदन किया जा सकेगा।

3541 टीमें करेंगी कुष्ठ रोगियों की पहचान

संवाददाता। शाहजहापुर

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 21 दिसंबर से 4 जनवरी तक कुष्ठ रोगी खोजी अभियान चलाया जाना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के गौतम ने बताया कि कुष्ठ रोगी खोजी अभियान 14 दिनों तक चलेगा इसमें अपने जनपद में 3541 टीमें कार्य करेंगी तथा मरीजों के लक्षण के आधार पर पहचान कर उन्हें अस्पताल भेजे ताकि उनका पूर्ण रूप से इलाज हो सके। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ गोविन्द स्वर्णकार ने बताया कि कुष्ठ रोग एक सामान्य रोग है यह टीबी की तरफ फैला है अर्थात यह सास के द्वारा ड्रॉपलेट इनफेक्शन है। इसका बैक्टीरिया माइक्रो बैक्टेरियम लैप्रे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है जिसमें शरीर पर सर्वप्रथम त्वचा से भिन्न प्रकार के दाग धब्बे बनते हैं जिसमें पसीना नहीं आता है सुन्नपन होता है तथा धब्बे पर बाल नहीं होते हैं तांत्रिक प्रभावित होने पर हाथ पैरों में सुन्नपन तथा झनझनाहट होती है कुष्ठ रोग पूर्णतया उपचार करने योग्य है जो 6 माह या 12 माह के इलाज से पूर्णतया ठीक हो जाता है। जिसमें लगभग 1000 की आबादी पर एक महिला तथा एक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता जैसे आशा, आंगनबाड़ी व अन्य कर्मचारियों की टीम बनाई जाएगी जो प्रत्येक घर के सभी सदस्यों में सुन्न, दाग धब्बे की जांच करेगी। 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों की छूट दी जा सकती है संदिग्ध पाए गए व्यक्तियों का चिकित्सा अधिकारियों द्वारा परीक्षण किया जाएगा। कुष्ठ रोगी पाए जाने पर रजिस्ट्रेशन करके एमडीटी की दवा खिलाई जाएगी। एमडीटी प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क उपलब्ध है।

पुलिस ने छापेमारी कर गांजा सहित युवक को दबोचा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नशे का अवैध रूप से कारोबार करने वाले लोगों के विरुद्ध कोतवाली निरीक्षक जेपी शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत छापेमारी कर युवक के पास से अबैध गांजा बरामद करते हुए हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई है। बुधवार की दोपहर हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे कोतवाली के उप निरीक्षक आनंद कुमार मिश्रा ने मुखबिर की सूचना पर समधन अंडरपास के निकट रेलवे अंडरपास के नीचे छापेमारी कर एक युवक के पास से 500 ग्राम नशीला गांजा बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपी युवक ने अपना नाम मैनूर उर्फ सैनूर पुत्र मुईन निवासी ग्राम रूरा थाना ठठिया बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

क्विक न्यूज

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना को लेकर किया जागरूकता

बरेली। राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जागरूकता कार्यक्रम बरेली सिटी रेलवे स्टेशन विनायक अस्पताल के पास किया गया जिसका नेतृत्व जिला महिला कल्याण विभाग बरेली महिला कल्याण अधिकारी सोनम शर्मा अध्यक्षता राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना ने की और बताया कन्या सुमंगला योजना में छह चरणों में ऐसे परिवार जिसमें दो बच्चे हो चाहे वह दोनों बालिका हो यह एक पुत्री या एक पुत्र हो ऐसे परिवार को छे चरणों में धनराशि दी जाती है बालिका के कक्षा एक में प्रवेश लेने पर धनराशि 2000 बालिका के कक्षा 6 में प्रवेश लेने पर धनराशि 2000 बालिका के कक्षा 9 में प्रवेश लेने पर धनराशि 3000 बालिका के कक्षा 10 और 12 के उत्तीर्ण होने के उपरांत दो वर्षीय डिप्लोमा या स्नातक में प्रवेश लेने पर धनराशि 5000 सरकार दे रही है योजना परिवार में वार्षिक आय अधिकतम 3 लाख हो परिवार में केवल दो संतान होने पर ही लाभ प्राप्त होगा।

चिकित्सालय प्रशासन को रोगियों को सरकार द्वारा अनुमन्य समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बरेली। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान के साथ मानसिक चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ओपीडी में उपस्थित रोगियों एवं उनके तीमारदारों से अस्पताल में उन्हें उपलब्ध करायी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के विषय में भी जानकारी ली, मरीजों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि यहां पर ठीक स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय प्रशासन को रोगियों को सरकार द्वारा अनुमन्य समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होने चिकित्सालय परिसर की साफसफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के भी निर्देश दिये।

हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया स्वच्छता जन जागृति दिवस

मैलानी.खीरी। आर्दश नगर पंचायत मैलानी मे स्वच्छता जन जागृति दिवस बडे ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया, नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी व उनके पति भवानी शंकर माहेश्वरी उर्फबन्टी मैय्या तथा नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी राजेश चौधरी ने नगर मे स्वच्छता बनाए रखने हेतु नागरिकों से अपील की कि वह नगर को स्वच्छ बनाकर प्रधानमंत्री का सपना स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने का सपना साकार नगर की स्वच्छता हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है, कीर्ति माहेश्वरी व अधिशाषी अधिकारी राजेश चौधरी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपना नगर मैलानी की स्वच्छता का बखान जिले की अन्य नगर पालिकाओं व नगर पंचायतो मे नगर मैलानी की स्वच्छता सबसे अच्छी बताई गयी है इस सभी लोग नगर मैलानी की स्वच्छता व्यवस्था को और भी बेहतर बनाए जिससे हमारा नगर की स्वच्छता मे अलग ही पहचान बन जाए भवानी शंकर माहेश्वरी उर्फबन्टी मैय्या व समस्त सभा सदो ने भी स्वच्छता को लेकर अपने अपने विचारो को रखा साथ नगर सफाई कर्मी को नगर सफाई वयवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के साथ पूर्ववत सफाई वयवस्था की प्रशंसा भी की।

नगर निगम ने अलाव की प्रारम्भ की

शाहजहाँपुर। शीतलहर के प्रकोप के कारण आम जनमानस को ठण्ड से बचाव हेतु नगर निगम ने अलाव की व्यवस्था प्रारम्भ कर दी। शीतलहर का प्रकोप निरन्तर बढ़ता जा रहा है। महापौर ने नगर आयुक्त को अलाव की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये हैं। रैन बसेरा टाउनहॉल, घण्टाघर, रोडवेज बस अड्डा, खिरनीबाग चौराहा, जिला अस्पताल में अलाव की व्यवस्था करायी गयी।

प्लास्टिक सर्जरी शिविर हरदोई में 19 दिसंबर को

संडीला (हरदोई)। सीएचसी प्रभारी डॉ0 शरद वैश्य ने बताया कि 19 दिसंबर मंगलवार को सिप्स, लखनऊ के सौजन्य से 100 शइया संयुक्त चिकित्सालय हरदोई में प्लास्टिक सर्जरी शिविर का अयोजन किया जाएगा जिसमें जन्मजात कटे होठ, कटे तालू वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए जिन बच्चों के ऑपरेशन की आवश्यकता है उनका निःशुल्क ऑपरेशन करने के लिए पंजीकरण किया जाएगा और उसी समय वाहन से निःशुल्क भेजा जाएगा।

ग्रामीण डाक सेवकों का अनिश्चितकाली धरना दूसरे दिन जारी

संडीला (हरदोई)। ग्रामीण डाक सेवकों का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन जारी रहा। ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा दिए जा रहे धरने के दूसरे दिन धरने पर बैठे लोगों ने बताया कि अगर बृहस्पतिवार तक कोई हल न निकला तो सभी डाक सेवक हरदोई के प्रधान डाकघर में पहुंचकर धरने पर बैठेंगे।

सामूहिक विवाह में नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगे प्रभारी मंत्री

- डीएम ने ली तैयारी बैठक, अफसरों संग तय की रणनीति ●जीआईसी में 14 और 16 दिसंबर को होगा सामूहिक विवाहए प्रशासन ने पूरी की तैयारियां

लखीमपुरखीरी। समाज कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जीआईसी मैदान में 14 और 16 दिसंबर को आयोजित होगा। गुरुवार को प्रभारी मंत्री आशीष पटेल की मौजूदगी में होने जा रही 482 गरीब बेटियों की शादी बेहद खास होने जा रही है। प्रभारी मंत्री इन्हें आशीर्वाद के साथ ही हजारों रुपये के उपहार भी देंगे। इसके पहले प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ब्लॉक बेहजम के ग्राम सरैया में करीब सुबह 10:30 बजे विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रशासन ने कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बुधवार को डीएम ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों संग मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तय की। बैठक में यातायात व्यवस्था, रूट प्लान/डायवर्जन, खानपान और वाहनों को खड़ा करने आदि का खाका तैयार कर लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि इस आयोजन में वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने वाले जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए प्रभारी मंत्री आशीष पटेल स्वयं उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रति विवाह पर सरकार की तरफ से 51 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें से 35 हजार रुपये विवाह बंधन में बंधने जा रही कन्या के बैंक खाते में अंतरित कर दिए जाते हैं। 10 हजार रुपये उपहार व शेष राशि अन्य व्यवस्थागत खर्चों के मद में है। जीआईसी मैदान में 16 दिसंबर को भी 402 नव दंपति परिणय सूत्र बंधन में बंधेंगे।

डीएम ने सीएमओ को कार्यक्रम स्थल पर एंबुलेंस मय चिकित्सक की उपलब्धता और ईओ नगर पालिका को वॉटर टैंक एवं मोबाइल शौचालय की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। कार्यक्रम स्थल पर लाभार्थी जोड़ो एवं उनके परिजनों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं टेस्टिंग खाद्य एवं औषधि विभाग सुनिश्चित कराएगा।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि विवाह स्थल तक जोड़ों को समय से लाने की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम सचिव की होगी। सभी जोड़े 9:30 बजे तक विवाह स्थल पर अनिवार्य रूप से पहुंच जाएं। इसे सभी खंड विकास अधिकारी स्वयं मॉनिटर करेंगे। विभिन्न व्यवस्थाओं में लगाए गए अफसर अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करेंगे। एएसपी नेपाल सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती समेत यातायात व्यवस्था के संबंध में जरूरी जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि 14 दिसंबर को बॉकेगंज, धौरहरा, ईसानगर, गोला, लखीमपुर, मितौली, मोहम्मदी, फूलबेहड़ के 482 जोड़ो एवं 16 दिसंबर को बेहजम, बिजुआ, नकहा, पसगवाँ, रमियाबेहड़ए निघासन, पलिया के 402 जोड़ों का विवाह जीआईसी ग्राउंड में होगा।

डीएम ने सड़क दुर्घटना में घायल हुये स्कूली बच्चों का अस्पताल में पहुंचकर हाल-चाल जाना

बरेली। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान के साथ आज सड़क दुर्घटना में घायल हुये स्कूली बच्चों का जनता अस्पताल में पहुंचकर हाल-चाल लिया।आज सुबह करीब 9:00 बजे ग्राम दुगना थाना देवरनिया क्षेत्र में गन्ने के ट्रक से साइकिल सवार तीन स्कूली बच्चों (पीयूष पुत्र शिशुपाल, लकी पुत्र कुंवर सिंह व दानिश पुत्र जावेद अली) दुर्घटना में घायल हो गये थे। जो कि जनता अस्पताल में एडमिट कराए गए थे।घटना की जानकारी होने पर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अस्पताल जाकर बच्चों का हाल चाल लिया और परिवारीजनों से मिले तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि जिला अस्पताल से एक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बच्चों के परीक्षण हेतु भेजी जाये तथा इलाज की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

स्वच्छता जागरूकता में सक्रिय सहभागिता निभायेंः मीनू सिंह

- स्वच्छता जन जागृति दिवस पर पालिका व नगर पंचायत में हुये कार्यक्रम

पालिका व नगर पंचायत में मौजूद ईओ व सभासद सहित नागरिक।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। शासन के निर्देशानुसार बुधवार को नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत समधन में स्वच्छता जन जाग्रति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री एके शर्मा द्वारा लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक के संबोधन हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिशासी अधिकारी मीनू सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता व समधन में चेयरमैन प्रतिनिधि अखलाक हुसैन सिद्दीकी द्वारा आयोजन के दौरान समिति के अध्यक्षों एवं समिति सदस्यों को कैप, बैज एवं आईडीकार्ड प्रदान किये गये।

इस दौरान उन्होनें समिति के सदस्यों एवं समस्त वार्डो के सभासदो से स्वच्छता अभियान तथा जन जागरूकता के कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करने की अपील करनें के उपरान्त कहा कि आप सभी लोग नगर के आम जनमानस को ज्यादा से ज्यादा जागरुक करने का कार्य करें। जिससे नगर के कूड़े का निस्तारण किया जा सके। आपके नगर में एमआरएफ सेंटर निर्मित है जिसमें सूखे व गीले कूड़े-कचरे का निस्तारण किया जा रहा है। आप सभी अपने-अपने वार्डो के नागरिकों से अपील करें कि गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग करके कूड़ा गाड़ी आने पर ही कूड़े को कर्मचारी को दें। सभासदों विपिन चौरसिया, परमजीत, निर्मल श्रीवास्तव, आजम सिददीकी, शहंशाह, आशा देवी, संतोष गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता, चरणजीत, सिराज अहमद, सोनू सैनी, दीपक गुप्ता सहित बउे बाबू आरपी सिंह, जिलेदार सिंह, अशोक शर्मा, मनोज तिवारी, मोहित गुप्ता, विवेक गुप्ता, दीपक श्रीवास्तव, आलोक, मानू खा, मुजम्मिल, मो. अमीन शेख, मुनव्वर, कलीम उर्फ कल्ले, तालिब, पप्पू, असलम आदि लोग मौजूद रहे।

अंतर्जनपदीय जुएं के अड्डे पर हो रहा लाखों का जुआंए लोग हो रहे कंगाल

संडीला (हरदोई)। स्थानीय कोतवाली के अंतर्गत क्षेत्र के ग्राम आलमपुर में जुएं की फड़ पर आसपास के जनपदों के लोग भी आकर दांव लगा रहे हैं। दैनिक लाखों का जुआं हो रहा है। लोग जुएं की चपेट में आकर लगातार कंगाल हो रहे है। दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी इस संबंध में मात्र उपेक्षात्मक रवैया अपनाए हुए हैं। ग्राम आलमपुर में एक विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा जुआं खिलवाया जा रहा है। दिन के समय जुएं की फड़ पास के गांव के पास स्थित आम के बाग और जंगल में बिछती है। आसपास के गांव, संडीला नगर तथा लखनऊ तक के जआंड़ी दांव लगाने आते हैं। सारा दिन यह खेल इन बागों में ही चलता है। जुआड़ियों को सचेत करने के लिए बाग के आसपास कई युवा और उम्रदराज़ लोग दिखावे के लिए कुछ न कुछ करते दिखाई पड़ जाते हैं जो किसी संदिग्ध व्यक्ति को देखते ही जुआं खेल रहे लोगों को मोबाइल के माध्यम से सूचना दे देते हैं।

अवैध रूप से संचालित बसों व ओवरलोडिंग के विरुद्ध चलाया चेकिंग अभियान

संवाददाता। बरेली

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के निर्देशन में जनपद में अवैध रूप से संचालित बसों एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जेपी गुप्ता ने बताया कि इस अभियान में 01 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2023 तक 40 बस एवं 14 निजीकारों (ईको) के विरुद्ध चालानध्बंद की कार्यवाही की गई है। प्रवर्तन अधिकारी द्वारा बरेली से जयपुर एवं दिल्ली तक चलने वाली अनाधिकृत बसों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। इस अभियान में माह दिसंबर में 222 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालानध्बंद की कार्यवाही की गई है, अब तक 57.22 लाख रु0 जुर्माना आरोपित किया गया है, जिसमें से 15.46 लाख रुपये की वसूली भी कर ली गयी है। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा अभियोगों के अंतर्गत की गई कार्यवाही के उल्लंघन करते चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित/निरस्त किये जाने के निर्देश दिए है। ऐसे चालक जो वाहन चलाते समय रेड लाइट जम्पिंग, ड्रंक-ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग, मालयान एवं यात्री वाहनों में ओवरलोडिंग एवं मालयानों में सवारी ढोना एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करते पाए जाने पर उनके लाइसेंस प्रथम चरण में तीन माह के लिए निलम्बित किये जाएंगे तथा तीन बार चालान होने पर निरस्त भी कर दिया जायेगा। वर्तमान माह दिसम्बर में अब तक 11 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया गया है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद के लाइसेन्सिंग प्राधिकारी द्वारा 226 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि खतरनाक तरीके से व गलत दिशा में चलाने के कारण एक स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसको थाना में निरुद्ध किया गया तथा बस चलाने वाले चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

उन्होंने सभी वाहन चालकों को निर्देश दिये हैं कि वाहनों को यातायात के नियमों का पालन करते हुए वाहन को सीमित गति में चलाएं। कोहरे का मौसम शुरू हो गया है अपने-अपने वाहनों में फॉग लाइट का प्रयोग करें तथा रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप अवश्य लगवायें। गन्ने के परिवहन में लगे सभी ट्रैक्टर-ट्राली एवं ट्रकों में पीछे की ओर लाल रंग का रेट्रोरिफ्लेक्टिव टेप एवं लाल रंग का कपड़ा लगाकर ही अपने वाहन को चलायें। यथासंभव कोहरे के मौसम में वाहन का संचालन ना करें तथा सड़क पर अपने-अपने वाहनों को ना रोकें। अधिक कोहरा होने पर सड़क किनारे बने ढाबेध्पेट्रोल पंप आदि पर वाहनों को पार्क किया जाए।

संसद में घुसपैठिये से चित्रकूट सांसद ने लिया मोर्चा, गर्दन पकड़कर पटका

सांसद की बहादुरी से बढ़ा बुंदेलखंड का सम्मान

संवाददाता। चित्रकूट

लोकसभा की सुरक्षा में बुधवार को बड़ी सेंध लगी। दो लोग लोकसभा के दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में घुसे और पीला धुंआ फैलाया। इस दौरान सांसदों ने बहादुरी दिखाते हुए घुसपैठ करने वालों को पकड़ लिया। इनमें बांदा-चित्रकूट से भाजपा सांसद आर के सिंह पटेल भी थे। आर के सिंह पटेल ने एक घुसपैठिए की गर्दन पकड़ी और उसे जमीन पर पटक दिया। आरके सिंह पटेल ने संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले दो लोगों में से एक को पकड़ा। उन्होंने घटना की आंखों देखी सुनाई। पटेल ने कहा कि वह घुसपैठिए की ओर बढ़े और उसकी गर्दन पकड़कर उसे नीचे गिरा दिया। इसके बाद कई अन्य सांसद घटनास्थल पर पहुंचे। बताया कि अपराधी ने धुएं के डिब्बे से गला घोंटने की कोशिश की। सांसद श्री पटेल ने कहा, जब हम बाहर जा रहे थे तो मैंने एक सुरक्षाकर्मी को सदन में घुसने वालों में से एक के साथ हाथापाई करते देखा। मैं उनकी ओर लपका और उनकी गर्दन पकड़कर उसे नीचे गिरा दिया। इसके बाद कई अन्य सांसद घटनास्थल पर पहुंचे।

2001 के संसद हमले की 22वीं बरसी पर हुई घुसपैठ

चित्रकूट। बुधवार को घुसपैठ के बाद लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। दो लोग दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे। वे अपने साथ पीला धुंआ निकालने वाला कन्सतर लेकर आए थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है। धुंआ निकालने वाले कन्सतर को बरामद किया गया है। यह घटना 2001 के संसद हमले की 22वीं बरसी पर हुई। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अपराधियों ने धुएं के डिब्बे को अपने जूतों के अंदर छिपा रखा था।

जिलाधिकारी ने लिया यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का जायज़ा

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में बुधवार को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के सम्बन्ध में बैठक जिला कलेक्टरेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद में वर्ष 2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 35 परीक्षा केन्द्र प्रस्तावित किए गए हैं। जिनमें हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट के 24125 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिलाधिकारी ने गत वर्ष के सभी परीक्षा केन्द्रों के बारे में शिकायत, समस्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा नवीन प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों का सम्बन्धित उप जिलाधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक मौके पर जाकर निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा, फर्नीचर, बाउंड्री वॉल आदि परीक्षा केन्द्र मानक को पूरा करता हो। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि जिन परीक्षा केन्द्रों द्वारा धारण क्षमता कम करने के लिए अनुरोध किया गया है, उनका निरीक्षण करें एवं निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्र आसपास ही बनाएं, ज्यादा दूरी न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

भाजपा युवा मोर्चा ने निकाली बाइक यात्रा

चित्रकूट। भारतीय जनता युवा मोर्चा चित्रकूट के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा (हीरो) के नेतृत्व में भाजपा के 11 मंडलों में बाइक यात्रा निकाल कर कार्यकर्ताओं ने 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने की हुंकार भरी गई। इस बाइक यात्रा कर्वी नगर में शिवाकांत पांडे, पहाड़ी मंडल में विश्वनाथ कुशवाहा, गनींवा मंडल में आदित्य तिवारी, सरधुवा मंडल में प्रकाश सिंह, शिवरामपुर में देवकीनंदन पांडेय, भरतकूप में भानु पांडे और अनुराग द्विवेदी, मानिकपुर में नीलेश दुबे, ऐचवारा नीरज त्रिपाठी, मऊ में हर्ष मिश्रा एवं बरगढ़ में राजू केसरवानी के नेतृत्व में बाइक यात्रा निकालकर मोदी जी को 2024 में पुन: प्रधानमंत्री बनने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार हुंकार भरी।

जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

संवाददाता। चित्रकूट

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के निर्देशन में जिला विज्ञान क्लब चित्रकूट द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि रहे जिला विकास अधिकारी राजकुमार त्रिपाठी एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, डीआईओएस संतोष कुमार मिश्रा एवं अन्य अतिथि गणों ने मां शारदे के चित्र पर माल्यापर्ण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा लगायी गयी विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं बच्चों की तार्किक क्षमता एवं वैज्ञानिक सोच की सराहना की। मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी ने श्री त्रिपाठी ने कहा कि सभी बच्चों के अंदर कुछ अन्तर्निहित क्षमताएं होती हैं जिनको इस प्रकार के आयोजनों से निखारने का मौका मिलता है। आप जनपद में ही नही बल्कि प्रदेश स्तर पर भी अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करें। इस अवसर पर छात्रों को नकद धनराशि एवं प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता जन जागृति दिवस विषय पर किया गया कार्यशाला का आयोजन

फतेहपुर। नगर पालिका परिषद में स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अंतर्गत नगर के प्रत्येक वार्ड में गठित स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के समस्त सदस्यों की सक्रियता सुनिश्चित किए जाने के लिए बुधवार को स्वच्छता जन जागृति दिवस विषयक हायब्रिड व वर्चुअल माध्यम से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नगर के सभी सभासद एवं नामित प्रोत्साहन समिति के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन राज्य मिशन निदेशालय स्तर पर नगर विकास मंत्री व अध्यक्ष की अध्यक्षता में हायब्रिड एवं वर्चुअल माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम में प्रत्येक स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों को स्वच्छ भारत मिशन के प्रिन्टेड टीशर्ट, कैप, बिल्ला एवं स्थाई पहचान पत्र भी पालिकाध्यक्ष राजकुमार मौर्य व सक्षम अधिकारी ने वितरित किए। पालिका ईओ समीर कुमार कश्यप ने बताया कि आने वाले दिनों में साफ-सफाई की व्यवस्था मैकेनाइज्ड होगी। फागिंग हेतु लेमन ग्रास आयल का प्रयोग किया जाएगा। जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजय सिंह ने स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों को कार्यक्रम में ओनरशिप के साथ जुड़ने का आहवान किया।

मयारामखेड़ा में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

फतेहपुर। पिछले माह की 25 तारीख को औंग थाना क्षेत्र के मयारामखेड़ा में हुई चोरी का क्षेत्रीय पुलिस ने खुलासा करते हुए इस मामले में शामिल दो चोरों को जहां गिरफ्तार कर लिया वहीं उनके पास से चोरी किए गए रूपयों में से चालीस हजार रूपये के साथ ही दो बाइकें भी बरामद की हैं। पकड़े गये चोरों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया कि 26 नवंबर को मयारामखेड़ा गांव निवासी प्रेमनारायण पुत्र रामचरण ने थाने में सूचना दिया कि 25 नवंबर को प्रात: चार बजे दरवाजे पर सोते समय अज्ञात चोर पीछे दीवार में सेंध काटकर कमरे में रखे झोले से चोरी कर जाते समय पुत्र अजय की नींद खुल जाने पर चोर के हाथ से साठ हज़ार छीन लेने व शेष एक लाख पचास हज़ार रूपये चोर लेकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करके चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। औंग थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभयपुर गांव के समीप निर्माणाधीन फैक्ट्री के पास से बाइक सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये चोरों ने अपने नाम अमन पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम करनपुर थाना कल्यानपुर व धर्मेंद्र पुत्र मनीराम निवासी ग्राम जाड़े का पुरवा बताया। पुलिस ने उनके पास से मयारामखेड़ा में हुई चोरी का चालीस हजार रूपये व बाइक नं. यूपी-71एएस/आठ हज़ार दो सौ चार व बाइक नं. यूपी-71एडी/6571 बरामद किया।

आज गांव आएगा शहीद सैनिक का पार्थिव शरीर

कुक हाउस अग्निकांड में फंसे लोगों को बचाने में गंवाई जान

संवाददाता। फतेहपुर

5685 एएससी बटालियन हल्द्वानी में सेवारत रहे 41 वर्षीय हवलदार कमल सिंह दो दिन पूर्व कुक हाउस अग्निकांड में फंसे लोगों को साहस का परिचय देते हुए बचाने में अपनी जान गंवा बैठे। उनका पार्थिव शरीर कल सेना के जवान गांव लेकर पहुंचेंगे। जहां अंतिम दर्शन के पश्चात अधिकारी व जवान गार्ड आफ आनर देंगे।

तत्पश्चात उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। भूतपूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष विद्या भूषण तिवारी व महिला जिलाध्यक्ष जागृति तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया कि हवलदार कमल सिंह 5685 एएससी बटालियन हलद्वानी मेंसेवारत थे। स्व. राजा सिंह कछवाह के पांच बच्चों में कमल सिंह कछवाह सबसे छोटे थे। इनके बड़े भाई ललन सिंह कछवाह भी एएससी कोर सेना में हवलदार हैं। कमल सिंह की दो पुत्री कुमारी श्वेता दस वर्ष व वैष्णवी सात वर्ष हैं। बताया कि वर्ष दो हज़ार एक में सेना में भर्ती हुए थे। 11 दिसंबर दो हज़ार तेईस को यूनिट के कुक हाउस में अचानक आग लगने पर कमल सिंह ने अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए अंदर फंसे लोगों को निकाला व मोटर बंद किया। इस अग्निकांड में वह 95 प्रतिशत झुलस गये थे। उपचार के दौरान बुधवार को प्रात: चार बजे उन्होने अंतिम सांस ली।

वैश्य महारैली में जिले से जाएंगे दो हजार कार्यकर्ता

फतेहपुर। आगामी 17 दिसंबर को लखनऊ में होने वाली वैश्य संकल्प रैली को लेकर एक तैयारी बैठक अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अमित शिवहरे के नेतृत्व में राधानगर में संपन्न हुई। जिसमें लखनऊ रैली में ज्यादा से ज्यादा वैश्य बंधुओं की सहभागिता को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राधानगर क्षेत्र से चंद्रप्रकाश गुप्ता व सोल्डी गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई। जिले से लगभग दो हजार वैश्य बंधुओं को लखनऊ ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक को संबोधित करते हुए अमित शिवहरे ने कहा कि वैश्य समाज के हितों व राजनीति में भागीदारी की लड़ाई के लिए इस महारैली का आयोजन किया गया है। उन्होने समाज के लोगों का आहवान किया कि अधिक से अधिक संख्या में वैश्य महारैली में भाग लेने के लिए लखनऊ पहुंचे। इस मौके पर गौरव गुप्ता, राहुल गुप्ता डीके, गोल्डी गुप्ता, टीटू गुप्ता बहुआ, महेश गुप्ता उर्फटीटू, शीलू गुप्ता, रितेश आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

घर से निकला छात्र हुआ लापता

पुखरायां, कानपुर देहात। घर से स्कूल निकला छात्र लापता भोगनीपुर कानपुर देहात भोगनीपुर थाना क्षेत्र के गुरगांव गांव से कानपुर स्कूल जाने के लिए निकाला छात्र रास्ते में गायब हो गया छात्र के पिता ने भोगनीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई है गुरगांव निवासी गुड्डी पत्नी सतीश कश्यप ने बताया कि उसका लड़का ऋषि कुमार 6 दिसंबर को घर से कानपुर जाने के लिए निकला था लेकिन कानपुर नहीं पहुंचा रास्ते में कहीं लापता हो गया परिवार वालों ने सभी जगह तलाश की लेकिन ऋषि कुमार का कहीं पता नहीं चला गुड्डी पत्नी सतीश कुमार ने भोगनीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई है कोतवाल दिलीप कुमार बंद ने बताया कि गुमशुदी की दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे दिन भी जारी जीडीएस की हड़ताल

फतेहपुर। सात सूत्रीय मांगों को लेकर अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ यूनियन की प्रधान डाकघर में चल रही अनिश्तिकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। जिसमें उपस्थित कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज मुखर करते हुए शीघ्र ही सभी मांगों को पूरा किए जाने की मांग की। जीडीएस के अध्यक्ष शिव सिंह, उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव व सचिव राजीव सिंह के नेतृत्व में दूसरे दिन भी हड़ताल पर कर्मचारी डटे रहे। जिसमें मांग करते हुए कहा कि आठ घंटे काम व पेंशन सहित अन्य सरकारी लाभ दिया जाए, नियमित कर्मचारियों के समान एक जनवरी 2016 से टीआरसी का 12, 24 व 36 वर्ष की सेवा पूरी करने पर तक वित्तिय उन्नयन सहित कमलेश चन्द समिति की सभी सकारात्मक सिफ़ारिसों का तत्काल कार्यान्वयन किया जाये, समूह बीमा कवरेज को पाँच लाख तक बढ़ाया जाये, विभागीय कर्मचारियों के साथ समानता में जीडीएस ग्रेजवेटी में वृद्धि की जाये, एक सौ अस्सी दिनो तक की संवेतनिक अवकाश को आगे बढ़ाकर नगदीकरण किया जाये। नये कर्मचारियों को कार्यभार के आधार पर वार्षिक वेतन वृद्धि व टीआरसी जैसे देने के भेदभाव समाप्त किया जाये।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया लोहिया अस्पताल पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण

संवाददाता। फ़र्रुखाबाद

मुख्य विकास अधिकारी ने आज पोषण पुनर्वास केन्द्र लोहिया अस्पताल, फ़र्रुखाबाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय एनआरसी पर 7 बच्चे एडमिट पाये गये। उनमें से एक बच्चे की मां गोमती पत्नी दिनेश भोजन करती पायी गयीं, भोजन में उन्हें दाल, रोटी व सब्जी देना पाया गया। उनसे भोजन की गुणवत्ता पूछने पर उनके द्वारा बताया गया कि दाल में नमक की मात्रा कम है तथा दाल की गुणवत्ता ठीक नहीं है। एनआरसी पर अन्य बच्चे की माता श्रीमती धनदेवी से भोजन के सम्बन्ध में पूंछने पर उनके द्वारा बताया गया कि सुबह का भोजन दोपहर 1 बजे तथा रात्रि का भोजन सायं 5 बजे दिया जाता है। मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्साधिक्षक को निर्देशित किया गया कि भोजन निर्धारित समय पर दिया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए की भोजन की गुणवत्ता ठीक रहे। उपस्थित मुख्य चिकित्साधिक्षक, लोहिया अस्पताल को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय पर बच्चों को निर्धारित मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के समय एनआरसी की कुक दिव्या सक्सेना अनुपस्थित पायी गयीं, जिसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिक्षक को निर्देशित किया गया।

सपा महानगर अध्यक्ष की गाड़ी ट्राली में घुसी, टली बड़ी दुर्घटना

फर्रुखाबाद। सुबह तकरीबन 5 बजके 30 मिनट पर जब सपा महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा अपनी गाड़ी से शाहजहांपुर से लौट कर फर्रुखाबाद आ रहे थे। एकाएक घने कोहरे के बीच में फर्रुखाबाद के जमापुर मोड़ पर एक भूसे से लदी ओवरलोड ट्रेक्टर ट्राली को बीच में रोक रखा था। नगर अध्यक्ष ने आरोप लगाया सिपाही ने अवैध बसूली के लिए अचानक रोक लिया। जब तक वह अपनी गाड़ी को रोक पाते गाड़ी ट्राली में घुस गई और गाड़ी यूपी 76 ए एल- 3808 मारुति सुजुकी अर्टिगा डेमिज हुई।

भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी पर पुलिस ने की शांतिभंग की कार्रवाई

जालौन, उरई। पूर्व सभासद व भाजपा जिला सोशल मीडिया प्रभारी के खिलाफ पुलिस ने की शांतिभंग की कार्रवाई। रास्ते में खड़ी सीओ की गाड़ी को हटाने को लेकर भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी और सीओ के चालक के बीच कहासुनी के चलते कार्रवाई हुई। भाजपा नगर अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं का कोतवाली में जमावड़ा लगा रहा। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बापू सहाव निवासी पूर्व सभासद व भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी शशांक सिंह उर्फ सोनू चौहान अपने घर से ट्रैवलर गाड़ी लेकर कार्यालय जा रहे थे। घर से कुछ ही दूरी पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने सीओ की कार सड़क पर खड़ी थी। जिससे दो पहिया वाहन तो निकल रहे थे लेकिन चार पहिया वाहनों के निकलने के लिए जगह नहीं बची थी। ऐसे में जब कई बार हॉर्न देने के बाद भी जब सीओ की गाड़ी रास्ते से नहीं हटी तो सोनू चौहान गाड़ी के पास आए। जहां गाड़ी हटाने को लेकर सीओ के चालक अनुज के साथ उनकी कहासुनी हो गई। चालक ने सीओ को पूरे मामले से अवगत कराया। जिसके बाद कोबरा सिपाही सोनू चौहान को कोतवाली ले गए। उनके कोतवाली जाते ही भाजपा नेताओं को खबर लग गई।

सिकरी राजा में कैंप लगा बकायेदारों से वसूले गये एक लाख तीस हजार रुपए

जालौन, उरई। बिजली विभाग ने ओटीएस योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने के लिए सिकरीराजा गांव में कैंप लगाया। जिसमें मात्र 30 लोगों ने पंजीकरण कराए। इस दौरान बकाएदारों से एक लाख 30 हजार रुपये भी जमा कराया गया। क्षेत्रीय ग्राम सिकरीराजा में 800 से अधिक कनेक्शन धारक हैं। बिजली विभाग द्वारा बराबर लोगों को बिजली के बिल भी भेजे जाते हैं लेकिन ग्रामीण बिल जमा करने में रूचि नहीं लेते हैं। जिसके चलते इस गांव में बिजली विभाग का एक करोड़ से अधिक बकाया है। वर्तमान में प्रदेश सरकार के निर्देश पर ओटीएस योजना के अंतर्गत सरचार्ज में छूट दी जा रही है। जिसके अंतर्गत बकाएदार 31 दिसंबर तक छूट का लाभ ले सकते हैं। जिसमें 15 दिसंबर तक योजना का दूसरा चरण चल रहा है। जिसमें उपभोक्ताओं को कैटेगरी के अनुसार छूट का लाभ दिया जा रहा है। लेकिन बकाएदार योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं।

पेज एक का शेष

22वीं बरसी...

ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करने की धमकी दी थी। लोकसभा कक्ष के अंदर दो व्यक्तियों पर काबू पाने वाले सदस्यों ने कहा, 'उनमें से एक कह रहा था कि मैं देशभक्त हूं और विरोध करने के लिए यहां आया हूं।' कई लोकसभा सदस्यों ने घुसपैठियों को सुरक्षा कर्मियों के हवाले करने से पहले उनकी पिटाई की। जद (यू) सदस्य रामप्रीत मंडल ने कहा कि घुसपैठियों ने गैस कनस्तरों को अपने जूते में छिपा लिया था और लोकसभा कक्ष में पीले रंग की गैस का छिड़काव किया था। मंडल, जो घुसपैठिए के पास थे, ने कहा कि आरएलपी सदस्य हनुमान बेनीवाल और अन्य सदस्यों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया। मंडल ने कहा, 'दोनों में से एक 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगा रहा था। पुलिस अधिकारियों ने कहा, वहीं इसी तरह की एक अन्य घटना में संसद भवन के बाहर धुआं छोड़ने वाले गैस केन को खोलने के बाद दो प्रदर्शनकारियों ने 'तानाशाही नहीं चलेगी', 'भारत माता की जय' और 'जय भीम, जय भारत' जैसे नारे भी लगाए। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने दोहरे सुरक्षा उल्लंघन के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए संसद का दौरा किया। घटनाओं के बाद पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ संसद के आसपास के इलाके को किले में तब्दील कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को दोनों घटनाओं की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

भारी सुरक्षा...

संसद के मेहमानों के प्रवेश पास भी शामिल हैं। एनपीबी की आंतरिक सुरक्षा परत दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ को लोकसभा और राज्यसभा की कई दीर्घाओं में मीडिया कर्मियों सहित आगंतुकों की तलाशी और सुविधा के लिए दी गई है। एक संसद सुरक्षा सूत्र ने कहा कि हमारे पास पुरानी संसद में एक घटना मुक्त युग था क्योंकि दिल्ली पुलिस द्वारा प्रवेश को छोड़कर पूरे सुरक्षा तंत्र का प्रबंधन पीएसएस द्वारा किया जाता था। हमें आगंतुकों की प्रोफाइलिंग के लिए प्रशिक्षित किया गया था और यदि आगंतुकों में कोई संदिग्ध चेहरा मौजूद था तो कोड निर्धारित किए गए थे, जिससे पीएसएस कर्मी अतिरिक्त सतर्क रह सकें। हम चेतावनियाँ जारी करते थे, फिर भी मेहमानों को सुविधा प्रदान करते थे। इसके अलावा, हमने आगंतुकों को बैठने की 4/5 पंक्ति के बाद बैठने की अनुमति दी और संदिग्ध चेहरे पर विशेष ध्यान दिया, जैसा कि प्रवेश पास में पहले से ही अंकित था। उन्होंने यह भी साझा किया कि वे हर साल किस प्रकार के प्रशिक्षण से गुजरते हैं। अब वर्तमान परिदृश्य बदल गया है और पीएसएस पुरानी संसद की सुरक्षा करता है और उनका कर्तव्य केवल सीपीआईसी (केंद्रीकृत संसद पहचान पत्र) से पास जारी करने तक ही सीमित है। आंतरिक परत जो दीर्घाओं में आगंतुकों/अतिथियों की तलाशी और सहभागिता है, सीआरपीएफ द्वारा की जानी है। एक अन्य पीएसएस कर्मी ने समझाया, 'मौजूदा परिस्थितियों में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गयी है। यह सबसे बड़ी विफलता है क्योंकि किसी व्यक्ति की प्रोफाइलिंग सीखना और प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण है जो तैनात कर्मचारियों पर बोझ को कम करती है। इस मामले में सुरक्षा बलों की प्रोफाइलिंग और रिफ्लेक्स कार्रवाई दोनों ही विफल रहीं। यह सांसद व सहकर्मी थे जो पहले आरोपी के कूदने के बाद अधिक सतर्क थे। सूत्रों ने कहा कि जबकि वैध अधिकृत पास के साथ प्रवेश किया गया था, एक और संदेह जिस पर ध्यान नहीं दिया गया वह आवंटित समय स्लॉट के बाद आगंतुकों की उपस्थिति थी। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा कक्ष में कूदने वाले दो आरोपियों, मनोरंजन डी और सागर शर्मा के पास 45 मिनट के लिए आगंतुक पास थे, लेकिन वे नियमों का उल्लंघन करते हुए करीब दो घंटे तक दर्शक दीर्घा में रहे। संसद सूत्रों ने कहा कि मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के आदेश पर बुधवार के लिए तीन पास जारी किए गए। हालाँकि, एक व्यक्ति, एक महिला, को वापस लौटना पड़ा क्योंकि वह अपने बच्चे के साथ आई थी जिसका नाम उसके पास में उल्लेखित नहीं था। महिला का दोनों आरोपियों से कोई संबंध नहीं था। मनोरंजन डी तीन महीने से अधिक समय से पास के लिए सिम्हा और उनके कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। आलोचना का सामना कर रहे सिम्हा के कार्यालय ने उनका बचाव करते हुए कहा कि सांसद आम तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के सदस्यों के ऐसे अनुरोधों पर विचार करते हैं। परीक्षित और भरोसेमंद' पीएसएस में अब स्वीकृत क्षमता से लगभग 125 लोगों की कमी है और आखिरी बार जब भर्ती की गई थी तो 2013 में हुई थी, जबकि दशक के दौरान कई सेवानिवृत्त हुए और उनके खिलाफ रिक्तियां प्रतिनियुक्ति द्वारा भरी गईं। सूत्रों ने कहा कि विशेष निदेशक (सुरक्षा) से लेकर सुरक्षा सहायक ग्रेड- दो तक के पदानुक्रम में सुरक्षा अधिकारियों की स्वीकृत संख्या लगभग 301 है, जबकि वास्तविक शक्ति 176 है और 125 स्थान रिक्त हैं। सुरक्षा सहायक ग्रेड-टू में 72 की स्वीकृत शक्ति के मुकाबले, वास्तविक ताकत केवल नौ है, उन्होंने कहा, सुरक्षा सहायक ग्रेड- वन के लिए संबंधित आंकड़ा 69 की स्वीकृत शक्ति के मुकाबले 24 है। सुरक्षा उल्लंघन के बारे में पहले से ही गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं, जो पुराने संसद भवन पर आतंकवादी हमले की 22वीं बरसी पर हुआ है। कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद हुए नौ लोगों को श्रद्धांजलि दी थी। अत्याधुनिक उपकरणों का दावा करने वाले एनपीबी में संसद की निगरानी-सुरक्षा व्यवस्था पर संदेह व्यक्त किया गया।

मोहन और...

सिंह धामी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नितिन गडकरी भी मौजूद थे। रायपुर में कुनकुरी सीट से विधायक विष्णु देव साय ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव और विधायक विजय शर्मा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने साय और उनके दो डिप्टी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी और कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। साय ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह और पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं पर माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे साई पुरेना इलाके में अपने आवास पर पहुंचे और अपनी मां का आशीर्वाद लिया और पत्नी कौशल्या देवी साय ने घर पर नवग्रह पूजा की। साय (59) छत्तीसगढ़ राज्य के चौथे मुख्यमंत्री होंगे। साव (54) प्रभावशाली साहू (तेली) ओबीसी समुदाय से हैं और शर्मा (50), एक ब्राह्मण हैं। नियम के मुताबिक छत्तीसगढ़ कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 13 मंत्री हो सकते हैं। राज्य के राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि नई मंत्रिपरिषद में नए चेहरों और पुराने लोगों का मिश्रण होगा। वह छत्तीसगढ़ राज्य के चौथे मुख्यमंत्री हैं, जिसे वर्ष 2000 में बनाया गया था। 59 वर्षीय साय, भाजपा के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने इस समुदाय के किसी नेता को शीर्ष पद देने का फैसला किया गया। प्रदेश में आदिवासी की आबादी लगभग 32 प्रतिशत है जो राज्य की जनसंख्या का प्रतिशत और ओबीसी के बाद दूसरा सबसे प्रभावशाली सामाजिक समूह है। भाजपा ने नवंबर के चुनावों में 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 54 सीटें जीतकर सत्ता में शानदार वापसी की। 2018 में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 35 सीटों पर सिमट गई, जबकि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) एक विधानसभा क्षेत्र में विजयी हुई।

विपक्ष ने...

ने कहा कि विभिन्न दलों के नेताओं ने घटना की गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यह बात सार्वजनिक थी कि एक आतंकवादी संगठन 13 दिसंबर को संसद पर हमला करने की योजना बना रहा है और इसकी जानकारी सरकार को भी थी, फिर भी यह सुरक्षा चूक कैसे हो गई। बैठक में उपस्थित नेताओं ने संसद के भीतर और अधिक प्रतिबंध लगाने का मुद्दा उठाया, लेकिन कहा कि बढ़ी हुई सुरक्षा से मीडिया के साथ उनके संपर्क पर असर नहीं पड़ना चाहिए। द्रमुक के नेता तिरुची शिवा ने कहा कि जो लोग दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूदे, वे घायल नहीं हुए और ऐसा लगता है कि उन्हें प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह घटना उस दिन हुई थी जब 22 साल पहले संसद पर आतंकवादियों ने इसी दिन हमला किया था। शिवा ने कहा, ऐसा लगता है कि कोई कुछ संकेत दे रहा है। यह एक सुरक्षा चूक है। आजादी के बाद संसद के अंदर ऐसी घटना कभी नहीं हुई। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने आरोप लगाया कि नए संसद भवन की सुरक्षा पर उचित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, आज हम जान रहे हैं कि संसद में सुरक्षा अधिकारी की 130 से अधिक रिक्तियां हैं। महुआ मोइत्रा को एक बाहरी व्यक्ति के साथ संसद लॉगिन साझा करने के लिए निष्कासित कर दिया गया था, लेकिन आज तीन सांसदों ने इन लोगों (आरोपी) को पास दिलाने में मदद की। क्या यह सुरक्षा चूक नहीं है? तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी ने संसद के अंदर की घटना को आतंकवादी गतिविधि करार दिया और जानना चाहा कि क्या सुरक्षा चूक का कोई खालिस्तानी लिंक है। बनर्जी ने कहा, इस बात की उचित जांच होनी चाहिए कि उन्हें संसद में प्रवेश की अनुमति किसने दी और वे कौन लोग हैं जिन्होंने उन्हें पास दिलाने में मदद की। जिन भाजपा सांसदों ने उनकी मदद की, उन्हें बचाया नहीं जाना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर संसद की सुरक्षा समीक्षा की बात कर सकते हैं।

मोदी सरकार...

तीर्थंकर, जैन) की धार्मिक मूर्तियां शामिल हैं। इसके साथ-साथ धर्मनिरपेक्ष रूपांकनों (समाभंगा में अनाकार युगल, चौरी बियरर, ढोल बजाने वाली महिला आदि) भी शामिल हैं। 2013 में, एक पुरावशेष फ्रांस से भारत लौटाया गया था आंकड़ों के मुताबिक, जबकि 2023 में ऑस्ट्रेलिया से दो, यूके से सात और अमेरिका से 85 वापस लाया गया। उसी वर्ष मिले 291 पुरावशेषों में से नागराज (सर्प राजा) की एक पत्थर की मूर्ति 2020 में ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त की गई थी। पिछले साल, स्कॉटलैंड ने 7 कलाकृतियां लौटाईं जो पूरे भारत के कई क्षेत्रों से संबंधित थीं, जिनमें 14वीं सदी की एक औपचारिक इंडो-फ़ारसी तलवार और 11वीं सदी का नक्काशीदार पत्थर का दरवाजा चौखट शामिल था, जो कानपुर के एक मंदिर का था। इसी तरह, 2021 में, मेट्रोपॉलिटन म्युज़ियम ऑफ़ आर्ट, न्यूयॉर्क ने 15 कलाकृतियां लौटाईं। इनमें पहली शताब्दी ईसा पूर्व का चंद्रकेतुगढ़ का एक चीनी मिट्टी का बर्तन, 8वीं शताब्दी ई.पू. के उत्तरार्ध की प्रेम के देवता कामदेव की एक पत्थर की मूर्ति, 11वीं शताब्दी ईस्वी के परिचारक यक्ष और यक्षी के साथ एक श्वेतांबर सिंहासनारूढ़ जीना शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि 2017- 2020 के बीच लौटाई गई 36 कलाकृतियाँ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन से थीं। बरामद वस्तुओं में राम, सीता और लक्ष्मण की धातु की मूर्तियाँ, नटराज की एक पत्थर की मूर्ति, ब्रह्मा और ब्राह्मणी की पत्थर की मूर्तियां, एक बोधिसत्व सिर, एक 'नृत्यरत शिव', गणेश की धातु मूर्ति और चोल काल की एक श्री देवी कलाकृति शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद शुरुआती दौर में 2014 और 2016 के बीच कई कलाकृतियां भारत को सौंपी गईं। वापस लायी गयी कलाकृतियों में 2014 में ऑस्ट्रेलिया से नटराज और अर्धनारीश्वर कलाकृतियां, कनाडा से पैरट लेडी कलाकृतियां, जर्मनी से महिषामर्दिनी कलाकृतियां शामिल थीं, जबकि 2015 में सिंगापुर ने उमा परमेश्वरी की मूर्ति लौटाई थी।

भारत ने की पेरिस समझौता अक्षरशः लागू करने की अपील

सीओपी28 में समानता और जलवायु न्याय के सिद्धांतों पर भी जोर दिया

दुबई। भारत ने बुधवार को वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन सीओपी28 में विश्व के नेताओं से ग्लोबल स्टॉकटेक प्रक्रिया के माध्यम से पेरिस समझौते को अक्षरशः लागू करने का अनुरोध किया। इस दौरान भारत ने समानता और जलवायु न्याय के सिद्धांतों पर भी जोर दिया।

सीओपी28 में एक ऐतिहासिक जलवायु समझौता हुआ है जिसमें जीवाश्म ईंधन का उपयोग चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और ऊर्जा प्राप्त करन के तरीके में बदलाव करने की अपील की गई है। सीओपी28 के समापन सत्र में पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि सम्मेलन के दौरान हुए सामूहिक प्रयासों ने पेरिस में निर्धारित तापमान लक्ष्यों को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करके दुनिया को सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, "आगे का रास्ता समानता और जलवायु न्याय पर आधारित होना चाहिए, आइए हम ग्लोबल स्टॉकटेक प्रक्रिया के माध्यम से पेरिस समझौते को अक्षरशः लागू करें"लगभग दो सप्ताह तक गहन बातचीत के बाद पहला ग्लोबल स्टॉकटेक समझौता हुआ है, जिसमें देशों से आग्रह किया गया है कि वे कोयले से बिजली बनाने को चरणबद्ध तरीके से कम करने के प्रयासों में तेजी लाएं। इससे पहले भारत और चीन ने कोयले के इस्तेमाल में कटौती का कड़ा विरोध किया था। ग्लोबल स्टॉकटेक से आशय उस प्रक्रिया से है जिसके तहत हम पता लगाते हैं कि वैश्विक स्तर पर देशों ने सामूहिक रूप से जलवायु कार्वाई के मोर्चे पर कितनी प्रगति की है। समापन सत्र में संबोधन के बाद यादव ने एक्स पर लिखा कि दुनिया दुबई में आयोजित सीओपी28 में एक साथ आई थी और यह एक हरित व स्वस्थ ग्रह के प्रति कार्य-उन्मुख दृष्टिकोण के लिए "सकारात्मक सहयोग और सौहार्द को दर्शाता है। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अपनी जी20 अध्यक्षता के माध्यम से, भारत ने जलवायु कार्वाई को एक सहयोगी प्रक्रिया बनाने का संकल्प प्रदर्शित किया, जिसमें कोई पीछे न रहे। सीओपी28 में, भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत में निहित उसी भावना को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार वैश्विक भलाई के लिए कार्रवाई करने को लेकर पेरिस समझौते में निहित मौलिक सिद्धांतों को दोहराते हुए सीओपी28 में हुए समझौते का समर्थन करते हैं।

मैं चाहता हूं कि रोम के बेसिलिक में मुझे दफनाया जाए, वैटिकन में नहीं: पोप

रोम। पोप फ्रांसिस का कहना है कि वह चाहते है कि उन्हे अन्य पोप की तरह वैटिकन की गुफाओ मे नही, बल्कि रोम के सेंट मैरी मेजर बेसिलिका (एक विशेष चर्च) मे दफनाया जाए। आम तौर पर पोप को उनके निधन के बाद वैटिकन मे दफनाया जाता रहा है। पोप फ्रांसिस रविवार को 87 वर्ष के हो गए। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताओ के बावजूद उन्होने इस साल इस्तीफा देने के बारे मे कभी नही सोचा। उन्होने कहा कि अगले साल उनकी बेल्जियम यात्रा तय है और पोलिनेशिया तथा अर्जेंटीना की यात्रा के बारे मे विचार किया जा रहा है। पोप फ्रांसिस ने मैक्सिको के प्रसारक टेलीविसा की समाचार सेवा एन प्लस से कहा, यह सच है कि सभी दौरो पर अब पुनर्विचार किया जा रहा है। यदि वे पास के क्षेत्र से जुड़े है, तो उन्हे किया जा सकता है। यदि वे ज्यादा दूर के क्षेत्र के है तो उन पर पुनर्विचार किया जाता है। कुछ सीमाएं है। पिछले दिनो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओ से जूझने के बाद यह फ्रांसिस का पहला साक्षात्कार था। बीमारी के कारण वह दुबई मे आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन मे भाग नही ले सके थे और उन्हे दुबई की यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। युवावस्था मे ही फ्रांसिस के फेफड़े के एक हिस्से की सर्जरी की गई थी। उन्होने कहा कि अब उनकी तबीयत ठीक है और वह बेहतर महसूस कर रहे है। पोप का पद जीवन भर के लिए होता है लेकिन फ्रांसिस ने इस्तीफे की संभावना की पुष्टि की और कहा कि उन्हे किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ सिलिकॉन आंध्र का होगा विस्तार

भाषा। मिलपिटास (अमेरिका)

अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी द्वारा संचालित अपनी तरह के पहले विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ सिलिकॉनआंध्र का विस्तार किया जाएगा। यह विश्वविद्यालय भारतीय नृत्यों और भाषाओं में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। अब विश्वविद्यालय अपने परिसर में विस्तार कर रहा है जहां एक मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय मानक का क्रिकेट स्टेडियम होगा और कृत्रिम मेधा जैसी उन्नत तकनीकों में नए पाठ्यक्रम की पेशकश की जाएगी।

अमेरिकी शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी ऑफ सिलिकॉनआंध्र का वर्तमान में मिलपिटास, कैलिफोर्निया में मुख्य परिसर है। वर्तमान में, यह विश्वविद्यालय छह मास्टर ऑफ आर्ट्स , पांच डिप्लोमा और पांच प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान करता है। भी इसमें 230 छात्र हैं, जो 2017 के बाद से हुई छात्रों की संख्या में अच्छी-खासी वृद्धि है। शुरुआत में इसमें 44 छात्र थे।

पाकिस्तान में नौ मई की हिंसा मामले में आम नागरिकों के खिलाफ सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाने की मंजूरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सैन्य अदालतों में आम नागरिकों के खिलाफ मुकदमा चलाने की बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही न्यायालय ने 23 अक्टूबर के सर्वसम्मति से लिए गए अपने उस फैसले पर सशर्त रोक लगा दी, जिसमें उसने अधिकारियों को नौ मई की हिंसा में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों के मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में करने का आदेश दिया था। न्यायालय की छह सदस्यीय पीठ ने अपने पिछले आदेश को चुनौती देने वाली इंट्रा-कोर्ट अपील (आईसीए) की याचिका पर 5-। के बहुमत के साथ यह फैसला सुनाया। पीठ में शामिल एकमात्र महिला न्यायाधीश मुसर्त हिलाली ने इससे असहमति जताई। सुनवाई के दौरान, अटॉर्नी जनरल मंसूर अवान ने अदालत से आरोपियों के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमे फिर से शुरू करने की सशर्त अनुमति मांगी। शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए अनुमति प्रदान की। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि सैन्य अदालतें संदिग्ध लोगों के खिलाफ अंतिम फैसला नहीं सुनाएंगी। अदालत ने कहा कि अंतिम फैसला उच्चतम न्यायालय के आदेश पर आधारित होगा। उल्लेखनीय है कि 23 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने फैसला सुनाया था कि नौ मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में कथित भूमिका के लिए आम नागरिकों पर सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाना संविधान के दायरे में नहीं आता। कार्यवाहक संघीय सरकार के साथ-साथ बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत की सरकारों और रक्षा मंत्रालय ने इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के समक्ष इंट्रा-कोर्ट अपील (आईसीए) दायर की थी। उच्चतम न्यायालय के ताजा फैसले के बाद सैन्य अधिकारियों को नौ मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों में शामिल सौ से अधिक नागरिकों पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिल गई है।

कीव पर रूस के मिसाइल हमले में 50 से अधिक लोग घायल

यूक्रेन ने और मदद की गुहार लगाई

भाषा। कीव

यूक्रेन की राजधानी कीव पर बुधवार रात रूस ने कई बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया जिसमें आठ बच्चों समेत कम से कम 53 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।इसी बीच, अमेरिका से किसी नई सहायता का वादा नहीं मिलने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति अपने देश के वास्ते और अंतरराष्ट्रीय सैन्य मदद जुटाने के लिए स्कैंडिनेविया पहुंचे। कीव में रात तीन बजे एक के बाद एक कई धमाके सुनाई दिए और इस सप्ताह दूसरी बार शहर की वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय किया गया।यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने राजधानी पर 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और रक्षा प्रणाली ने सारी मिसाइलें ध्वस्त कर दीं। राजधानी कीव पर यह हमला पिछले 21 महीने से चल रही लड़ाई में यूक्रेन पर क्रेमलिन के मिसाइल भंडार से लगातार खतरा जारी रहने को दर्शाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने हाल में अपने आकलन में कहा था कि हाल के महीनों में रूस हवा में दागी जा सकने वाली क्रूज मिसाइलों का भंडारण कर रहा है जिन्हें वह अपने बम वर्षक विमानों से दागेगा। इससे यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर इस सर्दी में भी भारी बमबारी की आशंका है। पिछले साल रूस ने इसी सीजन में ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया था और यूक्रेनवासियों को उष्मा, प्रकाश और पानी से वंचित करके उनकी हिम्मत तोड़ने की कोशिश की थी।यूक्रेन में वायु रक्षा हथियारों की घटती आपूर्ति के बीच राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी सांसदों को यूक्रेन के लिए 61.4 अरब डॉलर की सहायता संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अनुरोध पर राजी करने के लिए मंगलवार को वाशिंगटन गए थे लेकिन उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी थी।जेलेंस्की बुधवार को ओस्लो में नॉर्डिक नेताओं से मिले जो रूस से आसन्न खतरे को महसूस करते हैं। ए नेता कीव के कट्टर समर्थक हैं। डेनमार्क, आइसलैंड, नार्वे, फिनलैंड और स्वीडेन के वरिष्ठ नेताओं ने एक बयान में कहा, रूस विभाजन का फायदा उठाना चाहता है।

सिफर मामले मे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके सहयोगी कुरैशी अभ्यारोपित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की विशेष अदालत ने गोपनीय दस्तावेज लीक करने और देश के कानूनों का उल्लंघन करने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके सहयोगी व पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को बुधवार को अभ्यारोपित किया। इसे सिफर मामले के तौर पर भी जाना जाता है। न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने मामले की सुनवाई रावलपिंडी की अडियाला जेल में की, जहां दोनों नेताओं को बंद किया गया है। न्यायाधीश ने दोनों नेताओं की मौजूदगी में उनके खिलाफ आरोपों को पढ़ा,लेकिन दोनों ने खुद को बेगुनाह बताया। यह दूसरी बार है जब उन पर आरोप तय किए गए हैं। इससे पहले, उन्हें 23 अक्टूबर को अभ्यारोपित किया गया था लेकिन इस प्रक्रिया को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। न्यायाधीश जुल्करनैन ने चार दिसंबर को मामले की सुनवाई करते हुए घोषणा की थी।

भारत ने गाजा में युद्ध विराम के मांग प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किए गए उस मसौदा प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया जिसमें मानवीय मदद सुनिश्चित करने और सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई के लिए इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध को रोकने की मांग की गई है। महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र में मिस्र द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को मंगलवार को अभूतपूर्व समर्थन से पारित किया गया। वैश्विक निकाय के 193 सदस्यों में से 153 सदस्यों ने प्रस्ताव के समर्थन में और 10 सदस्य देशों ने इसके विरोध में मतदान किया जबकि 23 अन्य सदस्य अनुपस्थित रहे। अल्जीरिया, बहरीन, इराक, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और फलस्तीन भी इस प्रस्ताव के प्रायोजकों में शामिल रहे। इस प्रस्ताव में गाजा में मानवीय मदद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई। इस प्रस्ताव में यह मांग दोहराई गई कि सभी पक्ष विशेष रूप से नागरिकों की सुरक्षा के संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करें।प्रस्ताव में सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के साथ-साथ मानवीय मदद की आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। प्रस्ताव में हमास का नाम नहीं लिया गया और अमेरिका ने मसौदा प्रस्ताव में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया। उसने मुख्य पाठ में यह पैरा शामिल किए जाने का अनुरोध किया कि सात अक्टूबर 2023 से इजराइल में हुए हमास केजघन्य आतंकवादी हमलों और लोगों को बंधक बनाए जाने की स्पष्ट रूप से निंदा की जाती ह जघन्य आतंकवादी हमलों और लोगों को बंधक बनाए जाने की स्पष्ट रूप से निंदा की जाती है और इन्हें खारिज किया जाता है। भारत ने इस संशोधन के पक्ष में मतदान किया था। इससे पहले महासभा में 27 अक्टूबर को पेश प्रस्ताव में मानवीय आधार पर तत्काल युद्ध विराम और गाजा पट्टी में निर्बाध मानवीय पहुंच का आह्वान किया गया था। उस समय प्रस्ताव के समर्थन में 120 और विरोध में 14 मत पड़े थे तथा 45 देश अनुपस्थित रहे थे। भारत उस समय मतदान से दूर रहा था। अमेरिका ने गाजा में मानवीय आधार पर तत्काल युद्ध विराम की मांग कर रहे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लगभग सभी सदस्यों और कई अन्य देशों द्वारा समर्थित प्रस्ताव के खिलाफ विश्व निकाय में शुक्रवार को वीटो का इस्तेमाल किया था। संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में 13 वोट पड़े थे और एक मत विरोध में पड़ा था। ब्रिटेन मतदान से दूर रहा।

सीमा पर गाजा पट्टी में घुसने की तैयारी करते इजराइल के सैनिक। यहां आतंकी संगठन हमास के साथ सीधा युद्ध चल रहा है

अमेरिका ने भारत के साथ रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में प्रगति की है: पेंटागन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बहुत प्रगति की है और पेंटागन को 2024 में दोनों देशों के सैन्य संबंधों में और प्रगति होने की उम्मीद है।

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जानते हैं कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों के संदर्भ में विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय के संदर्भ में, मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छा वर्ष रहा है। मुझे लगता है कि हमने अपने रिश्ते एवं सहयोग को और मजबूत करने के मामले में बहुत प्रगति की है। उन्होंने मंगलवार को एक प्रश्न के उत्तर में कहा, आपने हमें इंडस-एक्स (भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र) जैसी चीजों के बारे में बात करते हुए सुना है। राइडर ने कहा कि अमेरिका भारत में जेट इंजन जैसी चीजों को विकसित करने और बख्तरबंद वाहनों के उत्पादन के लिए सहयोगात्मक

रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, यह सब एक स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने के साझा दृष्टिकोण की दिशा में किया जा रहा है, जहां संप्रभुता का सम्मान किया जाता है और देश अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में काम कर सकते हैं, वे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र रूप से और बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकते हैं। हम अपने साझेदार भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हम 2024 में और प्रगति होने की आशा करते हैं।

अनुच्छेद 370 पर भारत के उच्चतम न्यायालय के फैसले से कश्मीर मुद्दा और जटिल हो जाएगा: इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के भारत सरकार के फैसले की वैधता को वहां के उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखे जाने से कश्मीर मुद्दा और जटिल हो जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के केंद्र सरकार के अगस्त 2019 के फैसले को सोमवार को सर्वसम्मति से बरकरार रखा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खान ने एक संदेश में कहा कि भारतीय शीर्ष अदालत का फैसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का सरासर उल्लंघन है। खान रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इसमें कहा गया है, खान ने स्पष्ट किया है कि भारतीय शीर्ष अदालत का विवादास्पद और गैरकानूनी फैसला दशकों पुराने संघर्ष को हल करने में मदद करने के बजाय कश्मीर मुद्दे को और जटिल बना देगा। खान ने संकल्प लिया कि उनकी पार्टी कश्मीरी लोगों को पूर्ण राजनयिक, नैतिक और राजनीतिक समर्थन देना जारी रखेगी। खान ने कहा कि कश्मीर मुद्दा पाकिस्तान और भारत के बीच विवाद का मुख्य कारण है।

ग्लोबल साउथ में एआई कैसे काम कर सकता है इसे तय करने में भारत का अद्वितीय स्थान: गिल

न्यूयॉर्क। प्रौद्योगिकी संबंधी मामलों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के दूत अमनदीप सिंह गिल ने कहा है कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में बड़े पैमाने पर सफल अनुभव के मद्देनजर यह तय करने में भारत का एक अलग सुविधाजनक स्थान है कि ग्लोबल साउथ में कृत्रिम मेधा की क्या भूमिका हो सकती है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। गिल ने यहां एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा कि संभावित जोखिमों और चुनौतियों से निपटने के क्षेत्र में भारत का अनुभव भी विश्व के लिए लाभकारी होगा।

यमन के विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्र से दागी गई मिसाइलें भारत से ईंधन ले जा रहे पोत के पास गिरीं

दुबई। यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्र से दागी गईं दो मिसाइलें बुधवार को बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास भारत से जेट ईंधन ले जा रहे एक वाणिज्यिक टैंकर के नजदीक आकर गिरीं। एक अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब उन्होंने ईंधन लेकर स्वेज नहर की ओर बढ़ रहे किसी पोत को निशाना बनाया गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय अमेरिकी युद्ध पोत ने हूती के संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया, जो उसकी ओर आ रहा था। उन्होंने बताया कि हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ। एर्डमोर एनकाउंटर नामक टैंकर पर हमला यह दिखाता है कि ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के करीब जहाजों को निशाना बनाने के अभियान में और तेजी आई है। इसने गाजा पट्टी में इजराइल-हमास जंग के अंतरराष्ट्रीय प्रभावों को भी व्यापक कर दिया है। उपग्रह से प्राप्त डेटा का द एसोसिएटिड प्रेस द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, टैंकर पर मार्शल द्वीपसमूह का ध्वज लगा था और यह लाल सागर में स्वेज नहर की ओर जा रहा था। पोत द्वारा दिए गए डेटा के मुताबिक, यह टैंकर कर्नाटक में मंगलुरू से रवाना हुआ था और इसमें सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों समेत चालक दल के अन्य सदस्य सवार हैं। निजी गुप्तचर कंपनी एमब्रे ने बताया कि पोत पर चढ़ने की कोशिश कर रहे नौका सवार व्यक्तियों को खदेड़ने के लिए सुरक्षा कर्मियों ने गोलीबारी भी की। पोत का संचालन करने वाली एर्डमोर शिपिंग कॉर्पोरेशन ने एपी को जारी एक बयान में टैंकर पर हमला होने की बात स्वीकार की है। बयान में कहा गया है कि पोत पर सवार सभी लोग सुरक्षित हैं और टैंकर भी पूरी तरह से संचालित हो रहा है और उसमें सवार ईंधन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। टैंकर में शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विस का जेट ईंधन भरा हुआ है। एर्डमोर शिपिंग ने कहा कि ईंधन या तो नीदरलैंड के रॉटरडैम या स्वीडन के गैवले की ओर जा रहा था। शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पश्चिम एशिया में नाविकों को चेतावनी देने वली ब्रिटिश सेना की यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने पहले अमन के अपतटीय क्षेत्र में एक और घटना की सूचना दी थी। उसने कहा था कि छोटी नौकाओं पर सवार मशीन गन से लैस व्यक्तियों ने एक पोत का पीछ किया लेकिन बाद में वे भाग गए।

सार्वजनिक सूचना

श्री एरिन डीसूजा पुत्र श्री जॉनी डीसूजा निवासी ए-357ए, ब्लॉक-ए, पालम विहार गुडगांव-122001 एवं सुश्री योशिता शर्मा पुत्री श्री नीरज शर्मा निवासी एल-49, सेक्टर-11, नोएडा, गौतमबुद्ध ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह करने हेतु आवेदन किया है।
इस संबंध में आपत्तिधारी व्यक्ति अपनी आपत्ति/आपत्तियों अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 05.01.2024 तक किसी भी कार्य दिवस मे प्रस्तुत कर सकता हैं।
हस्ता/-
प्र0 नगर मजिस्ट्रेट/
विशेष विवाह अधिकारी
गौतमबुद्धनगर

सार्वजनिक सूचना

श्री पवन सिंह बिष्ट पुत्र स्व श्री डी0एस0डी बिष्ट निवासी मकान नं0-800 अरुण विहार, निकट लाल गार्डेट, सेक्टर-37 नोएडा गौतमबुद्धनगर एवं सुश्री कल्याणी राजेश गुले पुत्री श्री राजेश रामकृष्णन गुले निवासी प्लॉट नं0-09 रिंग रोड, निकट सुरेश ट्रेडर्स, गणेश कालोनी, भूसावाल जलगांव महाराष्ट्र-425201 ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह करने हेतु आवेदन किया है।
इस संबंध में आपत्तिधारी व्यक्ति अपनी आपत्ति/आपत्तियाँ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 10.01.2024 तक किसी भी कार्य दिवस मे प्रस्तुत कर सकता हैं।
हस्ता/-
प्र0 नगर मजिस्ट्रेट/
विशेष विवाह अधिकारी
गौतमबुद्धनगर

PUBLIC NOTICE

To, be known to all that my client, **SHRI SABHYASACHI PURKAIT S/O SHRI SUSHIL KUMAR PURKAIT R/O 306, EXPRESS APARTMENT, PLOT NO.17, SECTOR-4, VAISHALI, I.E. SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201010,** is the owner of DDA MIG FLAT NO.33, ON FIRST + SECOND FLOOR, SITUATED AT SHEIKH SARAI, NEW DELHI-110017, VIDE DDA FILE NO. F.40(82)75/HB. The original documents i.e. Original **DEMAND LETTER, POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER & ELECTRICITY CONNECTION and SITE POSSESSION SLIP** of the above said property have been lost or misplaced by my client and is not traceable inspite of his best efforts. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged in the Police Station, Crime Branch, Delhi **(LR No. 1221725/2023 dated 11.12.2023).** Any person(s) claiming any rights, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, within 15 days from the objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (LAB Housing) MIG or Director (Housing), Vikas Sadan, New Delhi. **Naveen Aggarwal (Advocate)**
Ch.No. M-7, Near SBI, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mrs. Malti Rathore** is the owner of Property No. 109, area measuring 100 sq. yds. 83.61 sq. mtrs., Part of Khasra No. 14/177, situated at Rani Laxmi Bhai Nagar Colony, Village Dundahera, Pargana Loni, Distt. Ghaziabad, U.P. acquired the same from Mr. Ravinder Singh Sisodia vide Sale Deed dated 30.05.2008 registered as Document No. 3001, at SRO-Ghaziabad-I; and intend to mortgage against the financial assistance from **Unity Small Finance Bank Ltd** That That Original Sale Deed dated 27.08.1991 executed Mr. Eccharam, Mr. Liladhar & Mr. Chaman Singh in favour of Mr. Ravinder Singh Sisodia, duly registered vide Doc. No. 11496, on 27.08.1991, at SRO- Ghaziabad; is Lost/Misplaced/Not available an online Lost Report vide LR NO. 1096359/2023, dated 02.11.2023 has been lodged by Mrs. Malti Rathore in this regard. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **7 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **Lucem Legal LLP**
Plot No.136, (Basement) Uday Park, New Delhi-110049,Contact # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

It is informed to all that, Mr. Kamal Prakash Soni s/o Sh. Ram Avtar Soni R/o C-35 Devli Road Khanpur Duggal Colony, Pushpa bhawan, S.O South Delhi-110062 is the owner of property situated at First Floor with ½ rear rights, E 28, Malviya Nagar Extn, Saket, New Delhi. Related with above property the prior chain sale deed dated 18.10.2003 vide Doc no 9390 in favor of Sh. Varinder Prakash S/o Late Sh. M.R. Prabhakar executed by Smt. Asha Prakash w/o Sh. Varinder Prakash has been misplaced and not found even after many efforts. The FIR has been lodged dated 30.11.2023 for the same in the E police station.
The firm M/s Prabhu Dayal Jewellers has taken credit facility from Axis Bank Limited , Delhi on this property. If someone has possession or any objection then he can contact Mr. Arun Kumar Shukla (Contact No - 9312400295) within 15 days from this publication.
(ARUN KUMAR SHUKLA (Advocate)
Off.: 111-112, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi-110001

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री प्रेम चंद भारती उर्फ श्री प्रेम चंद पुत्र स्वर्गीय श्री धरम पाल सिंह 'डीडीए निर्मित फ्रीहोल्ड संपत्ति फ्लैट नंबर 2108, भूतल, श्रेणी-जनता, नंद नगरी आवासीय योजना, नंद नगरी, जी.टी.बी. एन्क्लेव, नई दिल्ली-110093 के कब्जा का 'स्वामित्व धारक' है। इसके बाद हस्तांतरण विलेख दिनांक 02.05.2014 के माध्यम से, इसे 'अनुसूची संपत्ति' के रुप में संदर्भित किया गया है, पंजीकरण सं. 6620, पुस्तक सं.1, खंड सं. 5166, पृष्ठ सं 145-147 दिनांक 02.05.2014 को उप रजिस्ट्रार-VII, विकास सदन, नई दिल्ली के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है। 'अनुसूची संपत्ति' वर्तमान में पीरामल फाइनेंस के पास गिरवी है, जिसमें 'स्वामित्व धारक' बंधकर्ता है। कि (i) आवंटन सह मांग पत्र दिनांक 12.02.1983, (ii) कब्जा प्रस्ताव पत्र दिनांक 15.07.1983 और (iii) कब्जा पर्ची दिनांक 29.07.1983, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अनुसूची संपत्ति के लिए जारी किए गए सभी वर्तमान में लेमिनेटेड हैं। और इस प्रकार, उन्हें खोए हुए/गुम हुए/नष्ट हुए मूल दस्तावेजों के रुप में माना जाएगा, जिसकी सूचना दिनांक 09.12.2023 को दिल्ली पुलिस को दिया गया है जिसका एलआर नंबर 1217796/2023 है। इसलिए, यह सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त दस्तावेजों की प्रकृति की घोषणा की जाती है, यानी स्वामित्व, उत्तराधिकार, विरासत के माध्यम से अनुसूची संपत्ति में दावा, अधिकार, शीर्षक, हित, कब्जा इत्यादि। बिक्री, बंधक (यहां ऊपर उल्लिखित बातों को छोड़कर), विनिमय, शुल्क, ग्रहणाधिकार, उपहार, ट्रस्ट, ऋणभार आदि। या स्वामित्व धारक द्वारा अनुसूची संपत्ति की बिक्री पर किसी भी व्यक्ति, कंपनी, प्राधिकरण, सोसायटी, संगठन, वित्तीय संस्थान, बैंक, एचसूएफ आदि को आपत्ति है तो सहायक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए और/या इस प्रकाशन की दिनांक से 10 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सौंप दिया जाना चाहिए, जिसकी समाप्ति के बाद, कोई भी दावा या आपत्ति, यदि उठाया या प्राप्त किया जाता है, तो उसे अमान्य शून्य माना जाएगा और माफ कर दिया जाएगा, और स्वामित्व धारक पीरामल फाइनेंस की अनापत्ति के अधीन अनुसूची संपत्ति को बेचने के लिए आगे बढ़ेगा। जो वर्तमान में इरादा है।
प्रवेश कुमार (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता: 27, बेसमेंट, श्रेष्ठ विहार, दिल्ली-92
चैंबर का पता: 363, साकेत कैंट, नई दिल्ली
मोबाइल नंबर: 9999228185

केरल में राज्यपाल और सरकार के बीच जुबानी जंग जारी

● पिनराई विजयन ने आरिफ मो. खान को बताया अवसरवादी

भाषा। नई दिल्ली/कोट्टायम (केरल)

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान तथा वाम सरकार के बीच चल रही जुबानी जंग बुधवार को और तेज हो गई। एक तरफ राज्यपाल खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और मंत्रियों पर आरोप लगाया कि उन्हें कोई शर्म नहीं है , वहीं दूसरी तरफ विजयन ने खान पर अतीत में अवसरवादी होने का आरोप लगाया। विजयन ने कहा कि राज्यपाल को राज्यपाल की तरह काम करना चाहिए और उन्हें यह नहीं सोचना कि वह कुछ भी कर सकते हैं या फिर जो महसूस करते हैं तो वह कह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें (राज्यपाल) सिर्फ वही करना चाहिए, जिसकी संविधान के अंतर्गत उनके कार्यालय को मंजूरी दी गई है। वह जिस पद पर हैं, उसके महत्व को कम न करें। यह अच्छा होगा अगर आरिफ मोहम्मद खान एक व्यक्ति के रूप में इसे समझें और उसके मुताबिक काम करें।

राज्यपाल की तीखे शब्दों में आलोचना करते हुए विजयन ने कहा कि अगर खान के राजनीतिक इतिहास को देखा जाए तो बहुत से लोग उन्हें अवसरवादी कहने में नहीं हिचकेंगे। राज्य के कोट्टायम जिले में नव केरल सदास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयन ने कहा, जो लोग अवसरवादी हैं वे कुछ भी कर सकते हैं, यह हमारे देश का अनुभव है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि इसे केरल में दोहराने का प्रयास न करें। राज्यपाल के वाहन पर हाल में कथित रूप से एसएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किए जाने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर खान केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन के निर्देशों पर काम कर रहे हैं तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि अब तक जो हुआ है, उससे कहीं अधिक वह देखेंगे। उन्होंने कहा, राज्यपाल को राज्यपाल की तरह काम करना चाहिए। उन्हें इस तरह काम नहीं करना चाहिए कि वह किसी को डरा सकते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि इस तरह के हथकंडे केरल में काम नहीं करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि उनके पास कोई बड़ी शक्ति है और वह कुछ भी कर सकते हैं। इससे पहले दिन में खान ने मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उन्हें कोई शर्म नहीं है।

राज्यपाल खान राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों की सीनेट में उनके द्वारा किए गए मनोनयन पर वाम सरकार के मंत्रियों की ओर से उनकी कथित आलोचना का जिक्र कर रहे थे। खान राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, उन्हें इसकी चिंता क्यों है कि मैं सीनेट के लिए किसे नामित करता हूं? मुख्यमंत्री और मंत्रियों को तनिक भी शर्म नहीं है। राज्य के वित्त मंत्री आए और एक व्यक्ति को नामित करने का मुझसे अनुरोध किया। उन्होंने कहा, इन लोगों (मुख्यमंत्री और मंत्रियों) को किस प्रकार पता चला कि जिन लोगों को मैंने नामित किया है, वे कुलपति द्वारा अनुशंसित सूची से भिन्न थे? उन्होंने (मुख्यमंत्री और मंत्रियों) नामित व्यक्तियों की सूची कुलपति को दी थी ताकि वह सिफारिश मुझसे करें।

खान ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में जांच के आदेश दिए हैं और अगर यह पाया गया कि कुलपति मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित नामों की सिफारिश कर रहे थे, तो मैं उन कुलपतियों के खिलाफ कार्वाई करूंगा। राज्यपाल ने कहा, कोई मुझे किसी को नामित करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। अगर मेरे पास अधिकार है, तो मैं अपने विवेक का इस्तेमाल करूंगा। मैं आपको (मीडिया को) यह बताने के लिए बाध्य नहीं हूं कि मैंने किस प्रकार अपने विवेक का इस्तेमाल किया। यह जिक्र किए जाने पर कि केरल उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में उनके द्वारा केरल विश्वविद्यालय की सीनेट में चार छात्रों के मनोनयन पर रोक लगा दी है, खान ने कहा कि उन्हें इसकी वजह की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने मनोनयन पर रोक लगाते हुए इस बारे में कुछ नहीं कहा।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र इकाई स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार रात उनके वाहन पर कथित तौर पर हमला किए जाने की घटना को लेकर खान ने सवाल किया कि विरोध के नाम पर सरकारी संपत्ति को कैसे नुकसान पहुंचाया जा सकता है। जब संवाददाताओं ने कहा कि हमले के बाद केरल सरकार के कुछ मंत्रियों ने उनके (खान के) कदमों की आलोचना की थी और कथित तौर पर उन्हें गुंडा कहा था, तो राज्यपाल ने कहा कि यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है।

मंत्रियों-पी राजीव, ए के ससीन्द्रन और पी ए मोहम्मद रियास ने खान पर निशाना साधते हुए एसएफआई का समर्थन किया था। खान ने कहा, वे (मंत्री) अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं। हर किसी ने देखा कि मेरी कार पर हमला किया गया। मैं किसी पर हमला नहीं कर रहा हूं। लेकिन उनके लिए, उनकी राजनीतिक नैतिकता है। अगर वे ऐसा कह रहे हैं, तो वे अपने व्यक्तित्व और चरित्र की चर्चा कर रहे हैं। यह उनकी मानसिकता, उनका मानसिक स्तर है।

सांसद साहू से जुड़े परिसरों में अत्याधुनिक उपकरणों से तलाशी ले रहा आयकर विभाग

भाषा। रांची

झारखंड से कांग्रेस के सांसद धीरज प्रसाद साहू के परिवार की कंपनी के परिसरों से 350 करोड़ रुपए और तीन किलोग्राम सोना जब्त करने के बाद आयकर विभाग संभवत: गाड़ कर रखी गई कीमती वस्तुएं बरामद करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आयकर विभाग की टीम झारखंड के रांची और लोहरदगा में साहू के मकानों में भू निगरानी प्रणाली का उपयोग कर रही हैं। एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा, उन्हें काफी नकदी मिली है। विभाग अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, इसलिए आप किसी भी खोज में नवीनतम उपलब्ध तकनीक के उपयोग की उम्मीद कर सकते हैं।

भू-निगरानी प्रणाली का उपयोग करके जमीन के नीचे छिपे सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान का पता लगाया जा सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि ओडिशा और झारखंड में पंजीकृत वाहनों में सवार होकर पहुंचीं आईटी कई टीम रांची और लोहरदगा में राज्यसभा सदस्य से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही हैं। साहू से संपर्क नहीं हो पाया है जबकि दिल्ली में उनके कार्यालय के कर्मचारियों ने कहा कि वह पिछले तीन दिन से उनके संपर्क में नहीं हैं। साहू के परिवार के स्वामित्व वाली ओडिशा स्थित डिस्टिलरी कंपनी पर आयकर विभाग की हालिया छापेमारी में 350 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और तीन किलोग्राम सोना जब्त किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि यह देश में किसी भी जांच एजेंसी द्वारा की गई कार्वाई में बरामद हुई अब तक की सबस बड़ी धनराशि है। ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 30 से अधिक परिसरों की तलाशी ली गई है।

भोपाल में नई सरकार के शपथग्रहण समारोह में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह

आधार सेवाओं के लिए अधिक शुल्कलेने पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाता हैः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को सूचित किया कि आधार सेवाओं के लिए अधिक शुल्क वसूलने वाले किसी भी ऑपरेटर को निलंबित कर दिया जाता है और उसे नियुक्त करने वाले पंजीयक पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सभी आधार ऑपरेटर को बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय विवरण अद्यतन किए जाने सहित विभिन्न आधार सेवाओं के लिए अधिक शुल्क न वसूलने का निर्देश दे रखा है। चंद्रशेखर ने कहा, हालांकि, अगर अधिक वसूली की कोई रिपोर्ट प्राप्त होती है, तो उसकी जांच की जाती है और यदि यह साबित हो जाता है, तो संबंधित नामांकन पंजीयक पर 50,000 रुपए का वित्तीय जुर्माना लगाया जाता है और ऑपरेटर को निलंबित कर दिया जाता है।

पराली जलाने की घटनाएं बंद होनी चाहिए

● कहा, प्रदूषण रोकने के लिए न्यायिक निगरानी जरूरी

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली पराली जलाने की घटनाएं बंद होनी चाहिए। अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित किया कि लोग ऐसा न करें क्योंकि हर साल सर्दियों के मौसम में इसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। पराली जलाने की घटनाओं को गंभीर बताते हुए न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने संबंधित राज्य सरकारों को प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

हर साल सर्दियों के दौरान दिल्ली-एनसीआर को परेशान करने वाले गंभीर वायु प्रदूषण से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत ने कहा, आइए हम कम से कम अगली सर्दियों को थोड़ा बेहतर बनाने का प्रयास करें। पीठ ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में समिति की कई बैठकें हुईं और इसने इस मुद्दे से निपटने के लिए पंजाब और हरियाणा सहित राज्यों के लिए कार्य योजना तैयार की है। पीठ ने कहा कि संबंधित राज्यों को कार्य योजनाओं को लागू करना होगा और दो महीने के भीतर अदालत के समक्ष प्रगति रिपोर्ट जमा करनी होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा, हम राज्य सरकारों को निर्देश के संबंध में कदम उठाने और आज से दो महीने के भीतर इस अदालत को प्रगति रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा कि अन्य प्राधिकार भी कार्य योजनाओं को विधिवत लागू करेंगे और अदालत में रिपोर्ट पेश करेंगे। पंजाब के वकील ने कहा कि राज्य ने छह दिसंबर को एक हलफनामा दाखिल किया जिसमें पराली जलाने के लिए जिम्मेदार लोगों से पर्यावरणीय मुआवजे की वसूली के बारे में विवरण भी शामिल है।

वकील ने 21 नवंबर को पिछली सुनवाई में अदालत को बताया था कि उल्लंघन करने वालों को कुल 2 करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति राशि के रूप में देने को कहा गया है। पीठ ने कहा, वसूली गई राशि अभी भी (लगाए गए जुर्माने का) लगभग 53 प्रतिशत ही है। वसूली में तेजी लाई जानी चाहिए। इस दावे पर कि 15 सितंबर से 30 नवंबर, 2023 के बीच खेतों में आग लगने की घटनाएं पहले की तुलना में कम हुई हैं, अदालत ने कहा, मुद्दा यह है कि खेतों में पराली जलाने के मामले गंभीर हैं और इसे रोकना चाहिए।

लोकसभा में कूदने वाले व्यक्ति के पिता ने कहा अगर मेरे बेटे ने गलत किया है तो उसे फांसी दे दो

मैसूरु। संसद में सुरक्षा चूक के एक बड़े मामले में लोकसभा कक्ष में कूदने वाले दो व्यक्तियों में से एक के पिता ने कहा कि अगर मेरे बेटे ने गलत किया है तो उसे फांसी दे दो। संसद में कूदकर अफरातफरी मचाने वाले मनोरंजन डी. के पिता देवराज गौड़ा ने दावा किया कि उनका बेटा ईमानदार और सच्चा है तथा हमेशा समाज के लिए अच्छा करना चाहता है। गौड़ा ने संवाददाताओं से कहा, अगर मेरा बेटा अच्छा करता है तो ठीक है लेकिन अगर उसने कुछ गलत किया है तो उसे फांसी दे दो। (अगर उसने गलत किया है) वह मेरा बेटा नहीं है। वह संसद हमारी है। आप जैसे लोगों ने ही इसे बनाया है। इसे बनाने में महात्मा गांधी, नेहरू जैसे नेताओं ने कड़ी मेहनत की थी। जो कोई भी यह (हमला) करता है वह निंदनीय है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा बेटा एक अच्छा लड़का है। वह ईमानदार और सच्चा है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने पीएफआई के दो पदाधिकारियों को दी जमानत

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने के आरोपी पीएफआई के दो कथित पदाधिकारियों को मंगलवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एस.एस. सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कथित तौर पर जुड़े आर. उमर शरीफ उर्फ उमर जूस और मोहम्मद सिगम को जमानत प्रदान की। सिगम ने पिछले साल नवंबर में आत्मसमर्पण कर दिया था जबकि शरीफ को एक महीने बाद मामले में गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय ने दोनों आरोपियों को जमानत देने से इनकार संबंधी विशेष अदालत के आदेशों को रद्द कर दिया। पीठ ने एक-एक लाख रुपए के बांड और इतनी ही राशि की दो जमानतों के भुगतान और जेल से रिहाई के बाद यहां रहने समेत विभिन्न शर्तों पर जमानत प्रदान की।

गुजरात से आप विधायक भूपेंद्र भयानी ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया, भाजपा में होंगे शामिल

अहमदाबाद। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक भूपेंद्र भयानी ने बुधवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा करने के लिए आप सही मंच नहीं था। इस घटनाक्रम को आप के लिए एक झटका माना जा रहा है। भयानी राज्य विधानसभा में जूनागढ़ के विसावडर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि विधायक भयानी ने गांधीनगर में सुबह गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी को अपना इस्तीफा सौंपा। गुजरात विधानसभा के सचिव डी एम पटेल ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष ने भयानी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इस्तीफा देने के बाद भयानी ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाले आप से भी इस्तीफा दे दिया है और वह जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। भयानी पिछले साल विधानसभा चुनाव में चुने गए आप के पांच विधायकों में से एक थे। इस चुनाव में 182 सदस्ईय विधानसभा में भाजपा ने 156 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया था। यह पहली बार था जब आप ने राज्य विधानसभा चुनाव में कोई सीट हासिल की थी। भयानी ने दावा किया कि आप लोगों की सेवा करने का सही मंच नहीं है। उन्होंने कहा, मैं एक राष्ट्रवादी व्यक्ति हूं जो विकास और लोगों की सेवा में विश्वास करता है। आम आदमी पार्टी मेरे क्षेत्र के लोगों की सेवा करने के लिए सही मंच नहीं था। कोई भी राष्ट्रवादी आप में लंबे समय तक नहीं रह सकता।

पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले आप में शामिल होने से पहले जूनागढ़ के भेसन गांव के सरपंच रहे भयानी ने कहा, इसके अलावा, मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना पसंद नहीं था, जो हमारे गौरव हैं और जिन्होंने दुनिया भर में भारत को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा, मैं जल्द ही भाजपा में शामिल हो जाऊंगा क्योंकि मैं मूल रूप से उस पार्टी से हूं और विधायक बनने से पहले करीब 22 साल तक इसके लिए काम किया था। अगर केंद्रीय नेतृत्व चाहेगा तो मैं उपचुनाव लड़ूंगा। मुझ पर पद छोड़ने का कोई दबाव नहीं था (जैसा कि आप नेताओं ने दावा किया है)। आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने दावा किया कि भयानी को भाजपा ने प्रताड़ित किया और आप विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। भाजपा शुरू से ही आप को तोड़ने की कोशिश कर रही है। पिछले साल चुनाव के तुरंत बाद सत्तारूढ़ भाजपा ने भयानी से संपर्क किया था और उनसे पाला बदलने को कहा था। भाजपा ने दावा किया था कि आप के दो अन्य विधायक भी तैयार हैं और अगर पांच में से तीन विधायक पाला बदल लेते हैं तो दलबदल विरोधी कानून लागू नहीं होगा।

संसद के बाहर गिरफ्तार युवक ने माता-पिता से सेना की भर्ती के लिए दिल्ली जाने की बात कही थीः पुलिस

मुंबई। संसद भवन के बाहर बुधवार को विरोध-प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए अमोल शिंदे ने महाराष्ट्र के लातूर जिले में अपने परिवार से कहा था कि वह सेना के भर्ती अभियान में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली जा रहा है। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन करने वाले दो लोगों की पहचान हरियाणा के जींद जिले के गांव घासोखुर्द निवासी नीलम (42) और महाराष्ट्र के लातूर स्थित चाकुर तहसील के जरी गांव निवासी अमोल शिंदे (25) के रूप में हुई है। संसद भवन के बाहर गैस का केन खोलकर धुआं फैलाने वाले दोनों लोगों ने तानाशाही नहीं चलेगी , भारत माता की जय और जय भीम, जय भारत जैसे नारे लगाए। दिल्ली में हुई घटना के बाद लातूर पुलिस की टीम शिंदे के घर पहुंची। चाकुर के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिंदे अनुसूचित जाति समुदाय से है और स्नातक है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शिंदे ने पुलिस और सेना की भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के दौरान दिहाड़ी मजदूर के रूप में भी काम किया था। शिंदे के दो भाई और माता-पिता भी दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। माता-पिता ने पुलिस को बताया कि अमोल नौ दिसंबर को यह कहकर घर से निकला था कि वह सेना की भर्ती के लिए दिल्ली जा रहा है। चूंकि उसने पहले भी ऐसे भर्ती अभियानों में हिस्सा लिया था, इसलिए उसके माता-पिता को यह असामान्य नहीं लगा।

उमर अब्दुल्ला अपनी पत्नी पर लगाए गए आरोप साबित नही कर पाएः अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला द्वारा अलग रह रही पत्नी पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें क्रूरता और परित्याग का आरोप भी शामिल है। साथ ही अदालत ने अब्दुल्ला को विशेष विवाह अधिनियम के तहत तलाक की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की एक अपील खारिज कर दी, जिसमें कुटुंब अदालत के 2016 के फैसले को चुनौती दी गई थी। कुटुंब अदालत ने उन्हें तलाक की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि उनकी याचिका का कोई आधार नहीं है।

अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल के दो बेटे हैं। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कुटुंब अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा, अपीलकर्ता (अब्दुल्ला) का यह आरोप भी प्रमाणित नहीं पाया गया है कि प्रतिवादी (पायल) ने उनके राजनीतिक करियर में उनका समर्थन नहीं किया। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया। 68 पृष्ठ का फैसला बुधवार को अदालत की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी अपने गुप्त उद्देश्यों के लिए बच्चों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं, इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि कुटुंब अदालत ने माना है कि यह आरोप साबित नहीं हुआ है। पीठ ने कहा, अपीलकर्ता को बच्चों से मिलने और समय बिताने दिया जा रहा है। अपीलकर्ता यह आरोप भी साबित नहीं कर पाया।

पीठ ने कहा, हमें कुटुंब अदालत के इस दृष्टिकोण में कोई दोष नहीं दिखता कि क्रूरता के आरोप अस्पष्ट और अस्वीकार्य हैं। अपीलकर्ता किसी भी कृत्य को शारीरिक या मानसिक क्रूरता साबित करने में विफल रहा है। नतीजतन, हमें अपील में कोई आधार नहीं दिखता। लिहाजा, अपील खारिज की जाती है। तलाक की मांग संबंधी याचिका में, अब्दुल्ला ने कुटुंब अदालत में दावा किया था कि उनकी शादी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है और वे 2007 से वैवाहिक संबंध में नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि एक सितंबर 1994 को उनकी शादी हुई थी और 2009 से वे अलग रह रहे हैं। उनके दोनों बेटे भी पत्नी के साथ रह रहे हैं।

पूर्वोत्तर बना भारत के विकास का पावरहाउसः सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत के विकास का पावरहाउस बन गया है। असम के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र के लिए अपनी गारंटी से कहीं अधिक काम किया है और इस दौरान कांग्रेस के शासन में दशकों की उपेक्षा का सामना करने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल हुई है।

सोनोवाल ने कहा कि सड़क, रेलवे, जलमार्ग और हवाई संपर्क सहित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नौ वर्षों में क्षेत्र के आठ राज्यों को पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डों की संख्या नौ से बढ़कर 17 हो गई है। पूर्वोत्तर में सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ताकत रही कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद, प्रदर्शन, कमजोर सरकारें, खराब नीतियां और घोटालों ने उसके शासन में क्षेत्र को प्रभावित किया क्योंकि लोगों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस क्षेत्र के संसाधनों को लूटने में दिलचस्पी रखती थी जबकि लोगों को बुनियादी जरूरतों के लिए विरोध प्रदर्शन करना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन काल में क्षेत्र के प्रतिनिधियों को मंत्रियों और अधिकारियों से मिलने का समय पाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में महीनों इंतजार करना पड़ता था, जो अक्सर व्यर्थ जाता था।

सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने क्षेत्र के लोगों तक पहुंच बनाई है और प्रधानमंत्री ने खुद रिकॉर्ड 64 बार यहां का दौरा किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने पिछले दो वर्षों में 362 बार और नौ वर्षों में 800 से अधिक बार क्षेत्र का दौरा किया है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने उन्हें और अधिकारियों को वहां विकास को बढ़ावा देने के लिए ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में शांति और गौरव बहाल करने के लिए समर्पण, प्रतिबद्धता और देशभक्ति से प्रेरित नेतृत्व दिखाया है, जिसे जी20 आयोजन के दौरान दुनिया के सामने अपनी संस्कृति और सभ्यता का प्रदर्शन करने का मौका मिला। भाजपा नेता ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का फल मिला है और पूर्वोत्तर अब जाग गया है। उन्होंने कहा, यह भारत के विकास का पावरहाउस बन गया है और एक महत्वपूर्ण गंतव्य बन गया है। सोनोवाल ने कहा कि 8,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है जबकि सुरक्षा संबंधी हालात में सुधार के कारण क्षेत्र के कई हिस्सों से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम वापस ले लिया गया है।

सिख रीति रिवाज से शादी को वैधानिक मान्यता देने वाला आनंद विवाह अधिनियम जम्मू-कश्मीर में लागू

जम्मू। आनंद विवाह अधिनियम के तहत विवाह के पंजीकरण के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा विस्तृत नियम बनाकर लागू किए गए हैं जो सिख रीति रिवाज से किए गए विवाहों को वैधानिक मान्यता प्रदान करते हैं। इसी के साथ उनकी हिंदू विवाह अधिनियम के तहत विवाह न करने की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, आनंद कारज के पंजीकरण के लिए जम्मू और कश्मीर आनंद विवाह पंजीकरण नियम, 2023 तैयार किया गया है। इसके तहत संबंधित तहसीलदार अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर के ऐसे विवाहों का पंजीकरण करेंगे।

कानून, न्याय और संसदीय मामलों के विभाग द्वारा 30 नवंबर को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सिख जोड़े अपनी शादी के बाद तीन महीने की अवधि में पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद औपचारिकताएं पूरी होने पर उन्हें विलंब शुल्क का सामना करना होगा। जम्मू के जिला गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष बलविंदर ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह लंबे समय से लंबित मांग थी और हम अपना वादा निभाने के लिए उपराज्यपाल के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि आनंद विवाह अधिनियम के लागू होने से समुदाय के लोग खुश हैं क्योंकि वे एक अलग सिख विवाह अधिनियम की अनुपलब्धता के कारण पहचान के संकट का सामना कर रहे थे। आनंद विवाह अधिनियम 1909 में ब्रिटिश इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने सिख विवाह समारोह आनंद कारज को मान्यता देने के लिए बनाया था।

जेल में कट्टरपंथी बनाने का मामलाः एनआईए ने कर्नाटक में छह स्थानों पर छापेमारी की

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी द्वारा कैदियों को कट्टरपंथी बनाने के मामले में बुधवार को बेंगलुरु में छह स्थानों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि अक्टूबर में दर्ज किए गए मामले की जांच के तहत चार आरोपियों और दो अन्य संदिग्धों के घरों पर छापेमारी की गई है। उन्होंने बताया कि इन चार में से एक आरोपी अभी फरार है।

अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीम ने मोहम्मद उमर, मोहम्मद फैसल रब्बानी, तनवीर अहमद और मोहम्मद फारूक के साथ-साथ फरार जुनैद के परिसरों पर की गई छापेमारी में कई डिजिटल उपकरण, आपत्तिजनक दस्तावेज और 7.3 लाख रुपए नकदी जब्त की।

प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में तीन आरोपी फिलहाल फरार हैं।

पूर्व में, बेंगलुरु शहर पुलिस ने सात पिस्तौल, चार हथगोले, एक मैगजीन, 45 कारतूस और चार वॉकी-टॉकी के जब्त होने के बाद मामला दर्ज किया था। शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनसे पूछताछ के बाद एक और शख्स की गिरफ्तारी हुई, जिससे मामले में अब तक कुल छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एनआईए ने 25 अक्टूबर को मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद सभी आरोपियों को हिरासत ले ली थी।

प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि उमर, रब्बानी, अहमद, फारूक और जुनैद बेंगलुरु में परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में बंद रहने के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य और आजीवन कारावास की सजा काट रहे टी नसीर के संपर्क में आए थे। अधिकारी ने कहा, यह भी पता चला था कि नजीर ने हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए इन व्यक्तियों को कट्टरपंथी बनाया और भर्ती किया। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्रीय कारागार से रिहाई के बाद, पांचों लोगों ने अहमद के नेतृत्व में और नजीर के निर्देश पर आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की साजिश रची थी। ए पांचों आदतन अपराधी हैं।

पावरप्ले का अधिक प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना होगा : सूर्या

भाषा। गक्बेरहा

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारत को तीसरा टी20 जीतकर श्रृंखला में बराबरी करना है तो भारतीय बल्लेबाजों को पावरप्ले का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।

भारत ने सेंट जॉर्ज पार्क में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो ओवर में छह रन पर ही दो विकेट गंवा दिए थे। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल खाता भी नहीं खोल सके। दक्षिण अफ्रीका ने 15 ओवर में 152 रन का संशोधित लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। मेजबान ने सिर्फ 2 . 5 ओवर में ही 42 रन बना डाले थे। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा , संदेश साफ है। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाजों ने पहले पांच छह ओवर में शानदार प्रदर्शन किया। हम इसी तरह के क्रिकेट की बात कर रहे थे। हमें अब तीसरे टी20 का इंतजार है।

टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 2000 रन पूरे करने वाले सूर्यकुमार ने कहा कि बारिश और ओस के कारण उनके गेंदबाजों को दिक्कतें आई।

उन्होंने कहा , स्कोर खराब नहीं था लेकिन गेंदबाजी करना मुश्किल

था। मैने लड़कों से कहा कि कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना होगा। ड्रेसिंग रूम का माहौल हमेशा खुशनुमा ही रहता है क्योंकि मैने उनसे कहा है कि जो मैदान पर होता है, उसे मैदान पर ही छोड़ दो।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने कहा कि गेंदबाजों ने शुरूआती चरण में धीमी पिच का पूरा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को बांधे रखा। उन्होंने कहा, शुरुआत में विकेट धीमा था। बारिश से हमें बल्लेबाजी के दौरान मदद मिली। हमारे गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया और अपनी रणनीति पर पूरा अमल किया।

सूर्यकुमार ने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान मजबूत किया

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गक्बेरहा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जड़े अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया। सूर्यकुमार ने महज 36 गेंद में 56 बनाए जिससे उन्हें 10 रेटिंग अंक प्राप्त हुए। हालांकि भारतीय टीम इस रोमांचक मैच में दक्षिण अफ्रीका से पांच विकेट से हार गई। दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार के अब कुल 865 रेटिंग अंक हो गए हैं जिससे वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (787 अंक) और दक्षिण अफ्रीका के ऐडन मार्कराम (758 अंक) से काफी आगे हैं। सूर्यकुमार ने शीर्ष रैंकिंग पिछले साल के अंत में आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान हासिल की थी और ऐसा लगता है कि वह अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप तक इस स्थान पर कब्जा बनाए रखेंगे। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप शुरू होने में अब छह महीने से भी कम समय रह गया है। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स भारत के खिलाफ 49 रन की पारी के बाद एक पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए जबकि तिलक वर्मा (10 पायदान ऊपर 55वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (46 पायदान ऊपर 59वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ। हाल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में नंबर एक गेंदबाज बने रवि बिश्नोई अभी तक दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अंतिम एकादश में नहीं चुने गए हैं तो इससे अफगानिस्तान के राशिद खान का गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का रास्ता खुल गया है। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर तबरेज शम्सी दो पायदान के फायदे से 10वें स्थान पर पहुंच गए। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव पांच पायदान के फायदे से 32वें स्थान पर काबिज हो गए हैं।

फिर शिखर पर पहुंचने के लिए प्रेरित हूं : रोहित

भाषा। नई दिल्ली

रोहित शर्मा को पता नहीं था कि विश्व कप फाइनल में मिली हार की निराशा से वह कभी उबर सकेंगे या नहीं लेकिन अब प्रशंसकों के प्यार और समझदारी ने उन्हें एक बार फिर शिखर पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है।

रोहित ने यह नहीं बताया कि वह किस शिखर की बात कर रहे हैं लेकिन समझा जाता है कि वह अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी के बारे में सोच रहे हैं। फाइनल तक रोहित के लिए बतौर बल्लेबाज और कप्तान विश्व कप का सफर शानदार रहा लेकिन 19 नवंबर को फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भारत को हराया। फाइनल की हार के बाद रोहित मैदान से निकले तो उनकी आंखें भरी हुई थी। वह इस दर्द को भुलाने के लिए ब्रेक पर इंग्लैंड चले गए थे। रोहित ने इंस्टाग्राम पर अपने फैन पेज पर लिखा , पहले कुछ दिन तो मुझे समझ ही नहीं आया कि इससे

कैसे उबरूंगा। मेरे परिवार और दोस्तों ने मेरा हौसला बनाए रखा। हार को पचाना आसान नहीं था लेकिन जिंदगी चलती रहती है और आगे बढना आसान नहीं था। उन्होंने टीम के शानदार प्रदर्शन को समझने और सराहने वाले प्रशंसकों की तारीफ की।

उन्होंने कहा , लोग मेरे पास आकर कहते थे कि उन्हें टीम पर गर्व है। मुझे बहुत अच्छा लगता था। उनके साथ मैं भी दर्द से उबरता गया। मैने सोचा कि आप यही तो सुनना चाहते हैं। उन्होंने कहा , लोग जब समझते हैं कि खिलाड़ियों पर क्या बीत रही होगी और वे अपनी हताशा या गुस्सा नहीं निकालते हैं तो यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मेरे लिए तो इसके बहुत मायने हैं क्योंकि लोगों में गुस्सा नहीं था। जब भी मिले, उन्होंने प्यार ही बरसाया। इससे वापसी करने और नए सिरे से आगाज करने की प्रेरणा मिली। एक बार फिर शिखर पर पहुंचने की कोशिश करनी है।

रोहित ने कहा , पूरे विश्व कप के दौरान हमें दर्शकों का जबर्दस्त समर्थन मिला। मैदान के भीतर भी और जो घरों में देख रहे थे, उनसे भी। मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन जितना ज्यादा विश्व कप के बारे में सोचता हूं, दुख होता है कि हम जीत नहीं सके। उन्होंने कहा , मैं 50 ओवरों का विश्व कप देखकर बड़ा हुआ। मेरे लिए यह सबसे बड़ा ईनाम है। 50 ओवरों का विश्व कप। हमने इसके लिए कितनी मेहनत की और नहीं जीत पाने पर निराशा तो होगी ही। कई बार हताशा भी होती है क्योंकि जिसके लिए मेहनत कर रहे थे , जिसका सपना देख रहे थे, वह नहीं मिला।

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर में अमी 15 रेड स्नूकर खिताब के लिए अनुपमा से भिड़ेगी

चेन्नई। मध्य प्रदेश की गत चैम्पियन अमी कमानी यहां राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप के महिला 15 रेड स्नूकर खिताब के लिए तमिलनाडु की अनुपमा रामचंद्रन से भिड़ेगी। बुधवार को हुए सेमीफाइनल में अमी ने कर्नाटक की पिछले साल की उप विजेता कीर्तना पांडियान को 3-0 से पराजित किया। वहीं अनुपमा ने दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल की सुनीति दमानी को इसी स्कोर से शिकस्त दी। अनुपमा अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीतने की कोशिश में जुटी है।

भारत में इंग्लैंड लायंस की अगुआई करेंगे जोश बोहानोन

लंदन। लंकशर के बल्लेबाज जोश बोहानोन अगले महीने भारत के लाल गेंद के दौरे पर इंग्लैंड लायंस की अगुआई करेंगे। बोहानोन पिछले काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन सत्र में 22 पारियों में 1,257 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे जिसमें उन्होंने चार शतकभी जड़े थे। दौरे के लिए चुने गए खिलाड़ियों में इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ब्रायडन कार्से (डरहम), मैट फिशर (यार्कशर), कीटन जेनिंग्स (लंकशर), एलेक्स लीस (डरहम), मैट पोट्स (डरहम) और ओली रॉबिन्सन (डरहम) भी शामिल है। दौरा भारत ए के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच (12-13 जनवरी) से शुरूहोगा और फिर 17 जनवरी से चार फरवरी के बीच चार दिवसीय तीन मुकाबले होंगे। सभी मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत दौरे के लिए इंग्लैंड लायंस टीम इस प्रकार है: जोश बोहानोन, केसी एलड्रिज, ब्रायडन कार्से, जैक कार्सन, जेम्स कोल्स, मैट फिशर, कीटन जेनिंग्स, टॉम लॉएस, एलेक्स लीस, डैन मूसले, कैलम पार्किंसन, मैट पोट्स, ओली प्राइस, जेम्स रीव और ओली रॉबिन्सन।

भारतीय टीम पर महिला क्रिकेट को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है : हरमनप्रीत

नवी मुंबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहती है कि महिला क्रिकेट में अधिक से अधिक टेस्ट आयोजित किए जाएं और बुधवार को उन्होंने स्वीकार किया कि इसे वास्तविकता बनाने के लिए भारत को निरंतर प्रदर्शन से मुख्य भूमिका निभानी होगी। करीब नौ साल के बाद भारत घरेलू सरजमीं पर एक टेस्ट मैच खेलेगा जिसमें टीम का सामना यहां डी वाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। भारत ने अपने मैदान पर अंतिम टेस्ट मैच नवंबर 2014 में मैसूर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था।

जापानी विश्व बैडमिंटन चैम्पियन ने भारत में खराब अनुभव की दास्तां सुनाई

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैम्पियन और ओलंपिक पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा ने हाल ही में भारत यात्रा का अपना खराब अनुभव साझा किया जहां दिल्ली के एक कैब ड्राइवर ने उन्हें चूना लगाया और ओडिशा के कटक में होटल में उन्हें कमरे के लिए चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

28 वर्ष की ओकुहारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फैंसनेट डॉट जेपी पर लिखा कि दिल्ली हवाई हड्डे पर एक कैब ड्राइवर ने उन्हें परेशान किया और चूना लगाया। उन्होंने लिखा कि ओडिशा ओपन के लिए सोमवार को कटक पहुंचने पर उन्हें आधिकारिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई थी। उन्होंने लिखा कि होटल में चेकइन के लिए उन्हें चार घंटे इंतजार करना पड़ा और अभ्यास सत्र के लिए सुबह आठ बजे भी उन्हें बस या कार नहीं मिली थी।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) महासचिव संजय मिश्रा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने स्थानीय आयोजन समिति का बचाव करते हुए कहा कि जापान की इस अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी ने लॉजिस्टिक का ब्यौरा (स्थानीय यात्रा और होटल) देने वाला कोई ईमेल नहीं भेजा वरना ऐसी नौबत नहीं आती।

उन्होंने कहा, मैं समझ सकता हूं कि ओकुहारा पर क्या गुजरी होगी लेकिन हमें उनकी ओर से होटल या परिवहन को लेकर कोई ईमेल नहीं मिला। यह तकनीकी मसला है और संवादहीनता के कारण हुआ। हमें कोई सूचना नहीं थी।

बशीर भले भारत के खिलाफ नहीं खेले, लेकिन यह दौरा उसके लिए अहम होगा : लाहिड़ी

भाषा। बेंगलुरु

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किए गए शोएब बशीर के कोच सिद्धार्थ लाहिड़ी का कहना है कि सीनियर खिलाड़ियों के साथ होना उनके शिष्य के लिए काफी फायदेमंद रहेगा, फिर चाहे वह इस दौरे पर खेले या नहीं।

समरसेट के 20 साल के ऑफ स्पिनर को अचानक ही मंगलवार को इंग्लैंड के चयनकर्ताओं ने सीनियर टीम में शामिल कर दिया जिसके बाद सभी उनकी चर्चा कर रहे हैं और बशीर रातों रात स्टार बन गए हैं।

लेकिन बचपन से उनके कोच रहे लाहिड़ी ने संतुष्टि की मुस्कान के साथ कहा, यह उसके लिए शानदार मौका है। भले ही उसे भारत में खेलने का मौका नहीं मिले लेकिन एक महत्वपूर्ण दौरे पर सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहना उसके लिए काफी फायदेमंद होगा।

लाहिड़ी सें में रॉयल्स अकादमी के प्रमुख हैं, उन्होंने पीटीआई से कहा, मुझे भरोसा है कुछ वर्षों पहले कई ने उसके टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोचा होगा क्योंकि तब वह आयु वर्ग के ग्रुप क्रिकेट के लिए एक टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहा था। उन्होंने बशीर के बारे में बात करते हुए कहा, यह अपने ग्रुप के सभी खिलाड़ियों से अलग था क्योंकि कभी कभार आप खेल का लुत्फ उठाना बंद कर देते हो और बाहरी मुद्दों जैसे टीम चयन, अन्य खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा आदि जैसे मामलों में उलझ जाते हो। लाहिड़ी ने कहा, लेकिन शोएब (बशीर) गेंदबाजी करना पसंद करता था। वह आंखें बंद करके भी उस जगह गेंद डाल सकता था, जहां उसे यह डालनी होती। वह शाम करीब पांच बजे अकादमी आ जाता और अपना होमवर्क खत्म करके सीधे नेट में चला जाता।

लियोन ने कहा, अश्विन मेरे सबसे बड़े प्रशिक्षकों में से एक

पर्थ। टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल होने से चार विकेट दूर ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने अपने करियर में भारतीय में स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की भूमिका का बखान करते हुए उन्हें अपने सबसे बड़े प्रशिक्षकों में एक करार दिया।

पिंडली की चोट से उबरकर वापसी करने वाले लियोन ने पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की पूर्व संध्या पर अश्विन की जमकर तारीफ की। लियोन ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा, अश्विन विश्वस्तरीय गेंदबाज है और उन खिलाड़ियों में शामिल है जिन्हें अपने करियर के शुरू से ही मैंने करीब से देखा है। हमने दुनिया भर में भिन्न परिस्थितियों में कई बार एक दूसरे का सामना किया है। मैं वास्तव में उससे काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, आपको उन खिलाड़ियों से भी सीखने का मौका मिलता है जो आपके खिलाफ खेलते हैं और वह शायद मेरे सबसे बड़े प्रशिक्षकों में से एक है। लियोन ने अभी तक 496 टेस्ट विकेट लिए हैं जबकि अश्विन के नाम पर 489 विकेट दर्ज हैं।

उपुल थरंगा की अगुआई में बनी श्रीलंका की नई चयन समिति

कोलंबो। खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने बुधवार को श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद पूर्व सलामी बल्लेबाज उपुल थरंगा को राष्ट्रीय चयन समिति का नया अध्यक्ष घोषित किया। पांच सदस्यीय समिति में पूर्व खिलाड़ी अजंता मेंडिस, इंडिका डि सरम, थरंगा परनविताना और दिलरूवान परेरा भी शामिल हैं।

नई समिति दो साल के लिए काम करेगी और अभी सबसे पहले उसकी जिम्मेदारी छह से 18 जनवरी के बीच कोलंबो में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली जाने वाली छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम का चयन करना है। आईसीसी वनडे विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद चयन पैनल का पुनर्गठन जरूरी हो गया था। श्रीलंका विश्व कप में दो जीत और सात हार से 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर रहा था। इससे पहले पिछली चयन समिति के अध्यक्ष पूर्व तेज गेंदबाज पी विक्रमसिंघा थे।

चेतेश्वर पुजारा ने 2024 के काउंटी सत्र के लिए ससेक्स से अनुबंध किया

होव (इंग्लैंड)। दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने गए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 2024 के काउंटी सत्र के लिए इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट क्लब ससेक्स के साथ फिर से अनुबंध किया है। पुजारा लगातार तीसरे सत्र में इस क्लब के लिए खेलेंगे। वह पहली बार 2022 में ससेक्स से जुड़े थे। यह स्टार बल्लेबाज 2024 के सत्र में काउंटी चैंपियनशिप के पहले सात मैच के लिए उपलब्ध रहेगा। पुजारा ने फिर से ससेक्स जुड़ने के बारे में कहा, मैंने पिछले दो सत्र में होव में बिताए गए समय का पूरा लुत्फ उठाया और मैं बेहद खुश हूं कि मैं फिर से ससेक्स परिवार से जुड़ रहा हूं। मैं टीम से जुड़ने और उसकी सफलता में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। ससेक्स की तरफ से पुजारा का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने इस क्लब की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप के 18 मैच में 64.24 की औसत से 1863 रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 231 रन है जो उन्होंने पहले सत्र में डर्बीशर के खिलाफ बनाया था।

भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट दोनों टीम के लिए काफी हद तक अनजान: नाइट

भाषा। नवी मुंबई

इंग्लैंड की महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट ने कहा कि भारत के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाला एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच दोनों टीमों के लिए काफी हद तक अनजान है और सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना महत्वपूर्ण होगा।

भारतीय महिला टीम ने 1995 के बाद घरेलू धरती पर और 2006 के बाद विदेशी मैदान पर कोई टेस्ट मैच नहीं गंवाया है और वह इंग्लैंड के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी, लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पिछले दो वर्षों में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। नाइट ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों टीम के लिए काफी हद तक अनजान (प्रारूप) है। निश्चित तौर पर भारतीय खिलाड़ियों ने लंबे समय से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। हम जब भी टेस्ट मैच खेलते हैं तो यह काफी उत्साहजनक होता है।

इंग्लैंड की महिला टीम का यह 100वां टेस्ट मैच होगा लेकिन उसकी कप्तान इस रिकॉर्ड से अवगत नहीं थी। नाइट ने कहा, मुझे वास्तव में इसके बारे में पता नहीं था। यह शानदार आंकड़ा है। मेरा मानना है कि भारत में टेस्ट मैच खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिए बहुत बड़ी बात होती है और यह वास्तव में अच्छा है कि हमें यह मौका मिल रहा है। टी20 श्रृंखला समाप्त होने के तीन दिन बाद इस टेस्ट मैच का आयोजन किया जा रहा है और नाइट ने कहा कि सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, आप दो दिन में अपने खेल में बहुत अधिक बदलाव या तैयारी नहीं कर सकते हैं। यह सभी चीजों के प्रति अपनी राय स्पष्ट रखने से जुड़ा है।

सेमीफाइनल में भारत के सामने जर्मनी की चुनौती

भाषा। कुआलालंपुर

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम जूनियर पुरूष विश्व कप हॉकी सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को जर्मनी जैसी मजबूत टीम के सामने होगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखते हुए चौथी बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश का होगा।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज भारत ने चौथी रैंकिंग वाली नीदरलैंड टीम को क्वार्टर फाइनल में 4 . 3 से हराया। हाफटाइम तक दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारत ने जीत दर्ज की। कप्तान उत्तम सिंह ने आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट पहले विजई गोल दागा। उपकप्तान अराइजीत सिंह हुंडल ने मैच में दो गोल किए। कप्तान उत्तम ने कहा , हमें दबाव में खेलने की आदत हो गई है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल हो या जोहोर कप में कांस्य पदक का मुकाबला, हमने दबाव में ही खेलकर जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा , हमने इस पर काम किया है और इस कौशल को निखारा है। इस टीम के पांच खिलाड़ी पहले भी जूनियर विश्व कप खेल चुके हैं और यह अनुभव काम आ रहा है। भारत का मनोबल इसलिए भी बढा है कि गोल गंवाने के बाद टीम ने वापसी की है। नीदरलैंड के खिलाफ शुरूआत में बैकफुट पर रहने के बाद उन्होंने आक्रामक खेल दिखाकर जीत दर्ज की।

जर्मन टीम को हराना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका डिफेंस बहुत मजबूत है। इसके अलावा वे तेजी से जवाबी हमले बोलने में माहिर हैं। डच टीम के खिलाफ रोहित ने आखिरी क्वार्टर में छह पेनल्टी कॉर्नर बचाकर भारत को जीत दिलाई। भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर देने की इस आदत से बचना होगा क्योंकि जर्मनी के खिलाफ यह भारी पड़ सकती है। इस साल भारत का सामना जर्मनी से चार बार हुआ है और चारों बार उसे पराजय का सामना करना पड़ा। आखिरी बार जोहोर कप सेमीफाइनल में जर्मनी ने उसे 6 . 3 से हराया था। भुवनेश्वर में जूनियर विश्व कप 2021 में भी जर्मनी ने सेमीफाइनल में भारत को 4 . 2 से शिकस्त दी थी।

आईसीसी ने उस्मान ख्वाजा को संदेश वाले जूते पहनने से रोका

भाषा। पर्थ

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को उन जूतों को पहनने की अनुमति नहीं दी जिस पर उन्होंने जाहिर तौर पर गाजा के संदर्भ में कुछ संदेश लिखे थे। पाकिस्तानी मूल के इस क्रिकेटर ने मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान जो जूते पहन रखे थे उन पर सभी जीवन समान हैं और स्वतंत्रता मानव का अधिकार है जैसे संदेश लिखे हुए थे। रिपोर्टों के अनुसार उनकी योजना पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के दौरान इन जूतों को पहनने की थी।

आईसीसी के नियम हालांकि इस तरह की गतिविधियों को अनुमति नहीं देते हैं और बुधवार को इसकी पुष्टि

भी कर दी गई कि यह 36 वर्षीय बल्लेबाज इन जूतों को पहनकर मैदान पर नहीं उतरेगा। ख्वाजा ने बाद में कहा कि वह मानव अधिकारों के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने एक्स पर जारी वीडियो में कहा, सभी जीवन एक समान हैं। आजादी मानव का अधिकार है। मैं मानव अधिकार के लिए अपनी आवाज उठा रहा हूं। मेरे जूतों पर जो कुछ लिखा गया था वह राजनीतिक नहीं था। मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं।

शमी अर्जुन पुरस्कार और सात्विक-चिराग खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित

भाषा। नई दिल्ली

वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार जबकि बैडमिंटन पर की पुरुष युगल जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

तैंतीस वर्षीय तेज गेंदबाज शमी ने वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत इस टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शमी का नाम सूची में शामिल करने के लिए विशेष आग्रह किया। इससे पहले उनका नाम देश के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामित किए गए खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं था। शमी ने वनडे विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लिए। उन्होंने केवल सात मैच में 24 विकेट हासिल किए थे। पहले चार मैच में बाहर रहने

के बाद शमी को जब मौका मिला तो उन्होंने उसका पूरा फायदा उठाया। वह अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेल सकते हैं।

शमी के अलावा 16 अन्य खिलाड़ियों को भी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इनमें पुरुष हॉकी खिलाड़ी कृष्ण बहादुर पाठक और सुशीला चानू, तीरंदाज ओजस प्रवीण देवताले और अदिति गोपीचंद स्वामी, मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन, शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली, गोल्फर दीक्षा डागर, निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, पहलवान अंतिम पंघाल और टेबल टेनिस खिलाड़ी अयहिका मुखर्जी शामिल हैं। प्रशिक्षकों को मिलने वाले द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए गणेश प्रभाकरन (मल्लखंभ), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) को नामांकित किया गया है। ध्यानचंद जीवन पर्यंत पुरस्कार के लिए कविता (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) और विनीत कुमार शर्मा (हॉकी) को नामांकित किया गया है।

खेल मंत्रालय ने इस साल के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और अर्जुन पुरस्कार का फैसला करने के लिए 12 सदस्यीय समिति गठित की है। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एएम खानविलकर इस समिति के प्रमुख हैं।

उनके अलावा हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै, पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी कमलेश मेहता, पूर्व मुक्केबाज अखिल कुमार, महिला निशानेबाज और वर्तमान राष्ट्रीय कोच शुमा शिरूर, पूर्व क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुर्गुंडे और पावरलिफ्टर फरमान पाशा भी समिति में शामिल हैं।

विभिन्न पुरस्कारों के लिए नामांकितों की सूची इस प्रकार है:

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार: सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी (बैडमिंटन)।

अर्जुन पुरस्कार: मोहम्मद शमी (क्रिकेट), अजय रेड्डी (दृष्टिबाधित क्रिकेट), ओजस प्रवीण देवताले, अदिति गोपीचंद स्वामी (तीरंदाजी), शीतल देवी (पैरा तीरंदाजी), पारुल चौधरी और एम श्रीशंकर (एथलेटिक्स), मोहम्मद हुसामुद्दीन (मुक्केबाजी), आर वैशाली (शतरंज), दिव्यकृति सिंह और अनूष अग्रवाल (घुड़सवारी), दीक्षा डागर (गोल्फ), कृष्ण बहादुर पाठक और सुशीला चानू (हॉकी), पिंकी (लॉन बॉल), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (निशानेबाजी), अंतिम पंघाल (कुश्ती), अयहिका मुखर्जी (टेबल टेनिस)।

ध्यानचंद जीवन पर्यंत पुरस्कार: कविता (कबड्डी), मंजूषा कंवर (बैडमिंटन) विनीत कुमार शर्मा (हॉकी)।

द्रोणाचार्य पुरस्कार: गणेश प्रभाकरन (मल्लखंब), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज), शिवेंद्र सिंह (हॉकी)।

टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष बने पेस और अमृतराज

भाषा। नई दिल्ली

विश्व के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी लिएंडर पेस तथा भारत के प्रसारक और प्रमोटर विजय अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष बन गए हैं। इन दोनों के अलावा प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस को भी टेनिस के इस विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है।

पुरुष युगल और मिश्रित युगल में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पेस को खिलाड़ियों के वर्ग में जबकि अमृतराज और ग्रेट ब्रिटेन के इवांस को टेनिस में योगदान देने वालों के वर्ग में चुना गया है। टेनिस खेल से जुड़े इन तीनों दिग्गज को शनिवार को न्यूपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल आफ फेम में शामिल किया जाएगा। अभी तक 27 देश के 264 लोगों को टेनिस हॉल आफ फेम में शामिल किया गया है।

भारत इस तरह से इसमें प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां देश बन जाएगा।

पेस ने कहा, मेरे लिए जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान उस खेल में तीन दशक तक अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है, जिसने मुझे सब कुछ दिया और सिखाया। यह सम्मान प्रत्एक टेनिस खिलाड़ी के योगदान को मान्यता मिलना है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल आफ फेम में शामिल होना केवल मेरा ही नहीं करोड़ों भारतीयों का भी सम्मान है। तीन दशक तक चले अपने करियर में पेस युगल रैंकिंग में शीर्ष पर भी रहे और इस दौरान उन्होंने 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इनमें आठ युगल और 10 मिश्रित युगल खिताब शामिल हैं। वह इन दोनों वर्गों में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। टेनिस में सर्वाधिक मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से पेस और उनकी पूर्व जोड़ीदार मार्टिना नवरातिलोवा के नाम पर दर्ज है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।